नई दिल्ली । मंगलवार, 30 जून, 2026
ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष पूर्णिमा, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष :12, अंक :175/ मूल्य 3.00 रुपए । पृष्ठ 12

दैनिक
नई दिल्ली संस्करण
विश्व केसरी
सिर्फ पत्रकारिता...
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official
आर. एन. आई. संख्या डीईएलएच आईएन/2015/61415

@ खेल बैडमिंटन एशिया जूनियर टीम चैंपियनशिप...
@ विचार धरती पर मंडराता ब्रहमांडीय खतरा और क्षुद्रग्रहों की बढ़ती...
@ व्यापार अमेरिका -ईरान तनाव बढ़ने से लाल हुआ शेयर बाजार...

राम मंदिर में तैनात आरएमओ अर्जुन देव हटाए गए

1600 कैमरों की निगरानी की थी जिम्मेदारी

एजेंसी ■ अयोध्या

राम मंदिर चढ़ावा चोरी प्रकरण में आरोपियों के घर छापेमारी और पूछताछ के बीच श्रीराम जन्मभूमि में 17 वर्षों से तैनात रेडियो ऑपरेशन अधिकारी (आरएमओ) अर्जुन देव को राम मंदिर से हटा दिया गया है।

काउंटिंग रूम में चढ़ावे की गणना के दौरान लगे सीसीटीवी कैमरों के साथ पूरे मंदिर परिसर में लगे करीब 1600 कैमरों की निगरानी की जिम्मेदारी उन्हीं के पास थी। ऐसे में एसआईटी व पुलिस यह पता लगा रही है कि इतनी कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बावजूद करोड़ों रुपये के चढ़ावे की चोरी कैसे होती रही और निगरानी तंत्र कहां नाकाम रहा। सूत्रों के मुताबिक अर्जुन देव वर्ष 2009 से लगातार अयोध्या में तैनात थे। इस दौरान कई बार उनके तबादले के आदेश हुए, लेकिन हर बार किसी न किसी स्तर पर रुक गए। हाल में लखनऊ तबादले का आदेश भी निरस्त हो गया था। एसआईटी अब यह भी खंगाल रही है कि आखिर उनके तबादले बार-बार किसके स्तर से रुकवाए गए और एक ही जिले में 17 वर्ष तक तैनाती की वजह क्या रही।

जांच में यह भी सामने आया है कि अर्जुन देव सिर्फ वायरलेस संचार और सुरक्षा व्यवस्था तक सीमित नहीं थे। वह वीआईपी दर्शन व्यवस्था समेत ट्रस्ट के कई कामकाज में भी सक्रिय भूमिका निभाते रहे।

अमेरिका और ईरान फिलहाल रोकेंगे हमले

होर्मुज स्ट्रेट को लेकर दोहा में होगी बातचीतः रिपोर्ट

एजेंसी ■ वाशिंगटन

अमेरिकी मीडिया आउटलेट एक्सियोस की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका और ईरान अभी के लिए आपसी हमले रोकने और होर्मुज स्ट्रेट पर अपने विवाद को सुलझाने के लिए मंगलवार को कतर की राजधानी दोहा में बातचीत करने पर सहमत हो गए हैं।

एक अमेरिकी अधिकारी के हवाले से कहा गया कि दोनों पक्ष अभी के लिए पीछे हटेंगे और जहाज आसानी से आ-जा सकते हैं क्योंकि टेक्निकल बातचीत जारी रहने वाली है।

न्यूज एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, असल में स्विट्जरलैंड में मंगलवार की बातचीत होनी थी और इसका मुख्य मुद्दा ईरान का परमाणु कार्यक्रम था। हालांकि, होर्मुज स्ट्रेट में नए तनाव के कारण बातचीत को दोहा में शिफ्ट कर दिया गया। इससे रणनीतिक समुद्री मार्ग होर्मुज स्ट्रेट में शिपिंग सुरक्षा को लेकर फोकस बढ़ गया है।

एक हफ्ते पहले स्विट्जरलैंड में बातचीत के दौरान, अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल ईरान के साथ इस बात पर सहमत हुआ कि वह अमेरिकी मिलिट्री और ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशन गार्ड कॉर्प्स के बीच स्ट्रेट में ट्रैफिक को कोऑर्डिनेट करने के लिए एक हॉटलाइन बनाएगा।

हालांकि, रिपोर्ट के अनुसार, शनिवार तक हॉटलाइन अभी भी चालू नहीं थी। अमेरिका ने शुक्रवार और शनिवार को ईरानी ठिकानों पर हमले किए, जिसमें होर्मुज स्ट्रेट में कमर्शियल शिपिंग के खिलाफ ईरान के लगातार हमले का हवाला दिया गया। ईरान ने इस इलाके में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर हमला करके जवाब दिया।

इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को दावा किया कि ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट के पास एक वाणिज्यिक तेल टैंकर पर हमला कर सीजफायर समझौते का फिर से उल्लंघन किया है। इसके जवाब में अमेरिका ने ईरान के कई सैन्य ठिकानों पर ताजा हवाई हमले किए। ट्रंप ने ईरान को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि यदि इस तरह के हमले जारी रहे, तो इस्लामिक रिपब्लिक का अस्तित्व नहीं बचेगा। दरअसल, ईरान ने कथित तौर पर एक तरफा ड्रोन हमला किया, जिसने सुबह 4:30 बजे ईटी पर पनामा के झंडे वाले टैंकर एम/टी किकू को निशाना बनाया। इसके बाद अमेरिका ने ईरान के सैन्य ठिकानों पर हमला किया। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सीईएनटीसीओएम) ने कहा कि ये स्ट्राइक राष्ट्रपति के कहने पर किए गए थे।

टैंकर होर्मुज स्ट्रेट के पास से गुजर रहा था और उसमें दो मिलियन बैरल से ज्यादा कच्चा तेल था। ट्रूथ सोशल पोस्ट में राष्ट्रपति ट्रंप ने लिखा, 'अमेरिका के एयरक्राफ्ट ने अभी-अभी सीजफायर एग्रीमेंट का उल्लंघन करने के लिए ईरानी मिसाइल और ड्रोन स्टोरेज जगहों, और तटीय रडार साइट्स पर हमला किया है, फिर से! यह बहुत मुमकिन है कि वे कभी नहीं सीखेंगे!'

राष्ट्रपति ने लिखा, 'एक समय ऐसा आ सकता है जब हम समझदारी से काम नहीं कर पाएंगे और हमें उस काम को मिलिट्री से पूरा करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा जिसे हमने बहुत कामयाबी से शुरू किया था।

1 जुलाई से पेट्रोल-डीजल की बिक्री पर लगी पाबंदियां हटाएगी सरकार

एजेंसी ■ नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने सोमवार को 1 जुलाई से व्यावसायिक ग्राहकों के लिए पेट्रोल और डीजल की खुदरा बिक्री पर घरेलू ईंधन आपूर्ति की सुरक्षा के उद्देश्य से लगाए गए अस्थायी प्रतिबंधों को हटाने का निर्णय लिया है। सरकार के इस निर्णय से औद्योगिक, संस्थागत और परिवहन क्षेत्र से जुड़े उपभोक्ता फिर से पेट्रोल पंपों से बिना किसी लिमिट के ईंधन खरीद सकेंगे। सरकार के एक आदेश के अनुसार, अब व्यावसायिक खरीदार खुदरा पेट्रोल पंपों से पेट्रोल और डीजल की खरीद पहले की तरह सामान्य तरीके से कर सकेंगे। उन पर किसी प्रकार की मात्रा संबंधी पाबंदी लागू नहीं रहेगी। सरकार का यह फैसला इस महीने की शुरुआत में लागू किए गए अस्थायी प्रतिबंधों को समाप्त करता है। ये पाबंदियां वैश्विक ऊर्जा व्यापार में संभावित बाधाओं और ईंधन की मांग में असामान्य बदलाव को देखते हुए घरेलू ईंधन आपूर्ति सुरक्षित रखने के उद्देश्य से लगाई गई थीं। 12 जून 2026 को लागू किए गए 'मोटर स्पिरिट और हाई स्पीड डीजल (खुदरा आउटलेट्स के माध्यम से आपूर्ति का अस्थायी विनियमन) आदेश, 2026' के तहत औद्योगिक, संस्थागत और व्यावसायिक उपभोक्ताओं को खुदरा पेट्रोल पंपों से ईंधन खरीदने पर रोक लगा दी गई थी।

सक्षिप्त खबर

राममंदिर चोरी- 8 आरोपियों को 14 दिन की न्यायिक हिरासत

अयोध्या। अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी के मामले में 8 आरोपियों के खातों की जांच के लिए पुलिस सोमवार को बैंक पहुंची। राम मंदिर ट्रस्ट की 11 जुलाई को होने वाली बैठक अब 6 जुलाई को अयोध्या में होगी। सूत्रों के अनुसार, यह बैठक मणि रामदास की छावनी की जगह कारसेवक पुरम में हो सकती है। दिन और जगह क्यों बदला गया, इस बारे में पता नहीं चल पाया है।

वही इस बीच, सभी 8 आरोपियों को कोर्ट में पेश किया गया। पुलिस आरोपियों की रिमांड नहीं मांगी। फिर कोर्ट ने सभी आरोपियों को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। अगली सुनवाई 13 जुलाई को होगी। तब तक आरोपी जेल में ही रहेंगे।

जबकि, चढ़ावा चोरी मामले में पूर्व पदाधिकारियों चंपत राय, अनिल मिश्रा और गोपाल राव से पूछताछ की गई। उनके बयान दर्ज किए गए।

सिया ने केतन से 1 करोड़ लेकर चेतन को दिए:कैब ड्राइवर का दावा

एजेंसी ■ पुणे

पुणे के केतन अग्रवाल मर्डर केस में नए खुलासे हो रहे हैं। पुलिस के मुताबिक, सिया ने केतन से शादी की शॉपिंग के नाम पर 1 करोड़ लिए थे। इन पैसों से शॉपिंग नहीं की, बल्कि पूरी रकम प्रेमी चेतन चौधरी को दे दी थी।

केतन-सिया की बाली प्री-वेडिंग ट्रिप के लिए 6 जून को उन्हें एयरपोर्ट छोड़ने वाले कैब ड्राइवर वैभव जाधव का बयान सामने आया। उसके मुताबिक सिया बाली नहीं जाना चाहती थी। रास्ते में उसकी अपने भाई साहिल से किसी बात को लेकर बहस हो रही थी।

वैभव ने बताया- कुछ देर बाद गाड़ी एक स्थान पर रुकी, जहां 4 अन्य लोग सवार हुए। बाद में गाड़ी फूड कोर्ट पर रुकी। सभी लोग खाने-पीने चले गए। कुछ देर बाद सिया आई। गाड़ी से कुछ सामान निकालकर अपने बूट में छिपा लिया और वापस चली गई

वैभव ने कहा कि मैंने सभी लोगों को एयरपोर्ट छोड़ा। बाद में कॉल आया कि केतन का पासपोर्ट कैब में छूट गया है। मैं एयरपोर्ट पहुंचा। गाड़ी की सभी ने तलाशी ली, लेकिन गाड़ी में पासपोर्ट नहीं मिला।

पुणे पुलिस ने 28 जून को लोहगढ़ किले की इस पॉइंट पर केतन मर्डर का सीन रीक्रिएट किया। यहां से एक केतन की हाइट वाले पुतले को फेंका गया।

पुलिस के 3 और दावे, इशारा मिलते ही केतन को धक्का दिया

कैफे में मर्डर प्लान बनाया: सिया और चेतन ने घटना से एक दिन पहले पुणे के लुल्लानगर में एक कैफे में मर्डर प्लान किया था। दोनों वारदात से पहले लोहगढ़ किले पर आए थे। यहां उन्होंने हत्या के लिए जगह चुनी और रिहर्सल भी की। पुलिस अब उस उस जगह का पता लगा रही है, जहां दोनों ने रिहर्सल की थी। स्कूटर से लोहगढ़ किला पहुंचा: पुलिस के मुताबिक, चेतन पुणे से करीब 90 किलोमीटर दूर लोहगढ़ किले तक स्कूटर से पहुंचा था। उसने कार का इस्तेमाल नहीं किया।

एनआईआईएफ में 30,000 करोड़ रुपए के अतिरिक्त निवेश को मंजूरी

इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं को मिलेगी रफ्तार

एजेंसी ■ नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने देश में बुनियादी ढांचे (इंफ्रास्ट्रक्चर) के विकास को गति देने और निजी व संस्थागत निवेश को बढ़ावा देने के लिए सोमवार को एक बड़ा फैसला लिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने नेशनल इन्वेस्टमेंट एंड इंफ्रास्ट्रक्चर फंड (एनआईआईएफ) में 30,000 करोड़ रुपए के अतिरिक्त निवेश को मंजूरी दे दी है। इस फैसले के बाद एनआईआईएफ में भारत सरकार की कुल निवेश प्रतिबद्धता बढ़कर 60,000 करोड़ रुपए हो गई है।

एक आधिकारिक बयान में सोमवार को कहा गया कि यह अतिरिक्त निवेश परिवहन, ऊर्जा, डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर, शहरी अवसंरचना, ई-मोबिलिटी और अन्य राष्ट्रीय महत्व की परियोजनाओं में निवेश को तेज करेगा, जिससे देश में बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित होगा, रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे और 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य को हासिल करने में मदद मिलेगी।

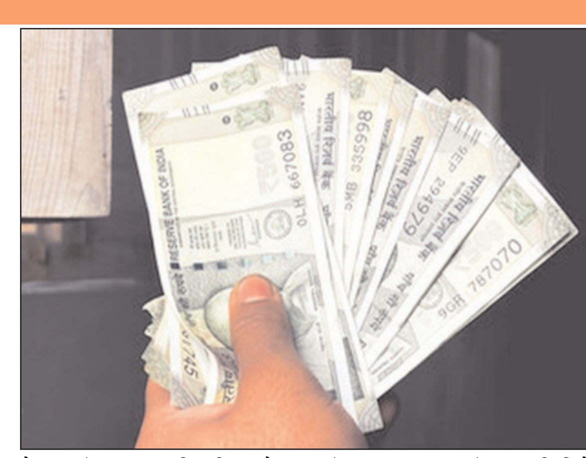

नेशनल इन्वेस्टमेंट एंड इंफ्रास्ट्रक्चर फंड (एनआईआईएफ) भारत सरकार द्वारा समर्थित एक संप्रभु निवेश फंड है, जिसका संचालन और प्रबंधन नेशनल इन्वेस्टमेंट एंड इंफ्रास्ट्रक्चर फंड लिमिटेड (एनआईआईएफएल) करता है। सरकार की इसमें 49 प्रतिशत हिस्सेदारी है। वर्तमान में एनआईआईएफ अपने विभिन्न फंडों और निवेश रणनीतियों के जरिए करीब 40,000 करोड़ रुपए की पूंजी का प्रबंधन कर रहा है।

एनआईआईएफ ने अब तक निवेशकों को बड़े निवेशों से सफल निकासी (एग्जिट) के जरिए लगभग 12,000 करोड़ रुपए का रिटर्न भी दिया है, जिससे इसकी मजबूत निवेश क्षमता और प्रदर्शन का पता चलता है।

एनआईआईएफ में दुनिया के कई प्रतिष्ठित संस्थागत निवेशकों ने निवेश किया है, जिनमें अबू धाबी इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी, ऑस्ट्रेलियनसुपर, सीपीपी इन्वेस्टमेंट्स, ओंटारियो टीचर्स पेंशन प्लान, टेमासेक, एशियन इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट बैंक (एआईआईबी), एशियन डेवलपमेंट बैंक (एडीबी), न्यू डेवलपमेंट बैंक, जापान बैंक फॉर इंटरनेशनल कोऑपरेशन (जेबीआईसी), यूएस इंटरनेशनल डेवलपमेंट फाइनेंस कॉरपोरेशन (डीएफसी) के अलावा एक्सिस बैंक, एचडीएफसी समूह, आईसीआईसीआई बैंक, कोटक महिंद्रा लाइफ इंश्योरेंस और भारतीय स्टेट बैंक जैसे प्रमुख भारतीय संस्थान शामिल हैं।

वेनेजुएला : मृतकों की संख्या बढ़कर 1450 हुई

एजेंसी ■ काराकस

वेनेजुएला नेशनल असेंबली के अध्यक्ष जॉर्ज रोड्रिगेज ने कहा कि वेनेजुएला में बुधवार को आए दो शक्तिशाली भूकंपों में मरने वालों की संख्या बढ़कर 1,450 हो गई है।

नेशनल इमरजेंसी पर सरकार के नए अपडेट में रोड्रिगेज ने कहा कि 7.2 और 7.5 तीव्रता के दो शक्तिशाली भूकंपों के बाद, वेनेजुएला में 430 हल्के से मध्यम झटके रिकॉर्ड किए गए हैं।

इससे पहले शनिवार को उन्होंने सरकारी टेलीविजन पर कहा था कि इस आपदा से 3,238 लोग घायल हुए हैं और 3,142 परिवार प्रभावित हुए हैं।

वेनेजुएला के अधिकारियों की ओर से, रोड्रिगेज ने इस प्राकृतिक आपदा के हजारों पीड़ितों के प्रति अपनी गहरी संवेदना जताई। उन्होंने कहा कि हजारों लोग अभी भी सर्च और रेस्क्यू ऑपरेशन में चौबीसों घंटे काम कर रहे हैं।

इस बीच, वेनेजुएला फाउंडेशन फॉर सीस्मोलॉजिकल रिसर्च ने शनिवार को बताया कि दक्षिण अमेरिकी देश के मध्य क्षेत्र में 4.1 तीव्रता का भूकंप महसूस किया गया, जिससे इस हफ्ते की शुरुआत में आए दो विनाशकारी भूकंपों के बाद पहले से ही परेशान लोग और तकलीफ में आ गए।

राज्य की भूकंप एजेंसी ने कहा कि ताजा झटके का केंद्र ला गुएरा से लगभग 35 किमी पश्चिम में था, जो सेंट्रल कोस्ट पर एक मुख्य पोर्ट शहर है, जिसे बुधवार को आए दो शक्तिशाली भूकंपों से हुए भारी नुकसान के बाद डिजास्टर जोन घोषित कर दिया गया है।

एजेंसी ने बताया कि भूकंप 5 किमी की कम गहराई पर आया, जिससे आम तौर पर जमीन का कंपन बढ़ जाता है और स्ट्रक्चरल डैमेज का खतरा भी बढ़ता है।

काराकास और आस-पास के इलाकों में रहने वालों ने बताया कि उन्हें भूकंप के झटके महसूस हुए और कई लोग बिल्डिंग के और गिरने के डर से बाहर भागे। यह भूकंप बुधवार को इस इलाके में दो बड़े भूकंप के झटकों के कुछ ही दिन बाद आया है। पिछले हफ्ते 7.2 और 7.5 तीव्रता के भूकंप से बहुत ज्यादा तबाही हुई, जिसमें बिल्डिंग गिरना, भूस्खलन और मौतें शामिल थीं।

अधिकारियों को राहत के कामों में तालमेल बिठाने में मुश्किल हो रही है, क्योंकि बचाव दल तटीय और पहाड़ी इलाकों में प्रभावित समुदायों तक पहुंचने के लिए लगातार काम कर रहे हैं।

सेशेल्स यात्रा कई ठोस और महत्वपूर्ण परिणामों से भरपूरः पीएम मोदी

एजेंसी ■ विक्टोरिया

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सेशेल्स की तीन दिवसीय राजकीय यात्रा संपन्न कर स्वदेश के लिए रवाना हुए। इस दौरे को पीएम मोदी ने ठोस और महत्वपूर्ण परिणामों से भरपूर बताया है।

पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस सफल यात्रा की झलक दिखाई। एक वीडियो क्लिप पोस्ट करते हुए लिखा, 'सेशेल्स की मेरी यात्रा कई ठोस और महत्वपूर्ण परिणामों से भरपूर रही है, जो भारत और सेशेल्स की मित्रता को और अधिक मजबूत बनाएगी।'

प्रधानमंत्री ने बीते 50 साल की नींव को आगामी 50 साल की समृद्धि के लिए अहम माना। उन्होंने आगे लिखा, 'मैं पूरे विश्वास के साथ कह सकता हूं कि पिछले पचास वर्षों में हमारे संबंध गहरे भरोसे और साझा प्रगति की नींव पर खड़े रहे हैं। आने वाला अगला पचास वर्ष नवाचार, सतत विकास और साझा समृद्धि से परिभाषित होगा।

भारत के पीएम ने यकीन के साथ कहा, 'मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि मेरी यह यात्रा सेशेल्स-यूरोपीय संघ (ईयू) संबंधों को भी बेहतर बनाने में मददगार रही है, जिनमें ठोस परिणाम सामने आए हैं। पीएम मोदी सेशेल्स के राष्ट्रीय दिवस समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। उन्होंने कहा, 'मुझे यह भी बताते हुए प्रसन्नता है कि मुझे सेशेल्स के राष्ट्रीय दिवस समारोह में शामिल होने का अवसर मिला, खासकर ऐसे समय में जब देश अपनी स्वतंत्रता के 50 वर्ष पूरे कर रहा है।

मैं राष्ट्रपति हर्मिनी, सेशेल्स की सरकार, वहां की जनता और सेशेल्स के लोगों के स्नेह और गर्मजोशी भरे स्वागत के लिए हृदय से आभार व्यक्त करता हूं।

हरियाणा-राजस्थान के बीच मुकम्मल हुआ यमुना जल समझौता

विश्व केसरी

तीन दशक पुरानी पेयजल समस्या का समाधान

यह सहकारी संघवाद की जीत- अमित शाह

चंडीगढ़। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह की उपस्थिति में दिल्ली में सोमवार को हरियाणा और राजस्थान सरकार के बीच यमुना जल परियोजना पर एक ऐतिहासिक समझौते पर हस्ताक्षर हुए। इस अवसर पर हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा तथा केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री सी. आर. पाटिल सहित दोनों राज्यों के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

अमित शाह ने इस अवसर पर कहा कि यह समझौता हरियाणा और राजस्थान के लोगों की लगभग तीन दशक पुरानी पेयजल समस्या का स्थायी समाधान है। उन्होंने इसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सहकारी संघवाद के मंत्र का उत्कृष्ट उदाहरण बताते हुए कहा कि यदि राज्य मिलकर चलें तो तीन दशक पुरानी समस्या भी सरलता से सुलझ सकती है। इस मौके पर हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री सी. आर. पाटिल की अध्यक्षता में दोनों राज्यों के बीच हुई लगातार बैठकों के उपरांत यह समझौता संभव हो सका। इस समझौते के अंतर्गत हथनी कुंड बैराज से राजस्थान तक पाइपलाइन बिछाकर जुलाई से अक्टूबर के बीच हरियाणा में उपलब्ध अधिशेष वर्षा जल को राजस्थान पेयजल के रूप में उपयोग करेगा।

सैनी ने कहा कि प्यासे तक पानी पहुँचाना सभी की साझी जिम्मेदारी है और हरियाणा इस परियोजना में पूरा सहयोग देगा। उन्होंने इस अवसर पर केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह, जलशक्ति मंत्री सी. आर. पाटिल और राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का आभार व्यक्त किया।

इस समझौते के अंतर्गत जुलाई से अक्टूबर के बीच यमुना नहर से लगभग 580 एमसीएम पानी 3.6 मीटर से अधिक व्यास वाली तीन भूमिगत पाइपलाइनों के माध्यम से राजस्थान पहुँचाया जाएगा। समझौते में वित्तीय जिम्मेदारी, लागत साझीकरण, जल आवंटन, रखरखाव, निगरानी तंत्र, पारदर्शिता और विवाद समाधान की प्रक्रिया को वैज्ञानिक ढंग से समाहित किया गया है। शाह ने कहा कि केन्द्रीय जल आयोग द्वारा तैयार यह प्रारूप आने वाले कई दशकों तक विवादहीन रहेगा।

यूपी में निवेश को बढ़ावा, चार कंपनियों को 46.79 करोड़ रुपए के प्रोत्साहन पैकेज को मंजूरी

विश्व केसरी

लखनऊ । उत्तर प्रदेश सरकार ने औद्योगिक निवेश और रोजगार सृजन को गति देने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए कोविड-19 त्वरित निवेश प्रोत्साहन नीति-2020 के तहत चार औद्योगिक इकाइयों को 46.79 करोड़ रुपए के वित्तीय प्रोत्साहन वितरण को मंजूरी दे दी है।

मुख्य सचिव एसपी गोयल की अध्यक्षता में हुई इम्पावर्ड कमेटी की बैठक में मेगा परियोजनाओं को विशेष सुविधाएं एवं रियायतें प्रदान करने संबंधी प्रस्तावों पर भी विचार किया गया। मुख्य सचिव एसपी गोयल की अध्यक्षता में सोमवार को त्वरित निवेश प्रोत्साहन नीति-2020 के अंतर्गत गठित इम्पावर्ड कमेटी की बैठक आयोजित हुई।

बैठक में प्रदेश में मेगा औद्योगिक परियोजनाओं को प्रोत्साहन देने और कोविड-19 त्वरित निवेश प्रोत्साहन नीति के तहत पात्र कंपनियों को वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने संबंधी प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। बैठक में कोविड-19 त्वरित निवेश प्रोत्साहन नीति-2020 के तहत कुल चार कंपनियों को 46.79 करोड़ रुपये के वित्तीय प्रोत्साहन वितरण के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की गई।

स्वीकृत प्रस्तावों के अनुसार, हमीरपुर स्थित जेके सीमेंट लिमिटेड को एक अप्रैल 2025 से 31 दिसंबर 2025 (तीन तिमाही) की अवधि के लिए 29.59 करोड़ रुपए का प्रोत्साहन मिलेगा। अमेठी की कनोडिया सीमेंट प्राइवेट लिमिटेड को एक जुलाई 2025 से 30 सितंबर 2025 (एक तिमाही) के लिए 3.62 करोड़ रुपए स्वीकृत किए गए हैं।

इसी प्रकार, गोरखपुर स्थित अंकुर उद्योग लिमिटेड को एक जुलाई 2025 से 30 सितंबर 2025 (एक तिमाही) की अवधि के लिए 10.38 करोड़ रुपए तथा हमीरपुर स्थित यूनिलीवर इंडिया लिमिटेड को एक अप्रैल 2024 से 31 दिसंबर 2024 (तीन तिमाही) की अवधि के लिए 3.20 करोड़ रुपए के वित्तीय प्रोत्साहन को मंजूरी दी गई।

चिकित्सा उपकरणों के संवर्धन उत्पादन पर आत्मनिर्भर होना सबसे अहम :बृजमोहन अग्रवाल

विश्व केसरी

नई दिल्ली। रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने चिकित्सा उपकरणों के संवर्धन उत्पादन पर आत्मनिर्भरता पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि उत्पादन संबद्ध प्रोत्साहन योजना पीएलआई सहित एक्टिव दवाईयों को तैयार करने में उपयोगी तत्वों की उपलब्धता और उत्पादन पर भी आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ने की आज सबसे अहम जरूरत है। छत्तीसगढ़ भाजपा सरकार में पूर्व कैबिनेट मंत्री रहे वरिष्ठ भाजपा नेता बृजमोहन अग्रवाल सोमवार को रसायन एवं उर्वरक संबंधी संसदीय स्थायी समिति की महत्वपूर्ण बैठक में बतौर सदस्य संसद परिसर में भाग लेते हुए अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। बैठक में प्रारूप प्रतिवेदनो पर विचार करते हुए उन्हें स्वीकार किया गया। इसके अलावा भारत में चिकित्सा उपकरण उद्योग द्वारा चिकित्सा उपकरणों के संवर्धन उत्पादन और विनिर्माण मसले पर समिति के सदस्यों, विभागीय अधिकारियों तथा उर्वरक एवं ऊर्जा क्षेत्र से जुड़े विभिन्न संस्थानों के प्रतिनिधियों के साथ अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर गहन चर्चा की गई। साथ ही समिति के सदस्यों के बीच रसायन और उर्वरक मंत्रालय के प्रतिनिधियों के साथ उत्पादन संबंध प्रोत्साहन योजना पीएलआई सहित अन्य विविध पहलुओं पर बातचीत की गई। इसके अलावा सक्रिय फार्मास्युटिकल अवयवों के उत्पादन और उपलब्धता में आत्मनिर्भरता पर भी गहन मंथन हुआ।सांसद बृजमोहन अग्रवाल के अनुसार चिकित्सा उपकरण उद्योग को सशक्त बनाने, देश में उच्च गुणवत्ता वाले विनिर्माण को गति देने तथा एक्टिव फार्मास्युटिकल इंग्रीडिएंट्स (API) के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को और मजबूत करने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत मंथन की आवश्यकता है। सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि स्वस्थ भारत का निर्माण केवल बेहतर उपचार से नहीं, बल्कि अनुसंधान, नवाचार, आधुनिक विनिर्माण क्षमता और सुदृढ़ आपूर्ति श्रृंखला से ही संभव है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत आज स्वास्थ्य एवं फार्मा क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्व की ओर तेज़ी से अग्रसर है।

हमारा संकल्प है कि भारत न केवल अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति करे, बल्कि विश्व के लिए विश्वसनीय स्वास्थ्य समाधान उपलब्ध कराने वाला अग्रणी राष्ट्र बने।

सरकार ने शिक्षा और परीक्षा व्यवस्था को किया ध्वस्त, पेपर लीक से युवाओं का भविष्य बर्बादः अखिलेश यादव

विश्व केसरी

प्रयागराज । समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने सोमवार को भाजपा सरकार पर शिक्षा और परीक्षा व्यवस्था को बर्बाद करने का आरोप लगाते हुए कहा कि लगातार पेपर लीक, भर्ती परीक्षाओं में धांधली, सरकारी स्कूलों के बंद होने और बढ़ती बेरोजगारी ने युवाओं के भविष्य को अंधकार में धकेल दिया है। उन्होंने कहा कि यदि शिक्षा और रोजगार की स्थिति नहीं सुधरी तो देश का जनसांख्यिकीय लाभ (डेमोग्राफिक डिविडेंड) एक बड़ी चुनौती में बदल जाएगा।

प्रयागराज में आयोजित 'विजन इंडिया' कार्यक्रम में 'शिक्षा-परीक्षा: क्यों ध्वस्त हुई व्यवस्था' विषय पर आयोजित संवाद को संबोधित करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि शिक्षा किसी भी देश की बुनियाद होती है। जब शिक्षा व्यवस्था और परीक्षा प्रणाली कमजोर होती है तो सबसे बड़ा नुकसान युवाओं और देश के भविष्य को होता है।

उन्होंने कहा कि लगातार पेपर लीक, परीक्षाओं का निरस्त होना और बेरोजगारी बढ़ने से युवाओं में मानसिक तनाव बढ़ा है तथा कई अभ्यर्थियों ने निराशा में आत्महत्या तक कर ली। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने केजी से लेकर पीजी तक की पूरी शिक्षा व्यवस्था को कमजोर कर दिया है। हजारों सरकारी स्कूल बंद किए जा रहे हैं, विश्वविद्यालय राजनीतिक हस्तक्षेप का शिकार हैं और शिक्षा का बजट लगातार घटाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार शिक्षा और शोध पर खर्च करने के बजाय विज्ञापनों पर अधिक धन खर्च कर रही है।

अखिलेश यादव ने कहा कि शिक्षकों को पढ़ाने के बजाय विभिन्न गैर-शैक्षणिक कार्यों में लगाया जा रहा है, जबकि स्कूलों में बुनियादी सुविधाओं का अभाव है। उन्होंने आरोप लगाया कि गांवों के प्राथमिक विद्यालयों को मर्जर के नाम पर बंद किया जा रहा है, जिससे छोटे बच्चों, विशेषकर बालिकाओं की शिक्षा प्रभावित हो रही है।

उन्होंने उच्च शिक्षा संस्थानों में शिक्षकों के रिक्त पदों का मुद्दा उठाते हुए कहा कि योग्य अभ्यर्थियों को 'नॉट फाउंड सूटेबल' बताकर नियुक्तियां रोकी जा रही हैं। साथ ही भर्ती प्रक्रियाओं में आरक्षण की अनदेखी, छात्रवृत्ति में देरी और बढ़ती फीस के कारण गरीब परिवारों के बच्चे पढ़ाई बीच में छोड़ने को मजबूर हो रहे हैं। सपा अध्यक्ष ने कहा कि नौकरी न मिलने का सबसे अधिक असर बेटियों पर पड़ता है। सुरक्षा और बुनियादी सुविधाओं के अभाव में बड़ी संख्या में छात्राओं की पढ़ाई बीच में छूट जाती है, जो देश के विकास के लिए गंभीर चिंता का विषय है।

हरियाली महा अभियान : प्रतापगढ़ में बड़े स्तर पर पौधरोपण, गंगा एक्सप्रेसवे भी होगा हरा-भरा

विश्व केसरी

प्रतापगढ़। उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ में 'हरियाली महाअभियान' की तैयारी चल रही है। इसके तहत बड़े पैमाने पर पौधरोपण करके गंगा एक्सप्रेसवे को एक 'ग्रीन कॉरिडोर' के तौर पर विकसित किया जाएगा, ताकि पर्यावरण को टिकाऊ बनाया जा सके।

प्रतापगढ़ के डिविजनल फॉरेस्ट ऑफिसर (डीएफओ) आशुतोष गुप्ता ने इस अभियान के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि इससे पेड़-पौधे लगाने को बढ़ावा मिलेगा, एक्सप्रेसवे के किनारे हरियाली बढ़ेगी और पर्यावरण संरक्षण में

मदद मिलेगी।

डीएफओ आशुतोष गुप्ता ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत के दौरान कहा कि जनपद प्रतापगढ़ में कुल 58 लाख पौधे रोपित किए जाएंगे। इसमें 21 लाख वन विभाग और 37 लाख पौधे अन्य विभाग लगाएंगे। इसकी शुरुआत वन महोत्सव से होनी है, जोकि एक जुलाई से सात जुलाई तक मनाया जाएगा।

उन्होंने कहा कि लोगों को वन महोत्सव के दौरान पर्यावरण के प्रति जागरूक किया जाएगा। मानसून को देखते हुए तिथि शासन द्वारा तय की जाएगी। इसके बाद से पौधरोपण की शुरुआत होगी और 58 लाख पौधरोपण का लक्ष्य पूरा किया जाएगा।

डीएफओ ने बताया कि इसके साथ ही गंगा एक्सप्रेस-वे के किनारे 48 हजार पौधे रोपित किए जाएंगे। पौधों को तीन श्रृंखला में रोपित किया जाएगा। इसको लेकर शासन द्वारा पैसा रिलीज किया जा रहा है। गंगा एक्सप्रेस-वे की कार्यदायी संस्था यूपीडा साइट को तैयार कर रही है, जहां गड्ढे हो गए हैं और जलभराव हो रहा है, उनको ठीक कर रही है। यूपीडा जैसे ही जमीन हस्?तांतरित करेगी, हमारा काम शुरू हो जाएगा।

डीएफओ ने बताया कि हमारा लक्ष्य है कि गंगा एक्सप्रेस-वे पर इसी वर्षाकाल में पौधे रोपित हो जाएं। ज्यादातर पौधे पानी के अभाव में या साइट सही तरीके से तैयार नहीं की जाती तो सूख जाते हैं।

हरियाणा में बिल्डिंग कोड में बड़ा बदलाव – एक मंजिल पर बन सकेगा एक फ्लैट

विश्व केसरी

अग्नि सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सरकार ने जारी किया संशोधित प्रारूप

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने भवन निर्माण नियमों में महत्वपूर्ण बदलाव का प्रारूप जारी किया है। नए नियमों के अनुसार गुरुग्राम, फरीदाबाद, पंचकूला, करनाल, हिसार, रोहतक, झज्जर और सोनीपत सहित प्रदेश के विभिन्न शहरों में अब एक मंजिल पर केवल एक ही आवासीय फ्लैट बनाने की अनुमति होगी। एक भवन में अधिकतम चार मंजिल तक निर्माण की छूट रहेगी।

क्यों लिया गया यह निर्णय

हाल के वर्षों में बहुमंजिला इमारतों में आग लगने की बढ़ती घटनाओं ने सरकार को यह कदम उठाने पर विवश किया। अब तक एक ही मंजिल पर दो से तीन फ्लैट बनाए जाते रहे हैं, जिससे भवन में रहने वालों की संख्या स्वीकृत क्षमता से कहीं अधिक हो जाती है। आग, भूकंप या किसी अन्य आपदा की स्थिति में ऐसे भवनों से लोगों को सुरक्षित निकालना अत्यंत कठिन हो जाता है। नगर एवं ग्राम आयोजना विभाग के निदेशक अमित खत्री द्वारा जारी इस प्रारूप में इसीलिए एक मंजिल को दो या अधिक फ्लैटों में विभाजित करने पर पूर्णतः रोक लगाने का प्रस्ताव है।

क्या होंगे नए प्रावधान

नए नियमों के अंतर्गत भवन निर्माण संबंधित क्षेत्र के जोनिंग प्लान और आर्किटेक्चरल कंट्रोल शीट के अनुरूप ही करना होगा। सीढ़ियाँ, पार्किंग, निकासी मार्ग, पानी, बिजली और अग्नि सुरक्षा जैसी व्यवस्थाएँ नक्शे में पहले से सुनिश्चित करनी होंगी। नियमों की अनदेखी पर कड़ी कार्रवाई का प्रावधान भी किया जाएगा।

कर्नाटक : भाजपा अध्यक्ष विजयेंद्र को हटाने की कथित योजना पर वायरल ऑडियो, सदानंद गौड़ा ने दावों को किया खारिज

विश्व केसरी

बेंगलुरु । सोशल मीडिया पर एक ऑडियो क्लिप वायरल है, जिसमें कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री और पूर्व केंद्रीय मंत्री डीवी सदानंद गौड़ा को कर्नाटक भाजपा अध्यक्ष पद से बीवाई विजयेंद्र को हटाने के बारे में चर्चा करते हुए सुना जा सकता है।

इस क्लिप ने नया राजनीतिक विवाद खड़ा कर दिया है और राज्य भाजपा इकाई के भीतर आंतरिक मतभेदों की अटकलों को हवा दी है। इस ऑडियो में सदानंद गौड़ा की बताई जा रही आवाज यह सुझाव देती हुई सुनाई देती है कि विजयेंद्र को नवंबर तक राज्य भाजपा अध्यक्ष पद से हटा दिया जाना चाहिए, तब तक उनका तीन साल का कार्यकाल लगभग पूरा हो जाएगा। ऑडियो ने कर्नाटक के राजनीतिक हलकों में बहस छेड़ दी है और भाजपा की आंतरिक कार्यप्रणाली पर चर्चा को तेज कर दिया है, खासकर हाल ही में विधान परिषद चुनावों के दौरान हुई क्रॉस-वोटिंग की घटना के बाद।

हालांकि, सदानंद गौड़ा ने ऑडियो क्लिप की सच्चाई को साफ तौर पर नकारते हुए कहा है कि यह आवाज उनकी नहीं है।

गौड़ा ने कहा, 'सोशल मीडिया पर मौजूद ऑडियो क्लिप फर्जी है। क्लिप में सुनाई दे रही आवाज मेरी नहीं है। मुझे इसके बारे में कुछ नहीं पता है। मैं ऐसी किसी भी कथित ऑडियो क्लिप या वीडियो पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दूंगा, जो गलत तरीके से मेरे नाम से जोड़ी जा रही हैं। मुझे इस बारे में कुछ नहीं कहना है। कथित बातचीत में, गौड़ा की बताई जा रही आवाज यह कहती हुई सुनाई देती है कि राज्य भाजपा अध्यक्ष के तौर पर विजयेंद्र का तीन साल का कार्यकाल नवंबर तक पूरा हो जाएगा और पार्टी को अनावश्यक भ्रम पैदा करने से बचना चाहिए। क्लिप में मौजूद व्यक्ति कहता है, 'नवंबर तक उनके राज्य अध्यक्ष के तौर पर तीन साल पूरे हो रहे हैं। हम कोई और विवाद क्यों खड़ा करें ? हमें शांति से काम जारी रखना चाहिए और दो महीने बाद उन्हें हटा देना चाहिए। तब तक उनका कार्यकाल लगभग खत्म हो चुका होगा और किसी को कोई सवाल या शिकायत नहीं होगी।

जलापूर्ति की जमीनी हकीकत परखेंगे स्वतंत्र देव, जुलाई में गांव-गांव करेंगे निरीक्षण

विश्व केसरी

लखनऊ । उत्तर प्रदेश में जल जीवन मिशन की हकीकत अब सीधे गांवों में जाकर परखी जाएगी। जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने 15 से 25 जुलाई के बीच एक दर्जन से अधिक जिलों का दौरा कर नल से जलापूर्ति, पानी की गुणवत्ता और परियोजनाओं की प्रगति का मौके पर निरीक्षण करने का फैसला किया है।

उन्होंने साफ कहा कि जलापूर्ति या नदियों की सफाई में लापरवाही मिली तो संबंधित चीफ इंजीनियर और अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन मुख्यालय में सोमवार को आयोजित विभागीय समीक्षा बैठक में जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जल जीवन मिशन के

तहत संचालित योजनाओं का लाभ हर गांव तक निर्धारित मानकों के अनुरूप पहुंचे।

उन्होंने कहा कि अब योजनाओं की समीक्षा केवल फाइलों तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि उनकी वास्तविक स्थिति गांवों में जाकर देखी जाएगी। मंत्री ने बताया कि 15 से 25 जुलाई के बीच वह स्वयं नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के अपर मुख्य सचिव अनुराग श्रीवास्तव और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ प्रदेश के विभिन्न जिलों का दौरा करेंगे। इस दौरान गांवों में जलापूर्ति व्यवस्था, पेयजल की गुणवत्ता, परियोजनाओं की प्रगति और ग्रामीणों से सीधे फीडबैक लिया जाएगा।

दौरे के दौरान मंत्री और अधिकारी संबंधित जिलों में रात्रि विश्राम भी करेंगे तथा ग्रामीणों से संवाद करेंगे। कार्यक्रम के अनुसार, 15-16 जुलाई को ललितपुर, झांसी तथा जालौन के गांवों का औचक निरीक्षण किया जाएगा। इसके बाद 18-19 जुलाई को सुल्तानपुर, जौनपुर, मिर्जापुर और सोनभद्र में जलापूर्ति योजनाओं की जमीनी स्थिति का आकलन किया जाएगा।

मंत्री ने बताया कि 24 जुलाई को मथुरा में यमुना नदी की स्वच्छता को लेकर संत संवाद आयोजित होगा। इसमें संतों, स्थानीय ग्रामीणों और संबंधित विभागीय अधिकारियों के साथ यमुना संरक्षण और नदी सफाई अभियान को लेकर विचार-विमर्श किया जाएगा। इसके बाद यमुना किनारे बसे गांवों में जनजागरूकता अभियान भी चलाया जाएगा।

समीक्षा बैठक में स्वतंत्र देव सिंह ने अधिकारियों को दो टूक संदेश देते हुए कहा कि यदि किसी जिले में जलापूर्ति बाधित होने या नदियों की सफाई में लापरवाही की शिकायत मिली तो संबंधित चीफ इंजीनियर और अधीक्षण अभियंता की जवाबदेही तय करते हुए कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने सभी चीफ इंजीनियरों को अपने-अपने क्षेत्रों की प्रत्येक परियोजना की नियमित समीक्षा करने और समयबद्ध ढंग से कार्य पूरा कराने के निर्देश दिए।

संत कबीर का संदेश समाज और राष्ट्र के लिए पथप्रदर्शक : कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत

मुख्यमंत्री साय ने वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

विश्व केसरी

रायपुर । मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलो राजधानी रायपुर के सोनपैरी स्थित सद्गुरु कबीर आश्रम में कबीर जयंती के अवसर पर आयोजित संत कबीर महोत्सव में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने गुरु असंग देव का आशीर्वाद लेकर प्रदेश एवं देश की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। राज्यपाल थावरचंद गहलोत, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह तथा केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू ने आश्रम परिसर में वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया।

गुरु असंग देव ने कहा कि संत कबीर ने समाज से पाखंड, कुरीतियों और आडंबर को समाप्त करने के लिए अवतार लिया। उन्होंने कहा कि वर्तमान समाज में आपसी प्रेम तथा संवाद कम होता जा रहा है, जो चिंता का विषय है। उन्होंने सेवा, परमार्थ, गौसेवा, वृक्षारोपण और ग्राम विकास को जीवन का आधार बनाने का आह्वान करते हुए कहा कि सेवा से ही सच्चा सुख और आत्मिक संतोष प्राप्त होता है। गुरु असंग देव ने कहा कि एक समय नक्सलवाद के कारण जिन क्षेत्रों में जाना कठिन था, वहां अब शांति स्थापित हो चुकी है और विकास की गंगा बह रही है। लाखों गरीबों के लिए आवास बन रहे हैं और प्रदेश विकास के नए युग में प्रवेश कर रहा है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने कहा कि संत कबीर ने सत्य, समरसता, मानव सेवा और सद्भाव का जो संदेश दिया, वह आज भी पूरे समाज और राष्ट्र के लिए पथप्रदर्शक है। उन्होंने जात-पात, ऊंच-नीच और आडंबर से ऊपर उठकर मानव मात्र को प्रेम, सत्य और विवेक के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि आज जब समाज सामाजिक विभाजन और नैतिक चुनौतियों का सामना कर रहा है, तब संत कबीर की वाणी पहले से अधिक प्रासंगिक है। राज्यपाल ने सोनपैरी कबीर आश्रम द्वारा शिक्षा, गौसेवा, पर्यावरण संरक्षण, जैविक खेती, सामाजिक समरसता और जनकल्याण के क्षेत्रों में किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आश्रम राष्ट्र निर्माण की चेतना को सशक्त बनाते हैं।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ संत कबीर की तपोभूमि और उनके अनुयायियों की पावन धरती है। उन्होंने कहा कि उनका बचपन कबीरपंथी समाज के बीच बीता है और संत कबीर की वाणी का उनके जीवन पर गहरा प्रभाव रहा है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि संत कबीर ने अपना संपूर्ण जीवन समाज में फैली कुरीतियों, छुआछूत, जाति-पांति और आडंबर के विरुद्ध जनजागरण में समर्पित किया। उन्होंने निर्भीक होकर सत्य का साथ दिया और अपने सरल किंतु प्रभावशाली विचारों से समाज को नई दिशा दी। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि आज भी उनकी शिक्षाएं समाज में प्रेम, भाईचारे और समरसता की प्रेरणा देती हैं।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि उनकी सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी को पूरा करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में 18 लाख आवासों की स्वीकृति मिली है।

9 सूत्रीय मांगों को लेकर छग राज्य शासकीय पीडीएस संघ की 5 जुलाई से बेमुद्दत हड़ताल

विश्व केसरी

रायपुर। अपनी 9 सूत्रीय मांगों को लेकर छत्तीसगढ़ राज्य शासकीय उचित मूल्य दुकान संचालकों ने 5 जुलाई से बेमुद्दत हड़ताल पर जाने का निर्णय लिया है। अपनी मांगों को लेकर उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, खाद्य मंत्री दयालदास बघेल और वित्त मंत्री ओपी चौधरी को ज्ञापन सौंपा है। 3 माह के एकमुश्त वितरण का विरोध करते हुए शक्कर के लिए जो 17 रुपये लिया जाता है उसकी जगह 20 रुपये किया जाए।

इस संबंध में संघ द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार उन्होंने बताया कि कई बार उचित मूल्य दुकानदार संचालकों ने अपनी समस्याओं से प्रशासन और संबंधित विभाग को अवगत कराया था। इसके अलावा उन्होंने सरकार के मंत्रियों को भी ज्ञापन सौंपा जिस पर अभी तक कोई उचित निर्णय नहीं लिए जाने के कारण संघ ने 5 जुलाई से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने का निर्णय लिया है। यह निर्णय संघ ने संचालकों की संपन्न हुई बैठक में लिया है। यदि समय रहते इस ओर ध्यान नहीं दिया गया तो पूरे छत्तीसगढ़ में राशन दुकानों पर तालाबंदी के आसार स्पष्ट नजर आ रहे है।

संघ के अध्यक्ष नरेश बाफना ने सपाट शब्दों में कहा है कि अपनी मांगों से संबंधित उन्होंने ज्ञापन मुख्यमंत्री सहित संबधित विभागीय मंत्री और वित्त मंत्री को भी दिया है, इस ज्ञापन पर अभी तक कोई सकारात्मक जवाब नहीं मिला है जिसके चलते राशन दुकानदार अनिश्चितकाल के लिए हड़ताल पर जाने बाध्य है और इसकी पूरी जवाबदेही शासन और प्रशासन की होगी।

ये है 9 सूत्रीय मांगे

राशन दुकानदार गंभीर आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं। समय पर बारदाना राशि, मार्जिन मनी, आधार प्रमाणित वितरण राशि और वित्तीय पोषण राशि का भुगतान नहीं किया जा रहा है। मार्जिन राशि पिछले लगभग 20 वर्षों से नाममात्र भी नहीं बढ़ाई गई है। वर्तमान में सीजीएफएसए में 30 प्रति क्विंटल और राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम में 90 प्रति क्विंटल मार्जिन दिया जा रहा है, जो कि बेहद कम है। संघ ने दोनों में समान मेहनत का हवाला देते हुए इसे कम से कम 150 प्रति क्विंटल करने और दुकान संचालकों व विक्रेताओं का बीमा कराने की मांग की है। (नोट में उल्लेख है कि नवंबर 2025 के बाद से पिछले 7 महीनों की राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम मार्जिन मनी अभी तक नहीं मिली है)।

संक्षिप्त खबरें

दो बीवियों को साथ रखने की जिद,100 फीट ऊंचे टावर पर चढ़ा पति,पत्नियों ने नीचे उतारा

रायपुर/धमतरी। जिले में सोमवार को उस समय हड़कंप मच गया जब एक 30 वर्षीय व्यक्ति अपनी 2 पत्नियों को साथ रखने की जिद में करीब 100 फीट ऊंचे हाईटेंशन बिजली टावर पर चढ़ गया। सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और उसे सुरक्षित नीचे उतारने के लिए समझाइश का प्रयास शुरू किया, लेकिन वह काफी देर तक टावर से उतरने को तैयार नहीं हुआ।

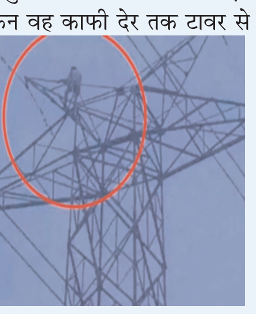

इसके बाद दोनों पत्नियों को मौके पर बुलाया गया। दोनों पत्नियों के समझाने पर वह करीब डेढ़ घंटे बाद टावर से नीचे उतरा। पति के टावर से नीचे उतरते ही पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर थाने ले गई। बताया जा रहा है कि पिछले एक महीने में यह दूसरी बार है, जब व्यक्ति टावर पर चढ़ा। मामला भखारा थाना क्षेत्र के ग्राम भेंड्रा का है।

जानकारी के मुताबिक भेंड्रा गांव का रहने वाला यादराम साहू (30) खेती किसानी करता है। उसकी पहली शादी साल 2019 में हुई थी। बाद में उसका एक लड़की से अफेयर हुआ। साल 2022 में उसने लड़की से दूसरी शादी कर ली।

छत्तीसगढ़ BJP महिला मोर्चा में बड़ा बदलाव: जिला प्रभारियों की सूची जारी,

रायपुर। भाजपा महिला मोर्चा छत्तीसगढ़ की जिला प्रभारियों और जिला सह-प्रभारियों की महत्वपूर्ण संगठनात्मक नियुक्तियां कर दी गई हैं। महिला मोर्चा की प्रदेश लीडरशिप द्वारा जारी इस आधिकारिक सूची में राज्य के सभी संगठनात्मक जिलों के लिए प्रभार तय किए गए हैं।

छत्तीसगढ़ के आगामी स्थानीय चुनावों और पार्टी के आगामी कार्यक्रमों को देखते हुए जिला स्तर पर महिला मोर्चा को सक्रिय करना बेहद जरूरी है। इन नियुक्तियों के माध्यम से छत्तीसगढ़ के प्रत्येक जिले में महिला संगठन को सीधे तौर पर मजबूत नेतृत्व मिलेगा, जो राज्य सरकार की महिला केंद्रित कल्याणकारी योजनाओं को जमीनी स्तर पर पहुंचाने का काम करेगा।

संगठनात्मक मजबूती के लिए जिला प्रभारियों का एलान

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव के निर्देशानुसार जारी की गई इस नई सूची में प्रत्येक जिले की सांगठनिक कमान वरिष्ठ और अनुभवी महिला नेताओं को सौंपी गई है। नियुक्तियों में क्षेत्रीय संतुलन और वरिष्ठता का विशेष ध्यान रखा गया है, ताकि सभी जिलों में समन्वय के साथ काम किया जा सके।

राम नाम पर भ्रष्टाचार स्वीकार नहीं : पवन खेड़ा

ट्रेनिंग कैंप खत्म, बैज बोले-अब नई कांग्रेस दिखेगी

विश्व केसरी

रायपुर। कांग्रेस के राष्ट्रीय मीडिया और प्रचार विभाग के अध्यक्ष पवन खेड़ा रविवार रात रायपुर पहुंचे। वे कांग्रेस जिला अध्यक्षों के 10 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर के समापन समारोह में शामिल हुए। रायपुर पहुंचने पर खेड़ा ने RSS पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्होंने राम मंदिर ट्रस्ट पर सवाल उठाते हुए कहा कि भगवान राम के नाम पर भ्रष्टाचार स्वीकार नहीं किया जा सकता। सोशल मीडिया के इस दौर में उन्होंने इस प्रशिक्षण शिविर को जरूरी बताया और कहा कि इससे कार्यकर्ताओं को सीखने और संवाद करने का अच्छा मौका मिला है।

शिविर खत्म होने के बाद प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि प्रशिक्षण और मंथन का असर आने वाले दिनों में दिखाई देगा। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस ने अपने नए जिला अध्यक्षों को संगठन, जनसंपर्क और राजनीतिक मुद्दों पर पूरी तरह प्रशिक्षित किया है। बैज ने कहा, 'छत्तीसगढ़ में अब नई कांग्रेस और आक्रामक कांग्रेस दिखेगी। जिला अध्यक्षों को पूरी तरह तैयार करके भेजा जा रहा है। आने वाले समय में वे जनता के मुद्दों को मजबूती से उठाएंगे।'

अयोध्या में राम मंदिर से जुड़े कथित चोरी के मामले पर पवन खेड़ा ने मंदिर ट्रस्ट की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए।

बिजली बिल पर लेट पेमेंट में नही लगेगा सरचार्ज

अब सिर्फ वास्तविक दिनों का ही लगेगा शुल्क

विश्व केसरी

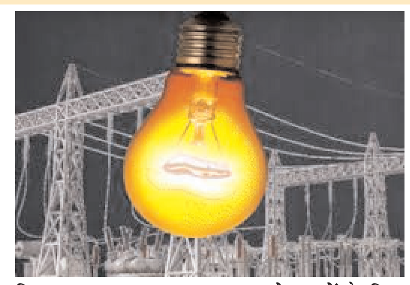

रायपुर। छत्तीसगढ़ स्टेट पावर कंपनी ने इस संबंध में तथ्यात्मक स्पष्टीकरण जारी करते हुए कहा है कि राज्य विद्युत नियामक आयोग (सीएसईआरसी) द्वारा लागू की गई नई व्यवस्था वास्तव में उपभोक्ताओं को अतिरिक्त आर्थिक बोझ से राहत देने के लिए तैयार की गई है। छत्तीसगढ़ के बिजली उपभोक्ताओं के लिए लेट पेमेंट सरचार्ज (विलंब अधिभार) को लेकर सोशल मीडिया और कुछ समाचार माध्यमों में चल रही दोहरा झटका या रोज़ाना ब्याज जैसी खबरें पूरी तरह भ्रामक और गलत हैं।

क्या थी पुरानी व्यवस्था और क्यों था नुकसान?

पावर कंपनी के आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, पुरानी व्यवस्था में यदि कोई उपभोक्ता नियत तिथि के बाद महज एक या दो दिन की देरी से भी बिजली बिल का भुगतान करता था, तो उससे पूरे महीने का 1.5 प्रतिशत सरचार्ज वसूल लिया जाता था। यह व्यवस्था उपभोक्ताओं के लिए नुकसानदेह थी।

नई व्यवस्था से ऐसे होगा उपभोक्ताओं का फायदा

संशोधित नियमों के बाद अब लेट फीस की गणना पूरी तरह पारदर्शी और उपभोक्ता-हितैषी कर दी गई है। अब विलंब अधिभार 0.04 प्रतिशत प्रतिदिन की दर से लिया जाएगा। इसका मतलब है कि उपभोक्ता जितने दिन बिल पटाने में देरी करेगा, उसे केवल उतने ही दिनों का शुल्क देना होगा।

एक दिन की देरी पर मामूली शुल्क

यदि किसी कारणवश उपभेक्ता बिल के भुगतान में केवल एक दिन का विलंब होता है, तो अब पूरे महीने का सरचार्ज नहीं, बल्कि मात्र 0.04 प्रतिशत अधिभार ही देय होगा।

महीने भर की देरी पर भी कम ब्याज

यदि कोई उपभोक्ता पूरे 30 दिन का भी विलंब करता है, तब भी कुल अधिभार केवल 1.2 प्रतिशत (0.04 प्रतिशत म 30 दिन) ही बनेगा, जो कि पुरानी व्यवस्था के 1.5 प्रतिशत से काफी कम है।

भ्रामक खबरों से दूर रहने की अपील

पावर कंपनी ने साफ किया है कि नई व्यवस्था में अधिभार की दरें कम हुई हैं, बढ़ी नहीं हैं। इसे रोजाना ब्याज लगने या झटके के रूप में पेश करना तथ्यात्मक रूप से गलत है। कंपनी ने सभी समाचार माध्यमों और आमजन से अनुरोध किया है कि वे इस सही और स्पष्ट जानकारी को ही साझा करें ताकि उपभोक्ताओं के बीच फैला अनावश्यक भ्रम दूर हो सके।

सहयोग केंद्र' में वन मंत्री केदार कश्यप ने कार्यकर्ताओं से किया संवाद

विश्व केसरी

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के कुशाभाऊ ठाकरे परिसर स्थित प्रदेश कार्यालय में समस्याओं के त्वरित निवारण और कार्यकर्ताओं से सीधे संवाद के लिए संचालित 'सहयोग केन्द्र' की नियमित कड़ी में सोमवार को प्रदेश के वन, जलवायु परिवर्तन, जल संसाधन एवं कौशल विकास मंत्री केदार कश्यप उपस्थित रहे।

सहयोग केंद्र में प्रदेशभर से पहुंचे बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ताओं ने कश्यप के समक्ष अपनी मांगें, सुझाव और विभिन्न क्षेत्रों की समस्याएँ रखीं। कश्यप ने इस दौरान करीब 42 प्रतिनिधिमण्डलों व 200 से अधिक संख्या में पहुँचे कार्यकर्ताओं की बातों को अत्यंत संवेदनशीलता के साथ सुना। कई मामलों में उन्होंने संबंधित अधिकारियों को फोन पर तत्काल आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। संगठन के सुदृढ़ीकरण और जमीनी स्तर पर शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन को लेकर मंत्री कश्यप ने कहा कि कार्यकर्ता सरकार और जनता के बीच की सबसे मजबूत कड़ी हैं। भाजपा सरकार जनता की समस्याओं के समाधान के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। 'सहयोग केंद्र' के माध्यम से हम सीधे आम जनमानस और अपने कर्मठ कार्यकर्ताओं तक पहुँच रहे हैं, ताकि शासन-प्रशासन के स्तर पर किसी भी नागरिक को परेशानी का सामना न करना पड़े। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष रामजी भारती व सहयोग केन्द्र प्रभारी सच्चिदानन्द उपासने मौजूद थे।

गैंगरेप का झूठा आरोप लगाकर सरपंच-बीडीसी से 3 लाख वसूलने की साजिश नाकाम

विश्व केसरी

रायपुर। बलौदाबाजार जिले के कसडोल थाना क्षेत्र में पुलिस ने एक सुनियोजित ब्लैकमेलिंग गिरोह का भंडाफोड़ किया है। गिरोह ने नौकरी दिलाने का लालच देकर ग्राम के सरपंच और बीडीसी (जनपद सदस्य) पर सामूहिक दुष्कर्म का झूठा आरोप लगाकर तीन लाख रुपये की उगाही करने की साजिश रची थी। पुलिस अधीक्षक ओ.पी. शर्मा के निर्देशन में की गई निष्पक्ष जांच में पूरा षड्यंत्र उजागर हो गया। एक युवती ने कसडोल थाने में शिकायत दर्ज कराई। उसने आरोप लगाया कि ग्राम के सरपंच और बीडीसी सदस्य ने नौकरी दिलाने के बहाने उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। मामले की गंभीरता देखते हुए पुलिस ने तुरंत जांच शुरू की। लेकिन पूछताछ और साक्ष्यों के दौरान कहानी पलट गई।

युवती ने स्वीकार किया कि उसके साथ कोई दुष्कर्म नहीं हुआ था।

जामुन की गुठली ने युवक की सांस की नली की राह रोकी

रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल के डॉक्टरों ने इमरजेंसी ब्रोंकोस्कोपी से बचाई जान

विश्व केसरी

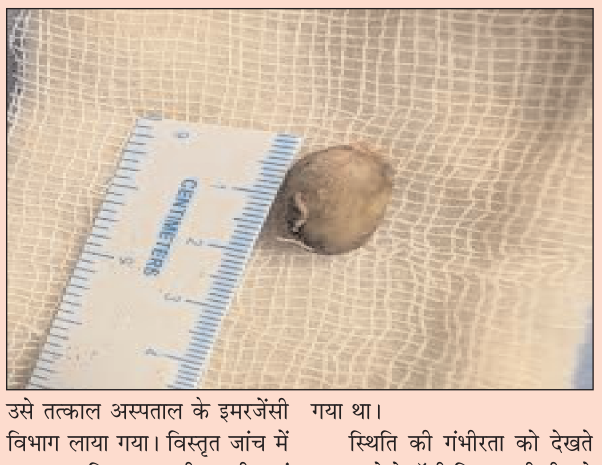

रायपुर। जामुन खाते समय उसकी गुठली गलती से सांस की नली में चली जाने के कारण 26 वर्षीय एक युवक की जान पर बन आई। गुठली उसके बाएं मुख्य ब्रोंकस (लेफ्ट मेन ब्रोंकस) में फंस गई, जिससे बाएं फेफड़े तक हवा का प्रवाह पूरी तरह बंद हो गया। गंभीर स्थिति में उसे रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल, रायपुर लाया गया, जहां डॉक्टरों ने इमरजेंसी फ्लेक्सिबल ब्रोंकोस्कोपी कर गुठली को सफलतापूर्वक निकालकर उसकी जान बचा ली।

फल खाते समय युवक को अचानक तेज खांसी, सांस लेने में गंभीर तकलीफ और लगातार श्वसन संबंधी परेशानी होने लगी। उसे तत्काल अस्पताल के इमरजेंसी विभाग लाया गया। विस्तृत जांच में पता चला कि जामुन की गुठली बाएं मुख्य ब्रोंकस में मजबूती से फंस गई थी, जिससे बाएं फेफड़े तक जाने वाला वायु मार्ग पूरी तरह अवरुद्ध हो गया था।

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पल्मोनोलॉजी विभाग की टीम ने बिना देर किए जनरल एनेस्थीसिया के तहत इमरजेंसी फ्लेक्सिबल ब्रोंकोस्कोपी करने का निर्णय लिया। ब्रोंकोस्कोप की सहायता से डॉक्टरों ने बिना किसी प्रकार की क्षति पहुंचाए सावधानीपूर्वक गुठली को बाहर निकाला, जिससे फेफड़े में हवा का सामान्य प्रवाह फिर से शुरू हो गया। प्रक्रिया के तुरंत बाद मरीज की सांस लेने में राहत मिली। उपचार के बाद वह पूरी तरह स्वस्थ हुआ और स्थिर अवस्था में अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।

वयस्कों में सांस की नली में किसी बाहरी वस्तु (फॉरेन बॉडी) का चले जाना अपेक्षाकृत दुर्लभ होता है, लेकिन यदि कोई बड़ी वस्तु मुख्य श्वास नली में फंस जाए तो यह तेजी से जानलेवा स्थिति का रूप ले सकती है। समय पर उपचार न मिलने पर फेफड़ा बैठ सकता है, गंभीर निमोनिया, श्वसन विफलता जैसी जटिलताएं हो सकती हैं और कुछ मामलों में मरीज की जान भी जा सकती है।

रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल के सीनियर कंसल्टेंट – पल्मोनोलॉजी, डॉ. सुशील जैन ने कहा, 'सांस की नली में किसी बाहरी वस्तु का चले जाना एक वास्तविक मेडिकल इमरजेंसी है, जिसमें तुरंत इलाज जरूरी होता है। कई लोग भोजन या किसी वस्तु के गलती से सांस की नली में चले जाने के बाद लगातार खांसी या सांस लेने में तकलीफ को नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन जब कोई वस्तु मुख्य श्वास नली में फंस जाती है तो हर मिनट महत्वपूर्ण होता है।

प्रदेश की सबसे बड़ी अनाज मंडी पहुँचा CAIT का 'व्यापारी संवाद' अभियान

विश्व केसरी

रायपुर। देश के सबसे बड़े व्यापारिक संगठन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (CAIT) के राष्ट्रीय वाइस चेयरमेन अमर पारवानी, छत्तीसगढ़ इकाई के चेयरमेन श्री जितेन्द्र दोशी, विक्रम सिंहदेव, प्रदेश अध्यक्ष परमानंद जैन, वाइस चेयरमेन सुरिन्दर सिंह, जीवत बजाज, महामंत्री अवनीत सिंह, कोषाध्यक्ष विजय पटेल, कार्यकारी अध्यक्ष राजेन्द्र जग्गी, वासु माखीजा, राम मंधान, भरत जैन, राकेश ओचवानी एवं शंकर बजाज ने संयुक्त रूप से बताया कि रायपुर। व्यापारियों की समस्याओं को जमीनी स्तर पर समझने, बाजारों की आवश्यकताओं को जानने तथा उनके समाधान के लिए सकारात्मक पहल करने के उद्देश्य से कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (CAIT) छत्तीसगढ़ द्वारा संचालित 'CAIT व्यापारी संवाद' अभियान के अंतर्गत आज प्रदेश की सबसे बड़ी अनाज मंडी डूमरतराई व्यापारी कल्याण महासंघ के साथ एक महत्वपूर्ण संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया।

CAIT के राष्ट्रीय वाइस चेयरमेन अमर पारवानी ने डूमरतराई व्यापारी कल्याण महासंघ के पदाधिकारियों एवं व्यापारियों के साथ विस्तृत चर्चा कर बाजार की समस्याओं एवं विकास से जुड़े विषयों पर विचार-विमर्श किया।

संपादकीय

जम्मू कश्मीर में जनभागीदारी से मजबूत होती सुरक्षा

महेन्द्र तिवारी

जम्मू कश्मीर लंबे समय से आतंकवाद, घुसपैठ और सीमा पार से प्रायोजित हिंसा जैसी चुनौतियों का सामना करता आ रहा है। पिछले कुछ वर्षों में सुरक्षा बलों ने अनेक सफल अभियान चलाकर आतंकवादी ढांचे को कमजोर किया है, लेकिन दुर्गम पर्वतीय क्षेत्रों, घने जंगलों और सीमावर्ती गांवों में समय-समय पर आतंकवादी गतिविधियां सामने आती रही हैं। ऐसी परिस्थितियों में केवल सुरक्षा बलों की मौजूदगी पर्याप्त नहीं मानी जाती, बल्कि स्थानीय समाज का सहयोग भी अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है। इसी सोच को आधार बनाकर ग्रामीण सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। इसके अंतर्गत ग्रामीण सुरक्षा दलों को आधुनिक प्रशिक्षण देकर उन्हें अपने गांवों की सुरक्षा में सक्रिय भागीदार बनाया जा रहा है। हाल के प्रशिक्षण कार्यक्रमों में हथियार संचालन, निशानेबाजी, बुनियादी युद्धाभ्यास, सतर्कता और सुरक्षा बलों के साथ समन्वय पर विशेष जोर दिया गया है।

ग्रामीण सुरक्षा दलों की अवधारणा नई नहीं है। अतीत में भी आतंकवाद से प्रभावित क्षेत्रों में स्थानीय लोगों को आत्मरक्षा और गांवों की सुरक्षा के लिए संगठित किया गया था। समय के साथ सुरक्षा चुनौतियों का स्वरूप बदला तो इन दलों की भूमिका भी अधिक व्यवस्थित होती गई। आज इनका उद्देश्य किसी नियमित सैन्य बल का स्थान लेना नहीं है, बल्कि सुरक्षा एजेंसियों के सहयोगी के रूप में कार्य करना है। स्थानीय निवासी अपने क्षेत्र की भौगोलिक परिस्थितियों, रास्तों, जंगलों, पहाड़ियों और सामाजिक गतिविधियों से भलीभांति परिचित होते हैं। यही जानकारी किसी भी संदिग्ध गतिविधि का समय रहते पता लगाने में महत्वपूर्ण सिद्ध होती है।

हाल के महीनों में जम्मू क्षेत्र के कई संवेदनशील इलाकों में सेना और अन्य सुरक्षा एजेंसियों द्वारा प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए गए हैं। इन शिविरों में ग्रामीणों को हथियारों के सुरक्षित उपयोग, निशानेबाजी, बंकरों के उपयोग, गश्त के दौरान सावधानियों, आपात स्थिति में त्वरित प्रतिक्रिया तथा सुरक्षा बलों के साथ संपर्क बनाए रखने का अभ्यास कराया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत संबंधित एजेंसियों तक पहुंचे और आवश्यकता पड़ने पर प्रारंभिक स्तर पर गांव की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

इस अभियान की सबसे उल्लेखनीय विशेषता महिलाओं की बढ़ती भागीदारी है। पहले सुरक्षा संबंधी गतिविधियों में पुरुषों की संख्या अधिक होती थी, लेकिन अब अनेक गांवों में महिलाएं भी उत्साहपूर्वक प्रशिक्षण प्राप्त कर रही हैं। उन्हें हथियारों के सुरक्षित संचालन, चौकसी, सूचना संग्रह, संकट की स्थिति में परिवारों की सुरक्षा और स्थानीय समन्वय की शिक्षा दी जा रही है। इससे महिलाओं का आत्मविश्वास बढ़ा है और समाज में सुरक्षा के प्रति सामूहिक जिम्मेदारी की भावना भी मजबूत हुई है। कई स्थानों पर महिलाओं ने यह संदेश दिया है कि गांव की सुरक्षा केवल पुरुषों की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि पूरे समुदाय का दायित्व है।

सीमावर्ती और दूरदराज के गांवों की परिस्थितियां सामान्य क्षेत्रों से भिन्न होती हैं। यहां कई बार सुरक्षा बलों को कठिन भौगोलिक परिस्थितियों के कारण घटनास्थल तक पहुंचने में समय लग सकता है। ऐसे में स्थानीय स्तर पर प्रशिक्षित ग्रामीण प्रारंभिक सतर्कता बनाए रखने, लोगों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने और संदिग्ध गतिविधियों की तुरंत सूचना देने का कार्य कर सकते हैं। इससे सुरक्षा बलों को भी अधिक सटीक और समय पर जानकारी मिलती है, जिससे अभियान अधिक प्रभावी बनते हैं।

सरकार द्वारा ग्रामीण सुरक्षा दलों को बेहतर हथियार उपलब्ध कराने की दिशा में भी कदम उठाए गए हैं। पहले जहां कई स्थानों पर पुराने हथियार उपलब्ध थे, वहीं अब आधुनिक स्वचालित क्षमता वाले हथियार और आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए जाने की प्रक्रिया आगे बढ़ाई गई है। इससे ग्रामीणों का मनोबल बढ़ा है और उन्हें यह विश्वास मिला है कि सरकार उनकी सुरक्षा संबंधी भूमिका को गंभीरता से ले रही है। हालांकि हथियारों का उपयोग निर्धारित नियमों और सुरक्षा एजेंसियों के मार्गदर्शन में ही किया जाता है। प्रशिक्षण केवल हथियार चलाने तक सीमित नहीं रहता। इसमें अनुशासन, संयम, कानूनी दायित्व, नागरिकों की सुरक्षा, सूचना की गोपनीयता और संकट प्रबंधन जैसे विषय भी शामिल किए जाते हैं। प्रशिक्षकों द्वारा यह स्पष्ट किया जाता है कि किसी भी संदिग्ध व्यक्ति के प्रति कार्रवाई का अंतिम अधिकार सुरक्षा एजेंसियों के पास होता है। ग्रामीणों की भूमिका मुख्य रूप से सतर्कता, सूचना और आत्मरक्षा तक सीमित रहती है। इससे कानून व्यवस्था और नागरिक अधिकारों के बीच संतुलन बनाए रखने में सहायता मिलती है।

आतंकवाद का उद्देश्य केवल हिंसा फैलाना नहीं होता बल्कि लोगों के मन में भय पैदा करना भी होता है। जब किसी गांव के लोग स्वयं संगठित होकर सुरक्षा व्यवस्था में सहयोग करते हैं तो आतंकवादियों के लिए स्थानीय समर्थन प्राप्त करना कठिन हो जाता है। ग्रामीणों की सतर्कता के कारण संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी जल्दी मिलती है और सुरक्षा बल समय रहते कार्रवाई कर सकते हैं।

धरती पर मंडराता ब्रह्मांडीय खतरा और क्षुद्रग्रहों की बढ़ती चुनौती

योगेश कुमार गोयल

रूस के साइबेरिया में तुंगुस्का नदी के पास वर्ष 1908 में हुई क्षुद्रग्रह (एस्टेरायड) घटना की वर्षगांठ के प्रतीक के तौर पर प्रतिवर्ष 30 जून को 'अंतर्राष्ट्रीय क्षुद्रग्रह दिवस' मनाया जाता है। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने दिसम्बर 2016 में 30 जून को अंतर्राष्ट्रीय क्षुद्रग्रह दिवस के रूप में घोषित किया था। इसी दिन साइबेरिया और उसके आसपास हुए तुंगुस्का क्षुद्रग्रह के प्रभाव को समझने के लिए ही इस तिथि का चयन किया गया था। इस दिन को चिह्नित करने का विचार एसोसिएशन ऑफ स्पेस एक्सप्लोरर्स द्वारा प्रस्तावित किया गया था, जिसे बाहरी अंतरिक्ष के शांतिपूर्ण उपयोग पर समिति द्वारा समर्थन दिया गया था। दरअसल 30 जून 1908 को तुंगुस्का नदी के करीब एक बड़ा विस्फोट हुआ था, जिसे तुंगुस्का प्रभाव कहा गया। उस विस्फोट में कई किलोमीटर क्षेत्र में जमीन तहस-नहस हो गई थी। क्षुद्रग्रह के चलते पृथ्वी पर हुआ वह नुकसान अभी तक का सबसे बड़ा नुकसान बताया जाता है। यह दिवस मनाने का प्रमुख उद्देश्य लोगों को उस संकट के बारे में जागरूक करना है, जो क्षुद्रग्रह के प्रभाव से ब्रह्मांड पर हो सकता है। इस दिवस के माध्यम से क्षुद्रग्रह के प्रभाव के चलते होने वाले खतरनाक प्रभावों के बारे में जागरुकता फैलाने के लिए एक वैश्विक आंदोलन छेड़ा

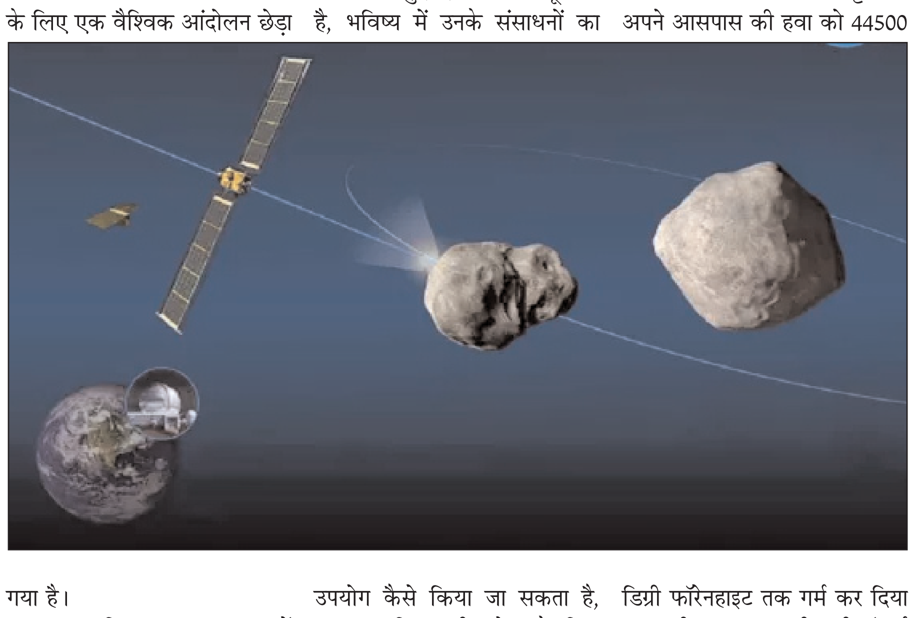

गया है।

क्षुद्रग्रह दिवस का लक्ष्य क्षुद्रग्रहों और पृथ्वी पर उनके संभावित प्रभाव के बारे में सार्वजनिक जागरूकता को बढ़ावा देने के अलावा सरकारों, संगठनों और व्यक्तियों को हमारे ग्रह को भविष्य के क्षुद्रग्रह प्रभावों से बचाने के लिए कार्रवाई करने के लिए प्रोत्साहित करना है। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 30 जून को क्षुद्रग्रह दिवस के रूप में घोषित करने के लिए लाए गए संकल्प में तय किया था कि दुनियाभर में लोगों को क्षुद्रग्रहों के घातक प्रभावों के बारे में जागरुक किया जाएगा। दरअसल आज भी विश्व में अधिकांश लोगों को यह जानकारी नहीं है कि आखिर ये क्षुद्रग्रह हैं क्या और किसी क्षुद्रग्रह की घटना पृथ्वी पर कितना विनाश कर सकती है? हमारे ब्रह्मांड के निर्माण में क्षुद्रग्रहों की क्या भूमिका है, भविष्य में उनके संसाधनों का उपयोग कैसे किया जा सकता है, क्षुद्रग्रह भविष्य की खोज के लिए कैसे मार्ग प्रदान करते हैं और हम अपने ग्रह को क्षुद्रग्रहों के प्रभाव से कैसे बचा सकते हैं, यह दिवस इन्हीं सब बातों को जानने-समझने तथा किसी क्षुद्रग्रह के पृथ्वी से टकराने पर होने वाले विनाशकारी प्रभाव के बारे में जागरूकता बढ़ाने का अवसर प्रदान करता है।

अंतर्राष्ट्रीय क्षुद्रग्रह दिवस 1908 के तुंगुस्का प्रभाव की वर्षगांठ का प्रतीक है। 30 जून 1908 को रूस के साइबेरिया में पॉडकामेनेया तुंगुस्का नदी के ऊपर आसमान में एक बड़ा विस्फोट हुआ था। नासा के अनुसार अनुमान लगाया गया था कि उस क्षुद्रग्रह ने करीब 33500 मील प्रति घंटे की गति से पृथ्वी के वायुमंडल में प्रवेश किया था। 220 मिलियन पाउंड की उस अंतरिक्ष चट्टान ने अपने आसपास की हवा को 44500 डिग्री फॉरेनहाइट तक गर्म कर दिया था। करीब 28 हजार फीट की ऊंचाई पर दबाव और गर्मी के संयोजन ने क्षुद्रग्रह के टुकड़े को नष्ट कर दिया था, जिससे आग का गोला पैदा हुआ और उससे करीब 185 हिरोशिमा बमों के बराबर ऊर्जा निकली। उस भयंकर विस्फोट से पैदा गई आग ने जंगल के करीब 2150 वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल में 80 मिलियन से भी ज्यादा पेड़ों को जलाकर राख कर दिया था। माना गया था कि उस विस्फोट के लिए कोई क्षुद्रग्रह या धूमकेतु जिम्मेदार था। क्षुद्रग्रह दिवस की स्थापना 2013 के चेल्याबिंस्क उल्का विस्फोट के अगले वर्ष 2014 में भौतिक विज्ञानी स्टीफन हॉकिंग ने खगोलशास्त्री और क्वीन के प्रमुख गिटारवादक डा. ब्रायन मे, बी612 फाउंडेशन के अध्यक्ष डेनिका रेमी, अपोलो 9 अंतरिक्ष यात्री रस्टी श्वेकार्ट और फिल्म निर्माता ग्रिग रिक्टर्स के साथ मिलकर जागरूकता को बढ़ावा देने और लोगों को हमारे ब्रह्मांड के निर्माण में क्षुद्रग्रहों के महत्व तथा हमारे सौरमंडल में उनकी भूमिका के बारे में ज्ञान प्रदान करने के उद्देश्य से की थी। बी612 नामक संगठन एक ऐसा संगठन है, जो पृथ्वी को क्षुद्रग्रह प्रभावों से बचाने और ग्रह रक्षा के मुद्दों पर विश्वभर में निर्णय लेने की जानकारी देने और अग्रेषित करने की दिशा में कार्य करता है।

क्षुद्रग्रह छोटे आकाशीय चट्टान रूपी पिंड होते हैं, जो सदैव सूर्य के चारों ओर घूमते हैं। ये वो पिंड हैं, जो किसी कारण से ग्रह नहीं बन पाए। क्षुद्र ग्रह को ग्रहिका भी कहते है। ये आकाशीय पिंड किसी ग्रह से छोटे होते हैं लेकिन ग्रहों की ही भांति सूर्य की परिक्रमा करते हैं। दरअसल तारों, ग्रहों और उपग्रहों के अलावा कई छोटे पिंड भी सूर्य के चारों ओर घूमते रहते हैं, इन्हीं पिंडों को क्षुद्रग्रह कहा जाता है।

अंतरिक्ष विज्ञानियों के मुताबिक क्षुद्र ग्रह एक ग्रह के हिस्से हैं, जो हजारों साल पहले टूटे थे। क्षुद्रग्रह चट्टानी-धात्विक वस्तुएं हैं, जिनका आकार एक छोटे से कंकड़ के आकार से लेकर 600 मील तक भी होता है। इन्हें सौरमंडल का बचा हुआ पदार्थ भी कहा जाता है। हमारे सौरमंडल में कई लाख क्षुद्रग्रह मौजूद हैं और कई की खोज अभी बाकी है। कुछ क्षुद्रग्रह तो इतने छोटे होते हैं कि उनका पता लगाना मुश्किल होता है। ज्यादातर क्षुद्रग्रह मंगल और बृहस्पति की कक्षाओं के बीच पाए जाते हैं लेकिन कुछ की कक्षाएं अधिक विलक्षण होती हैं।

करीब 10 लाख ज्ञात क्षुद्रग्रहों में से सबसे बड़ी संख्या मुख्य क्षुद्रग्रह बेल्ट में सूर्य से करीब 2 से 4 खगोलीय इकाई दूर मंगल और बृहस्पति की कक्षाओं के बीच स्थित है। सबसे बड़ा क्षुद्र ग्रह सेरेस है, जिसका व्यास करीब 1083 किलोमीटर है, जिसकी खोज 1801 में हुई थी। दरअसल उस दौरान तारों का नक्शा बनाते समय इटली के खगोल शास्त्री ग्यूसेप पियाजी ने गलती से मंगल और बृहस्पति की कक्षाओं के बीच एक हजार किलोमीटर (करीब 600 मील) व्यास की एक वस्तु की खोज की थी। उन्होंने उस वस्तु का नाम अनाज और फसल की रोमन देवी के नाम पर 'सेरेस' (ब्मतमे) रखा, जो खोजा जाने वाला पहला क्षुद्रग्रह था। यह मंगल और बृहस्पति के बीच में क्षुद्रग्रहों के पट्टे में रहता है। प्लूटो क्षुद्रग्रह सेरेस से करीब ढ़ाई गुना बड़ा है। अंतरिक्ष विज्ञानियों का मानना है कि सेरेस शुष्क और धूसर दिखाई दे सकता है लेकिन संभवत: इसके अतीत में एक तरल महासागर था। ज्यादातर क्षुद्रग्रह पृथ्वी और उस पर पनप रहे जीवन के लिए खतरा नहीं हैं लेकिन कुछ क्षुद्रग्रह इतने खतरनाक हैं और अगर वे पृथ्वी से टकरा जाते हैं तो भयानक तबाही मचा सकते हैं।

PM Modi Seychelles Visit: चीन देखता रह गया, हिंद महासागर में भारत ने बना ली मजबूत घेराबंदी

नीरज कुमार दुबे

मोदी की यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच नौ महत्वपूर्ण समझौते हुए। इनमें प्रत्यर्पण संधि सबसे अधिक सामरिक महत्व रखती है। हिंद महासागर क्षेत्र लंबे समय से समुद्री डकैती, मादक पदार्थों की तस्करी, अवैध मछली पकड़ने और अंतरराष्ट्रीय अपराधों की चुनौती से जूझता रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सेशेल्स यात्रा ने यह स्पष्ट कर दिया है कि भारत हिंद महासागर क्षेत्र में केवल एक सहभागी शक्ति नहीं, बल्कि स्थिरता, सुरक्षा और विकास का सबसे भरोसेमंद केंद्र बन चुका है। सेशेल्स की स्वतंत्रता की पचासवीं वर्षगांठ और दोनों देशों के राजनयिक संबंधों के पचास वर्ष पूरे होने के अवसर पर हुई यह यात्रा सामरिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण रही।

प्रधानमंत्री मोदी ने सेशेल्स की संसद को संबोधित करते हुए जिस प्रकार हिंद महासागर को अवसरों का महासागर बनाने की बात कही, वह भारत की दूरदर्शी समुद्री नीति का स्पष्ट संकेत है। भारत ने यह संदेश दिया कि हिंद महासागर केवल समुद्री व्यापार का मार्ग नहीं, बल्कि सामरिक संतुलन, आर्थिक समृद्धि और वैश्विक शक्ति संरचना का केंद्र बनने जा रहा है। इस पूरे घटनाक्रम में मोदी सरकार की विदेश नीति का आत्मविश्वास और परिपक्वता साफ दिखाई दी। सेशेल्स को भारत ने जिस सम्मान और साझेदारी का भरोसा दिया, उसने यह साबित किया कि नई दिल्ली छोटे देशों को भी बराबरी और सम्मान के साथ साथ लेकर चलने में विश्वास रखती है।

इस यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच नौ महत्वपूर्ण समझौते हुए। इनमें प्रत्यर्पण संधि सबसे अधिक सामरिक महत्व रखती है। हिंद महासागर क्षेत्र लंबे समय से समुद्री डकैती, मादक पदार्थों की तस्करी, अवैध मछली पकड़ने और अंतरराष्ट्रीय अपराधों की चुनौती से जूझता रहा है। ऐसे में प्रत्यर्पण समझौता और समुद्री सुरक्षा सहयोग भारत की सुरक्षा नीति को मजबूत करने वाला कदम है। इससे भारत को पश्चिमी हिंद महासागर में अपनी रणनीतिक उपस्थिति और निगरानी क्षमता बढ़ाने में मदद मिलेगी।

प्रधानमंत्री मोदी ने स्पष्ट कहा कि भारत और सेशेल्स की सुरक्षा एक दूसरे से जुड़ी हुई है। यही कारण है कि भारत ने सेशेल्स को तेज गश्ती पोत, नौकाएं, एंबुलेंस और अन्य उपयोगी वाहन भेंट किए। भारतीय नौसेना के युद्धपोत और सर्वेक्षण पोत का सेशेल्स पहुंचना हिंद महासागर में भारत की बढ़ती समुद्री शक्ति का प्रदर्शन भी था।

साथ ही भारत ने सेशेल्स के लिए एक सौ पचहत्तर मिलियन डॉलर के विशेष आर्थिक पैकेज की घोषणा कर यह भी दिखाया कि उसकी विदेश नीति केवल रणनीतिक हितों तक सीमित नहीं है, बल्कि विकास आधारित साझेदारी पर आधारित है। सामाजिक आवास, शिक्षा, परिवहन, खाद्य सुरक्षा, कौशल विकास और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में भारत का सहयोग यह दर्शाता है कि नई दिल्ली अपने साझेदार देशों के विकास को अपनी प्राथमिकता मानती है। मोदी सरकार की यही नीति भारत को अन्य वैश्विक शक्तियों से अलग पहचान देती है।

इस यात्रा का एक अत्यंत महत्वपूर्ण पक्ष डिजिटल और आर्थिक सहयोग भी रहा। भारत और सेशेल्स के बीच स्थानीय मुद्रा में व्यापार, प्रत्यक्ष नौवहन संपर्क और डिजिटल भुगतान व्यवस्था को लेकर हुए समझौते भविष्य की आर्थिक संरचना को बदलने वाले कदम हैं। भारत की डिजिटल सार्वजनिक संरचना को सेशेल्स में लागू करने की पहल यह साबित करती है कि भारत अब तकनीकी समाधान देने वाली वैश्विक शक्ति के रूप में उभर चुका है। यह मोदी सरकार की उस नीति का परिणाम है जिसमें तकनीक को जनकल्याण और वैश्विक साझेदारी का आधार बनाया गया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में जलवायु परिवर्तन और छोटे द्वीपीय देशों की चुनौतियों को जिस मजबूती से उठाया।

बोध कथा

विश्वास की शक्ति

परमात्मा पर अटूट विश्वास हो तो कोई भी कार्य असंभव नहीं होता और सभी कार्य पूर्ण हो जाते हैं...

शिव आमंत्रण, आबू रोड। रात के ढाई बजे थे। एक सेठ को नींद नहीं आरही थी। वह घर में चक्कर पर चक्कर लगाये जा रहा था पर चैन नहीं पड़ रहा था। आखिर थक कर वह घर से नीचे उतर आया। अपनी कार निकाली और शहर की सड़कों पर निकल गया। रास्ते में एक मंदिर दिखा तो सोचा थोड़ी देर इस मंदिर में जाकर भगवान के पास बैठता हूँ। प्रार्थना करता हूं तो शायद मन को शांति मिल जाये। वह सेठ मंदिर के अंदर गया तो देखा, एक दूसरा आदमी पहले से ही भगवान की मूर्ति के सामने बैठ था। उसका चेहरा उदास था परंतु आंखों में करूणा और आस दिख रही थी। सेठ ने पूछा- 'क्यों भाई इतनी रात को मन्दिर में क्या कर रहे हो?' आदमी ने कहा- 'मेरी पत्नी अस्पताल में है, सुबह यदि उसका ऑपरेशन नहीं हुआ तो वह मर जायेगी और मेरे पास ऑपरेशन के लिए पैसे नहीं हैं '। उसकी बात सुनकर सेठ ने, जेब में जितने रूपए थे वह उस आदमी को दे दिए। अब गरीब आदमी के चहरे पर चमक आ गई थी। सेठ ने अपना कार्ड उस आदमी को देते हुए कहा- इसमें मेरा फोन नबर और पता भी है। अगर और पैसों की जरूरत हो तो नि:संकोच बताना। उस गरीब आदमी ने कार्ड सेठ को वापिस देते हुए कहा- 'मेरे पास उसका पता है ' इस पते की मुझे जरूरत नहीं है सेठजी। आश्चर्य से सेठ ने कहा- 'किसका पता है भाई ' ? उस गरीब आदमी ने कहा- 'जिसने रात को ढाई बजे आपको यहां भेजा उसका '। उस गरीब आदमी का परमात्मा पर इतना दृढ़ विश्वास था ।

तीर तेवर — सागर कुमार

व्यंग्य केसरी

बेघर 'माननीय' बेचारे!

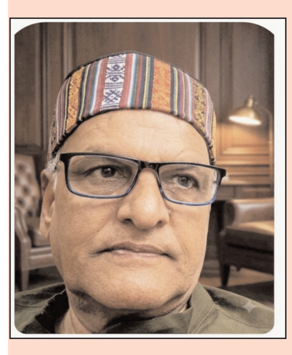

गिरीश पंकज

किसी प्रदेश की कथा है. रामू की चाय की टपरी पर अखबार की सुर्खी पर चर्चा गर्म थी। सुर्खी कह रही थी, कुछ घरों को उजाड़ कर वहाँ 'विधायक कॉलोनी' बनेगी।'

रामू ने कहा, 'भाई! देश का विकास हो रहा है। हमारे प्रतिनिधि अब झुग्गियों को देखकर अपनी कार का शीशा नहीं चढ़ाएंगे। उनके लिए नया स्वर्ग बन रहा है।'

तभी सरकारी जीप से उतरे एक साहब, जिनके हाथ में लाल रंग का फीता और चेहरे पर 'कानूनी' गंभीरता थी। उन्होंने बस्ती की तरफ इशारा करते हुए अपने मातहत से कहा, 'नक्शा देखो। यह जो रामदीन का झोपड़ा है, ठीक यहीं माननीय जनों के लिए ध्यान केंद्र बनेगा, जहां वे देश के बारे में चिंतन किया करेंगे। तुरंत खाली करने का नोटिस चिपकाओ।'

'हटाओ, यह 'अवैध' ग़रीबी है!'

मंगू ने दौड़कर साहब के पैर पकड़ लिए, 'हुजूर! पैंतीस साल से मेरी तीन पीढ़ियां इसी मिट्टी में पली-बढ़ी हैं, देखिए हमारा वोटर कार्ड।'

साहब ने चश्मा नाक पर सरकाते हुए मुस्कुराकर कहा, 'मूर्ख! तुम्हारा वोटर कार्ड वैध है क्योंकि उससे सरकार बनती है। लेकिन तुम्हारा घर अवैध है क्योंकि उससे 'मास्टर प्लान' बिगड़ता है, समझा करो।'

अगले ही दिन, सूरज उगने से पहले पीले रंग के बुलडोजर ने बस्ती को घेर लिया। बुलडोजर की दहाड़ के आगे बच्चों का रोना और बर्तनों का गिरना फीका पड़ गया।

रामदीन अपनी फटी हुई चटाई और एल्युमिनियम के पतीले समेटते हुए सोचने लगा कि जिसे वह तीस साल से अपना 'घर' समझ रहा था, वह दरअसल एक 'अतिक्रमण' था, जो अनजाने में विधायकों के 'लिविंग रूम' का रास्ता रोके खड़ा था।

साल भर बाद, उसी ज़मीन पर मखमली घास उग चुकी थी। कंक्रीट के आलीशान महल खड़े थे, जिनकी दीवारों पर 'सत्यमेव जयते' चमक रहा था। भव्य उद्घाटन समारोह था। रंग-बिरंगे गुब्बारे हवा में तैर रहे थे। ?मुख्य अतिथि माननीय ने माइक संभाला और भारी आवाज़ में बोले, ? 'भाइयो और बहनो! हमारी सरकार गरीबों के प्रति समर्पित है। इस भव्य 'विधायक कॉलोनी' का निर्माण उन गरीबों के महान 'त्याग' की नींव पर हुआ है, जिन्होंने सहर्ष अपनी झुग्गियां देश के लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए दान कर दीं। इतिहास उनके इस 'बलिदान' को हमेशा याद रखेगा!'

पंडाल में बजी तालियों की गड़गड़ाहट इतनी तेज़ थी कि कॉलोनी की चकाचौंध से ठीक दो किलोमीटर दूर तिरपाल तानकर बैठे रामदीन और मंगू तक उसकी आवाज़ पहुंच गई।

मंगू ने अपने बच्चे से कहा, 'देख बेटा, हम कितने भाग्यशाली हैं। हमारा घर भले उजड़ गया, लेकिन हमारे विधायक जी अब बिना मच्छर काटे चैन की नींद सो सकेंगे। यही तो है असली विकास! 'ऊपर आसमान में चांद भी हँस रहा था, और नीचे लोकतंत्र अपनी नई कॉलोनी में गृह प्रवेश कर रहा था।

इतिहास

29 जून का दिन इतिहास में कई महत्वपूर्ण घटनाओं, आविष्कारों और उपलब्धियों के लिए जाना जाता है। आधुनिक तकनीक की दुनिया में आज का दिन बेहद खास है, क्योंकि इसी दिन वर्ष 2007 में Apple द्वारा पहला आईफोन (iPhone) उपभोक्ताओं के लिए बाज़ार में उतारा गया था।29 जून के दिन घटी प्रमुख घटनाएं इस प्रकार हैं:प्रमुख ऐतिहासिक घटनाएं1613: लंदन में शेक्सपियर का 'ग्लोब थिएटर' (Globe Theatre) 'हेनरी VIII' नाटक के प्रदर्शन के दौरान लगी आग से नष्ट हो गया था।1888: शास्त्रीय संगीत की पहली व्यावसायिक रिकॉर्डिंग की गई थी।1956: अमेरिकी राष्ट्रपति ड्वाइट डी. आइजनहावर ने 'फेडरल-एड हाईवे एक्ट' पर हस्ताक्षर करके अमेरिका में 'इंटरस्टेट हाईवे सिस्टम' (Interstate Highway System) बनाने का मार्ग प्रशस्त किया था।

नकटी गांव में अवैध कब्जे पर चला बुलडोजर

80 मकान तोड़े गये , ग्रामीणों में आक्रोश, पुलिस के साथ हुई झूमाझटकी

विश्व केसरी

रायपुर । रायपुर के माना इलाके के नकटी गांव में प्रस्तावित विधायक कॉलोनी के लिए आज (सोमवार) सुबह 80 घर तोड़ दिए गए, जिसमें पीएम और इंदिरा आवास के 32 घर भी शामिल हैं। प्रशासन ने रविवार देर रात से ही यहां 1000 से ज्यादा पुलिस जवान तैनात कर दिए थे। सुबह जैसे ही टीम जेसीबी लेकर पहुंची, तो लोग मशीनों के सामने खड़े हो गए, जिसके बाद पुलिस और ग्रामीणों के बीच भारी धक्का-मुक्की और हंगामा हुआ। इस पूरी कार्रवाई के बीच एक बच्ची ने रोते हुए बताया कि उसने सुबह से कुछ नहीं खाया है, क्योंकि कार्रवाई के डर से घर पर खाना ही नहीं बन पाया था।

लोग बोले- झूठा आश्वासन मिला

वहीं इसके विरोध में ग्रामीण धरने पर बैठए गए थे, उनमें इसलिए भी आक्रोश है क्योंकि दो दिन पहले ही सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने लोगों को भरोसा दिलाते हुए कहा था कि बारिश के मौसम में किसी के मकान नहीं तोड़े जाएंगे।

मकान के मलबे के पास बैठे रहे लोग

सांसद के इस आश्वासन के बावजूद इस तोड़फोड़ से ग्रामीणों में गुस्सा है। कार्रवाई के दौरान मौके से ऐसी तस्वीरें सामने आईं जहां लोग घरों के सामने सामान निकाल कर बैठे दिखे, तो टूटे मकानों के मलबे पर एक बुजुर्ग मासूम को गोद में लेकर बेबस नजर आए।

नया रायपुर में मिलेंगे मकान

इधर, बढ़ते बवाल के बीच प्रशासन ने दावा किया है कि प्रभावित परिवारों के पुनर्वास की तैयारी शुरू कर दी गई है और उन्हें नया रायपुर के सेक्टर-30 स्थित ईडब्ल्यूएस मकानों में बसाने के लिए आवंटन प्रक्रिया जारी है।

80 से ज्यादा मकान तोड़े

नकटी गांव में 80 से ज्यादा मकानों को तोड़ दिया गया है। घर के सामानों को नया रायपुर श्रद्धा कॉलोनी भेजे गए हैं। सुरक्षा की दृष्टि से प्रशासन की टीम मौके पर तैनात रहेगी। वहीं कांग्रेस नेता विकास उपाध्याय ने कहा कि विधायक कॉलोनी बनाने के लिए 95 से ज्यादा घरों के लोगों को बेघर कर दिया गया। सांसद बृजमोहन ने भी लोगों से झूठ बोला। उन्होंने बारिश में मकान नहीं तोड़ने का आश्वासन दिया था।

नवा रायपुर में अब 70 परिवारों को मिलेगी पक्की छत, सांसद बृजमोहन अग्रवाल के दखल से सुलझा नकटी बेदखली का मुद्दा

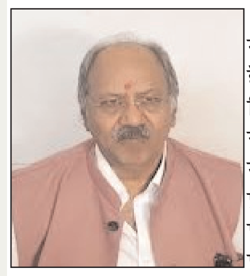

रायपुर के नकटी इलाके में पिछले कई दिनों से जारी बेदखली का मामला अब सुलझ चुका है। विधायक कॉलोनी प्रोजेक्ट के नाम पर जिन 84 परिवारों को अपना घर छोड़ने का नोटिस मिला था, अब उनके लिए राहत की खबर है। मामला तब गरमाया जब अचानक प्रशासन की ओर से ग्रामीणों को बेदखली का फरमान थमाया गया। घर उजड़ने के डर से परेशान ग्रामीण सांसद बृजमोहन अग्रवाल के पास मदद की गुहार लेकर पहुंचे। इस दौरान धरसींवा के पूर्व विधायक देवजीभाई पटेल भी साथ रहे। सांसद ने मौके की गंभीरता को देखते हुए फौरन अधिकारियों और ग्रामीणों की बैठक बुलाई। सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से चर्चा का भरोसा दिया है। अब कुल 84 प्रभावितों में से 70 परिवारों को नवा रायपुर में सरकारी EWS मकान आवंटित किए जाएंगे। भौगोलिक संदर्भ सांसद ने बैठक में दो टूक कहा कि सरकारी योजनाओं का मतलब जन-कल्याण है, न कि किसी को बेघर करना। उन्होंने उन ग्रामीणों से भी अपील की है जिनके पास पहले से घर हैं, कि वे प्रशासन को सहयोग करें। इससे जो लोग वाकई भूमिहीन हैं, उन्हें जल्द से जल्द छत मिल सकेगी। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों को साफ़ कह दिया गया है कि ग्रामीणों के साथ संवाद बनाए रखें। किसी भी परिवार के साथ अन्याय नहीं होना चाहिए। इस मुद्दे पर सांसद बृजमोहन अग्रवाल पहले भी सीएम को पत्र लिख चुके हैं।

किसी गरीब, जरूरतमंद के साथ अन्याय नहीं होगा- अनुज शर्मा

रायपुर जिले के धरसीवां विधानसभा क्षेत्र के नकटी गांव में चल रही बुलडोजर कार्रवाई और विस्थापन को लेकर विधायक अनुज शर्मा का बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि किसी भी गरीब और जरूरतमंद परिवार के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। यदि अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई है तो प्रभावित परिवारों के पुनर्वास की भी पूरी व्यवस्था की जा रही है। विधायक अनुज शर्मा ने बताया कि प्रभावित परिवारों को नया रायपुर के सेक्टर-30 स्थित ईडब्ल्यूएस (EWS) आवासों में बसाने की प्रक्रिया जारी है। उन्होंने कहा कि अब तक 75 फ्लैट उपलब्ध कराए जा चुके हैं और जिन परिवारों का विस्थापन हुआ है, उनके पुनर्वास का कार्य लगातार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि वे स्वयं गरीबों के साथ खड़े हैं और प्रभावित ग्रामीणों की हर बात सुनी जाएगी। सरकार और प्रशासन मिलकर सभी पक्षों से चर्चा कर उचित समाधान निकालने का प्रयास कर रहे हैं, ताकि किसी भी पात्र परिवार के साथ अन्याय न हो।

सेंट्रल जेल में नहाते समय बंदी की मौत

बिलासपुर। बिलासपुर सेंट्रल जेल में तखतपुर के बंदी जनकराम साहू की में मौत हो गई। बताया जा रहा है कि नहाते समय जनकराम अचानक गिर गया और उसका सिर पत्थर से गिर गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। जेल प्रशासन द्वारा उसे आपातकालीन उपचार के लिए सिम्स (CIMS) अस्पताल में भर्ती किया गया था, जहां उपचार के दौरान उसने दम तोड़ दिया। इस घटना के बाद जेल प्रशासन ने मामले की उच्च स्तरीय जांच शुरू कर दी है, जिसके तहत यह पता लगाया जा रहा है कि इस घटना के पीछे एक फ़्लान के कारण हादसा हुआ था या इसके पीछे कोई अन्य कारण ज़िम्मेदार है।

भिलाई इस्पात संयंत्र में 47 सेफ्टी सर्किल टीमों ने प्रस्तुत किए नवाचार

विश्व केसरी

भिलाई । सुरक्षित कार्य संस्कृति को बढ़ावा देने भिलाई इस्पात संयंत्र में 'सुरक्षा-2026' आयोजित, प्रतियोगिता में 47 केस स्टडी का मूल्यांकन । भिलाई इस्पात संयंत्र के सुरक्षा अभियांत्रिकी विभाग द्वारा कार्यस्थल पर सुरक्षित कार्य संस्कृति, नवाचार और सतत सुधार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से दो दिवसीय एकीकृत सेफ्टी सर्किल प्रतियोगिता 'सुरक्षा-2026' का आयोजन 27 एवं 29 जून 2026 को मानव संसाधन विकास विभाग के सभागार में किया गया। प्रतियोगिता में संयंत्र के विभिन्न विभागों की 47 सेफ्टी सर्किल टीमों ने कार्यस्थल सुरक्षा से जुड़े अपने नवाचारी समाधान और केस स्टडी प्रस्तुत किए। प्रतियोगिता का शुभारंभ मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी (मार्केटिंग एंड यूटिलिटीज) बी. के. बेहरा ने किया।

उन्होंने कहा कि सुरक्षा केवल नियमों का पालन नहीं, बल्कि कार्य संस्कृति का अभिन्न हिस्सा है। दुर्घटनारहित एवं सुरक्षित कार्यस्थल के निर्माण के लिए नवाचार आधारित प्रयासों और कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी को निरंतर प्रोत्साहित किया जाना आवश्यक है।

कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों के स्वागत के साथ हुई।

मजदूरी विवाद में मछली व्यापारी की हत्या

विश्व केसरी

धमतरी । जिले के नगरी थाना क्षेत्र में मछली व्यापारी की हत्या और लूट के सनसनीखेज मामले का नगरी पुलिस ने 48 घंटे के भीतर खुलासा कर दिया है। पुलिस ने हत्या के आरोप में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि दो विधि से संघर्षरत बालकों की संलिप्तता भी सामने आई है। आरोपियों ने मजदूरी बढ़ाने को लेकर हुए विवाद और रंजिश के चलते वारदात को अंजाम देना स्वीकार किया है।

पुलिस अधीक्षक सूरज सिंह परिहार के निर्देशन में गठित विशेष टीम ने अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, एसडीओपी नगरी, थाना नगरी और साइबर सेल के सहयोग से तकनीकी साक्ष्यों, मुखबिर सूचना

और वैज्ञानिक जांच के आधार पर आरोपियों तक पहुंच बनाई।

पुलिस के मुताबिक मृतक विप्लव मंडल निजी फिश फार्म संचालित करता था। उसके यहां काम करने वाले आरोपी लंबे समय से मजदूरी बढ़ाने की मांग कर रहे थे। मांग पूरी नहीं होने और कथित रूप से अपमानजनक व्यवहार से नाराज होकर उन्होंने हत्या की साजिश रची। 25 जून को योजना सफल नहीं हो सकी, जिसके बाद 27 जून को दोबारा योजना बनाकर वारदात को अंजाम दिया गया।

आरोपियों ने नगरी बाजार से मछली बेचकर लौट रहे विप्लव मंडल की गतिविधियों पर नजर रखी और गोरेगांव-भैंसमुड़ा मार्ग के सुनसान जंगल में घात लगाकर बैठे। वहां पहुंचते ही लकड़ी के डंडों और धारदार हथियारों से हमला कर उसकी हत्या कर दी। इसके बाद उसके पास रखी नगदी और मोबाइल फोन लूटकर फरार हो गए तथा रकम आपस में बांट ली। मर्ग जांच, गवाहों के बयान, तकनीकी साक्ष्य और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर नगरी थाना में भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1), 309(6) और 311 के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू की गई। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने अपराध स्वीकार कर लिया।

आइसक्रीम पार्लर की आड़ में सेक्स रैकेट ग्राहक बनकर पहुंची पुलिस, 3 युवतियों समेत 8 गिरफ्तार

विश्व केसरी

छत्तीसगढ़ के दुर्ग स्थित इंद्रा मार्केट के जलाराम लॉज में आइसक्रीम पार्लर की आड़ में सेक्स रैकेट चलाया जा रहा था। इस लॉज के नीचे मिठाई और आइसक्रीम की दुकान भी संचालित थी, जहां नए ग्राहकों को आने की अनुमति नहीं थी और केवल उन्हीं पुराने ग्राहकों को एंट.

आसपास के लोगों को इसकी जानकारी थी; पुलिस ने पुख्ता खबर पर पहले जवान को फर्जी ग्राहक बनाकर भेजा, फिर अंदर से हरी झंडी मिलते ही छापा मारकर 5 घंटे कार्रवाई की। इस छापेमारी में आपत्तिजनक सामान के साथ लॉज संचालक, 3 युवतियां और ग्राहकों सहित कुल 8 लोग पकड़े गए, जिनसे पूछताछ जारी है।

दुर्ग सिटी कोतवाली पुलिस और एसीसीयू की संयुक्त टीम रविवार दोपहर करीब 3 बजे तीन गाड़ियों से जलाराम लॉज पहुंची। टीम ने पहले एक पुलिसकर्मी को फर्जी ग्राहक बनाकर अंदर भेजा। जैसे ही उसने अंदर देह व्यापार चलने की पुष्टि करते हुए मैसेज भेजा, बाहर मुस्तैद पुलिस टीम ने एक साथ लॉज में दबिश दे दी।

ऊपर लॉज, नीचे मिठाई दुकान

जांच में सामने आया है कि जहां कार्रवाई हुई, उसके नीचे मिठाई दुकान और आइसक्रीम पार्लर है, जबकि ऊपर बने लॉज में सेक्स रैकेट चलाया जा रहा था। आसपास के लोगों को इसकी जानकारी थी। नए कस्टमर को यहां आने नहीं दिया जाता था।

जंगल में मिली युवती की लाश, क्षेत्र में फैली सनसनी

विश्व केसरी

कोरबा। जिले के बालको थाना क्षेत्र अंतर्गत नवाडीह के जंगल में संदिग्ध अवस्था में युवती की लाश मिलने से सनसनी फैल गई। घने जंगल के भीतर शव मिलने की सूचना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल बन गया। घटना की सूचना मिलते ही बालको थाना प्रभारी युवराज तिवारी पुलिस दल के साथ मौके पर पहुंचे और शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया।

पुलिस के अनुसार लाश मिलने की जानकारी सरपंच पति राय सिंह कंवर द्वारा थाने में दी गई। दुर्गम रास्ते और घने जंगल के कारण घटनास्थल तक पहुंचना पुलिस के लिए चुनौतीपूर्ण रहा। काफी मशक्कत के बाद पुलिस टीम जंगल के अंदर पहुंची और आवश्यक जांच शुरू की।

मौके पर पहुंचकर पुलिस ने मृतका की पहचान सपना धनुवार, 20 वर्ष, पिता हरिराम धनुवार के रूप में की। जांच में पता चला कि कुसमुंडा थाना क्षेत्र से मृतका की गुमशुदगी की रिपोर्ट करीब 20 दिनों पहले दर्ज कराई गई थी। तब से पुलिस और परिजन उसकी तलाश कर रहे थे। लंबे

समय बाद जंगल में शव मिलने से परिजनों में कोहराम मच गया।

घटनास्थल से पुलिस को मृतका के पास से जहर की शीशी भी बरामद हुई है। इससे मामला संदिग्ध परिस्थितियों की ओर इशारा कर रहा है। हालांकि मौत का सही कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट और फॉरेंसिक जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा।

कानूनप्रवर्तन

पूरे मामले की गहनता से जांच की जा रही है। मृतका के परिजनों और आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है। यह आत्महत्या है या हत्या, इसका खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो पाएगा। पुलिस ने सभी बिंदुओं पर जांच शुरू कर दी है और जंगल के आसपास के क्षेत्र में भी तलाशी अभियान चलाया जा रहा है।

इस घटना के बाद नवाडीह और आसपास के गांवों में भय का माहौल है। ग्रामीणों ने पुलिस से निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि हर पहलू को ध्यान में रखकर मामले की तह तक जाया जाएगा।

रायगढ़ पुलिस की पहलः महिला पुलिसकर्मियों को दी स्वच्छता की खास ट्रेनिंग

विश्व केसरी

रायगढ़ । वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह के निर्देशन में पुलिस लाइन उरदना में जिला पुलिस रायगढ़ एवं 'आगाज - एक नई पहल' संस्था के संयुक्त तत्वावधान में मासिक धर्म स्वतंत्रता प्रबंधन विषय पर विशेष जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य महिला अभियोजकों में मासिक धर्मस्वच्छता के प्रति वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करना,इससे संबंधित भारतीयों को दूर करना, सुरक्षित एवं पर्यावरण स्वतंत्रता प्रबंधन को बढ़ावा देना और पर्यावरण-अनुकूल सीनेटरी साख की जानकारी प्रदान करना था।

कार्यक्रम की शुरुआत के स्वागत से हुई। इसके अंतिम जिला स्वतंत्रता मिशन के संस्थापक अधिकारी मोनिका इजदार ने मासिक धर्म से संबंधित वैज्ञानिक शोधकर्ता, व्यक्तिगत स्वच्छता, स्वास्थ्य संबंधी

सावधानियाँ और सुरक्षित मासिक धर्म प्रबंधन पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने महिलाओं को दैनिक जीवन एवं सहायता पर अपनाई जाने वाली स्वच्छ सुझाव के महत्व पर भी प्रकाश डाला।

इस पर डी एस पी डिफेंसिव ठाकुर ने महिला शिक्षकों को स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के साथ-साथ गरिमा बनाए रखने, सेनेटरी पैड के सुरक्षित उपयोग, अवसर एवं पर्यावरण-अनुकूल साहिल की प्रक्रिया की जानकारी देते हुए कहा कि स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता ही सर्वोत्तम पदाधिकारी एवं मित्र की तरह है।

कार्यक्रम के अंत में सभी महिला सिपाहियों ने मासिक धर्म, स्वच्छता, सम्मान और जागरूकता को समाज तक का सामूहिक संकल्प लिया। कार्यशाला में 'आगाज़ - एक नई पहल' संस्था की संस्थापक मस्जिद मोनिका इज़ारदार, जय कुमार चौहान, प्रकाश अपीलकर्ता, चौधरी भंडारी, निशि चंदेल सहित शहर और जिले के विभिन्न विद्यालयों से संबद्ध महिला प्रतिभागियों ने प्रशंसा की।

करंट से मजदूर की मौत, ठेका कंपनी के 2 जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ मामला दर्ज

विश्व केसरी

बिलासपुर। एनटीपीसी सीपीएटी के ऐश डैम नंबर-1 में काम के दौरान मजदूरों की मौत के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। जांच के बाद कंपनी की कंपनी आईएमएस सीपी इब्राहिम प्राइवेट लिमिटेड के दो जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

करेंसी लीज के बाद पानी में गिरा, हुई मौत

मृतक 23 सालर नूर मोहम्मद पश्चिम बंगाल के मालदा जिले में रहने वाला था और सहायक के पद पर नौकरानी थी। 1 जून की सुबह वह पोंटून में ऐश डैम नंबर-1 स्थित रैंक गांव में 100 एचपी मोटर पंप की सफाई कर रहा था। इसी दौरान उसे करंट लगा और बैलेंस बैलेंस से वह सीधे समुद्र तट के पानी में जा गिरा। पानी में भी करंट महसूस हुआ, बिजली बंद हो गई, लेकिन

तब तक पानी की मौत हो चुकी थी।

सुरक्षा उपकरण नाकाफ़ी, माइक्रोवेव तक नहीं पुलिस जांच में सामने आया कि फाउंडेशन सुरक्षा मानकों का पालन नहीं किया गया था। काम शुरू करने से पहले आवश्यक सुरक्षा जांच नहीं की गई। मजदूरों को स्टायडी ग्लव्स और अन्य आवश्यक सुरक्षा उपकरण भी उपलब्ध नहीं थे। प्रत्यक्षदर्शियों के बयान और तकनीशियन निरीक्षणों से पर्यटन की पुष्टि हुई है।

जांच के आधार पर पुलिस ने आईएमएस सीपी मश्रिार प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक पवन साउद और साइट प्वाइंट अलाम्ड ठाकुर के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता बीएनएस की धारा में मामला दर्ज किया है। पुलिस का कहना है कि प्राथमिक जांच में आरोपियों पर आवश्यक सुरक्षा गड़बड़ी की पुष्टि नहीं

अमेरिका-ईरान तनाव बढ़ने से लाल हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स 372 अंक फिसला

मुंबई। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव फिर से बढ़ने के कारण हफ्ते के पहले कारोबारी दिन सोमवार को भारतीय शेयर बाजार गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुआ, और इस तरह घरेलू बाजार में लगातार दो दिनों से जारी बढ़त का सिलसिला टूट गया, जब ऑटो, आईटी और सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के शेयरों में दबाव के चलते प्रमुख बेंचमार्क सेंसेक्स और निफ्टी 50 में करीब 0.50 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई।

बाजार बंद होने के समय 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 0.48 प्रतिशत यानी 372.10 अंक गिरकर 76,728.37 पर पहुंच गया, तो वहीं एनएसई निफ्टी50 0.46 प्रतिशत या 109.75 अंक फिसलकर 23,946.25 पर बंद हुआ।

व्यापक बाजार में, निफ्टी मिडकैप और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स क्रमशः 0.37 प्रतिशत और 0.62 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुए।

सेक्टरवार देखें तो निफ्टी फार्मा, निफ्टी हेल्थकेयर और निफ्टी मेटल में सबसे ज्यादा बढ़त दर्ज की गई, जबकि इसके विपरीत, ऑटो इंडेक्स में सबसे ज्यादा 2 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली। इसके साथ ही, निफ्टी मीडिया, निफ्टी ऑयल एंड गैस, निफ्टी आईटी, निफ्टी प्राइवेट बैंक, निफ्टी पीएसयू बैंक और निफ्टी रियल्टी के शेयरों में 0.9 प्रतिशत से 1.3 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई।

निफ्टी 50 में सबसे ज्यादा नुकसान उठाने वाले शेयरों में कोटक महिंद्रा बैंक, एम एंड एम, टीएमपीवी, इंडिगो और मारुति सुजुकी के शेयर शामिल रहे, जबकि मैक्स हेल्थकेयर, डॉ रेड्डीज लैबोरेटरीज, कोल इंडिया, एटर्नल, बीईएल और ट्रेंट सबसे ज्यादा नुकसान उठाने वाले शेयर रहे।

एक बाजार विशेषज्ञ ने बताया कि सोमवार के सत्र में घरेलू शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव भरा कारोबार देखने को मिला। बेंचमार्क इंडेक्स निफ्टी पूरे सत्र के दौरान करीब 195 अंकों के दायरे में कारोबार करता रहा। दिन के पहले हिस्से में बाजार में तेज अस्थिरता रही, जबकि दूसरे हिस्से में कारोबार काफी सीमित दायरे में सिमट गया और निफ्टी केवल 63 अंकों की रेंज में घूमता रहा। डेली चार्ट पर इंडेक्स ने एक बेयरिश कैंडल बनाई, जो अल्पकालिक कमजोरी का संकेत देती है।

तकनीकी दृष्टि से देखें तो निफ्टी अभी भी अपने 20-दिवसीय और 50-दिवसीय एक्सपोनेंशियल मूविंग एवरेज (ईएमए) के ऊपर कारोबार कर रहा है, जिससे संकेत मिलता है कि बाजार को निचले स्तरों पर सपोर्ट मिल रहा है।

वैश्विक स्तर पर स्थिरता लौटने से सोने में गिरावट बढ़ी, चांदी का दाम भी 2.23 लाख के करीब पहुंचा

विश्व केसरी

मुंबई । सोने और चांदी की शुरुआत सोमवार को गिरावट के साथ हुई। इससे सोने का दाम 1.44 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम और चांदी का दाम 2.23 लाख के करीब पहुंच गया।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) के मुताबिक, सोने का 5 अगस्त, 2026 का कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 1,44,162 रुपए प्रति 10 ग्राम के मुकाबले 1,44,180 रुपए प्रति 10 ग्राम पर खुला।

शुरुआती कारोबार में ही इसमें गिरावट देखने को मिली और यह सुबह 9:40 पर 507 रुपए या 0.35 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 1,43,655 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था। अब तक के कारोबार में सोने ने 1,43,454 रुपए प्रति 10 ग्राम का न्यूनतम स्तर और 1,44,180 रुपए का प्रति 10 ग्राम का उच्चतम स्तर छुआ है, जो कि इसका ओपनिंग प्राइस भी था।

सोने के अपेक्षा चांदी में सपाट कारोबार हो रहा है।

चांदी का 4 सितंबर 2026 का कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 2,23,472 रुपए प्रति किलो के मुकाबले तेजी के साथ 2,23,912 रुपए प्रति किलो पर खुला, लेकिन शुरुआत कारोबार में इसमें बिकवाली देखी गई।

खबर लिखे जाने तक यह 157 रुपए या 0.07 प्रतिशत की मामूली गिरावट के साथ 2,23,315 रुपए प्रति किलो पर था। अब तक के कारोबार में चांदी ने 2,22,641 रुपए प्रति किलो का न्यूनतम स्तर और 2,24,248 रुपए प्रति किलो का उच्चतम स्तर छुआ है। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में सोने और चांदी में गिरावट के साथ कारोबार हो रहा है। कॉमेक्स पर 0.41 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 4,078 डॉलर प्रति औंस और चांदी 1.18 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 58.52 डॉलर प्रति औंस पर था। जानकारों के मुताबिक, सोने और चांदी में गिरावट की वजह वैश्विक स्तर पर अस्थिरता कम होना, डॉलर इंडेक्स की मजबूती और ब्याज दर बढ़ने की आशंका है।

डिजीहाट ने ओएनडीसी प्लेटफॉर्म पर 'सहकार से समृद्धि' स्टोर किया लॉन्च

विश्व केसरी

नई दिल्ली। 'ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स'(ओएनडीसी) पर मौजूद सरकारी ई-कॉमर्स मार्केटप्लेस 'डिजीहाट' ने सोमवार को देश भर में 'सहकार से समृद्धि' अभियान शुरू किया। इसका मकसद डिजिटल कॉमर्स के जरिए सहकारी उत्पादों को बढ़ावा देना और ग्राहकों तक उनकी पहुंच बढ़ाना है।

29 जून से 6 जुलाई तक चलने वाला यह हफ्ते भर लंबा अभियान सहकारिता मंत्रालय के पांच साल पूरे होने के मौके पर आयोजित किया जा रहा है। इसका मकसद देश भर की सहकारी समितियों, किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ), स्वयं-सहायता समूहों (एसएचजी), कारीगर समूहों और उत्पादकों के नेतृत्व वाले उद्यमों के उत्पादों को प्रदर्शित करना है।

इस पहल के तहत, 'डिजीहाट' ने एक खास 'सहकार से समृद्धि स्टोर' शुरू किया है। यह स्टोर सहकारी समितियों, किसान समूहों और सामुदायिक उद्यमों के उत्पादों को एक ही डिजिटल प्लेटफॉर्म पर लाता है, जहां से देश भर के ग्राहक इन्हें खरीद सकते हैं।

इस अभियान का मकसद भारत के कोऑपरेटिव इकोसिस्टम के लिए डिजिटल मार्केट तक पहुंच को बेहतर बनाना है। इस इकोसिस्टम में 8.5 लाख से अधिक रजिस्टर्ड कोऑपरेटिव सोसायटियां शामिल हैं, जिनके लगभग 29 करोड़ सदस्य खेती, डेयरी, मछली पालन, हथकरघा, ग्रामीण उद्योगों और फाइनेंशियल सर्विस जैसे सेक्टर में काम करते हैं। डिजीहाट के अनुसार, हालांकि हाल के सालों में कोऑपरेटिव मूवमेंट काफी बढ़ा है, फिर भी कई प्रोड्यूसर्स को मुख्यधारा के ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म और देश भर के बाजारों तक पहुंचने में चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। कंपनी ने कहा कि ओएनडीसी-पावर्ड प्लेटफॉर्म के जरिए, कोऑपरेटिव, एफपीओ और एसएचजी ज्यादा ग्राहकों तक पहुंच पाएंगे और साथ ही डिजिटल इकॉनमी में उनकी मौजूदगी और भागीदारी भी बढ़ेगी।

डिजीहाट के मार्केटिंग हेड शुभो सेनगुप्ता ने कहा, 'भारत का कोऑपरेटिव मूवमेंट दुनिया के सबसे बड़े लोगों के नेतृत्व वाले आर्थिक इकोसिस्टम में से एक है। जब हम सहकारिता मंत्रालय के पांच साल पूरे होने का जश्न मना रहे हैं।

बीपीसीएल ने टीटीएसआईपीएल में 85 करोड़ रुपए में खरीदी 40 प्रतिशत हिस्सेदारी

विश्व केसरी

नई दिल्ली। सरकारी तेल कंपनी भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) ने सोमवार को ऐलान किया कि वह टिकी टार एंड शेल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (टीटीएसआईपीएल) में 40 प्रतिशत हिस्सेदारी का 85 करोड़ रुपए में अधिग्रहण करेगी। इसके जरिए कंपनी की कोशिश वैल्यू-एडेड बिटुमिन (वीएबी) बाजार में अपनी स्थिति को मजबूत करना है।

पीएसयू कंपनी ने एक्सचेंज फाइलिंग में कहा कि इस स्ट्रैटेजिक इन्वेस्टमेंट का मकसद भारत के इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर में बीपीसीएल के विस्तार को तेज करना है, जहां सड़क और एयरपोर्ट के निर्माण के साथ-साथ खास बिटुमेन प्रोडक्ट्स की मांग बढ़ने की उम्मीद है।

कंपनी ने आगे कहा कि आम शर्तों के पूरा होने पर, इस अधिग्रहण के 90 दिनों के भीतर पूरा होने की उम्मीद है।

बीपीसीएल ने कहा कि यह अधिग्रहण उसे टीटीएसआईपीएल के प्रोडक्ट पोर्टफोलियो और मार्केट में मौजूदगी का फायदा उठाकर वैल्यू-एडेड बिटुमेन सेगमेंट में मौकों का लाभ उठाने में मदद करेगा। बीपीसीएल ने बताया कि मुंबई में रजिस्ट्रार ऑफ कंपनीज के साथ रजिस्टर्ड टीटीएसआईपीएल की अधिकृत शेयर पूंजी 37 करोड़ रुपए और पेड-अप पूंजी लगभग 36 करोड़ रुपए है।

इसके अतिरिक्त, वित्त वर्ष 26 की चौथी तिमाही में बीपीसीएल ने 3,191 करोड़ रुपए का शुद्ध मुनाफा दर्ज किया। इस दौरान आय लगभग 1.18 लाख करोड़ रुपए पर स्थिर रहा, जबकि ईबीआईटीडीए 10,061 करोड़ रुपए रहा।

बीपीसीएल के अनुसार, मई 2026 में दिल्ली में पेट्रोल की बिक्री 27,800 मीट्रिक टन से अधिक रही, जबकि पिछले साल इसी महीने में यह 27,100 मीट्रिक टन से अधिक थी। इस तरह इसमें लगभग 2.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई।

इस महीने डीजल की बिक्री में भी लगातार बढ़ोतरी देखी गई। यह मई 2025 के 16,100 मीट्रिक टन से अधिक से बढ़कर मई 2026 में 16,500 मीट्रिक टन से अधिक हो गई है, जो लगभग तीन प्रतिशत की बढ़ोतरी दिखाता है।

सोमवार को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड के शेयर 2.74 प्रतिशत गिरकर 301.35 रुपए पर बंद हुए।

बीते एक दशक में बने मजबूत एनर्जी इन्फ्रा से भारत को मध्य पूर्व तनाव से निपटने में मिली मदद

विश्व केसरी

नई दिल्ली। मध्य पूर्व तनाव से निपटने की भारत की प्रक्रिया कई अन्य देशों की तुलना में बेहतर थी। इसकी वजह देश में पिछले एक दशक में बनाया गया इन्फ्रास्ट्रक्चर था, जिससे हॉर्मुज स्ट्रेट बंद होने के बाद भी पेट्रोल पंप और एलपीजी की आपूर्ति सामान्य बनी रही। यह जानकारी सरकार की ओर से दी गई।

पेट्रोलियम मंत्रालय के कहा, भारत कच्चे तेल की अपनी स्थिति को सिर्फ स्टॉक के भरोसे नहीं, बल्कि अलग-अलग स्रोतों से तेल मंगाकर सुरक्षित रखता है। देश को तेल आपूर्ति करने वाले देशों की संख्या 27 से बढ़कर 41 हो गई है; इसमें लीबिया, गैबॉन, इक्वेटोरियल गिनी और गुयाना जैसे नए देश शामिल हुए हैं, साथ ही अमेरिका और रूस से भी तेल की आपूर्ति बढ़ाई गई है।

मंत्रालय ने बताया कि इसके साथ ही रूटिंग भी बदल गई है, जिससे अब भारत का बहुत कम कच्चा तेल होर्मुज से होकर गुजरता है। आईएसपीआरएल के तहत स्ट्रैटेजिक रिजर्व में लगभग 5.33 मिलियन टन तेल है, जो लगभग तीन हफ्ते की जरूरत को पूरी कर सकता है।

भारत उन चुनिंदा देशों में शामिल था जो इस हॉर्मुज स्ट्रेट से अपने कार्गो की आवाजाही जारी रख पाए और किसी भी पेट्रोलियम उत्पाद की कोई कमी नहीं हुई।

इसके अलावा, एथेनॉल ब्लेंडिंग का 20 प्रतिशत तक पहुंचना एक और संरचनात्मक राहत देता है, जिससे हर साल कच्चे तेल के आयात की भारी मात्रा की बचत होती है।

कच्चे तेल की कीमत गिरकर लगभग 74 डॉलर प्रति बैरल पर आ गई है, जो मध्य पूर्व संकट के पहले के स्तर के करीब है। स्ट्रेट से टैंकरों की आवाजाही फिर से शुरू होने के साथ कीमतें और कम हो रही हैं।

मंत्रालय ने कहा कि आवाजाही के पूरी तरह सामान्य होने में समय लगेगा, क्योंकि अभी भी बारूदी सुरंगों को हटाने और बड़े जहाजों के जमावड़े को निपटाने का काम बाकी है, लेकिन आपूर्ति में रुकावट का सबसे बुरा दौर अब बीत चुका है।

पेट्रोल और डीजल के मामले में, झटके का असर ग्राहकों पर नहीं डाला गया, बल्कि उसे खुद संभाला गया। केंद्र सरकार ने 27 मार्च, 2026 को पेट्रोल और डीजल पर सेंट्रल एक्साइज ड्यूटी में 10 रुपए प्रति लीटर की कटौती की। इसके तहत पेट्रोल पर स्पेशल एडिशनल एक्साइज को 13 रुपए से घटाकर 3 रुपए और डीजल पर 10 रुपए से घटाकर शून्य कर दिया गया। इस कदम से सरकार को लगभग 1.7 लाख करोड़ रुपए के राजस्व का नुकसान हुआ।

इसके बाद मार्केटिंग कंपनियों ने दो महीने से अधिक समय तक रिटेल कीमतें नहीं बढ़ाईं, जबकि कच्चे तेल की कीमतें 120 डॉलर से भी ऊपर चली गई थीं और उन्हें रोजाना लगभग एक हजार करोड़ रुपए का नुकसान (अंडर-रिकवरी) हो रहा था।

जब कीमतों में बदलाव करना जरूरी हो गया, तो 15 मई को प्रति लीटर 3 रुपए की एक ही बार बढ़ोतरी की गई, जो किसी भी बड़ी अर्थव्यवस्था के मुकाबले सबसे कम थी।

भारतीय शेयर बाजार ने की दमदार वापसी, फिर दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा स्टॉक मार्केट बना

विश्व केसरी

नई दिल्ली। भारतीय शेयर बाजार फिर से दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा स्टॉक मार्केट बन गया है और इसका मार्केटकैप 5 ट्रिलियन डॉलर से अधिक हो गया है।

वहीं, हाल ही मार्केटकैप में भारतीय स्टॉक मार्केट को पछाड़ चुके ताइवान और साउथ कोरिया के शेयर बाजार में बड़ी गिरावट देखने को मिली है। इससे फिर से दोनों बाजारों का मार्केटकैप भारत से कम हो गया है।

मौजूदा समय में भारतीय शेयर बाजार का कुल मार्केटकैप 5 ट्रिलियन डॉलर से अधिक है। ताइवान के शेयर बाजार का मार्केटकैप 4.97 ट्रिलियन डॉलर और साउथ कोरियाई बाजार का मार्केटकैप 4.66 ट्रिलियन डॉलर है।

इस दौरान, अमेरिका और चीन के बाजार पूंजीकरण और रैंकिंग में कोई खास बदलाव नहीं हुआ, लेकिन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और सेमीकंडक्टर शेयरों में हाल के महीनों की जबरदस्त तेजी के बाद निवेशकों ने ताइवान और दक्षिण कोरिया में मुनाफावसूली की है, जिससे दोनों बाजार में की रैंकिंग में बदलाव आया है।

इसके अलावा, जून में वैश्विक इक्विटी बाजारों का प्रदर्शन काफी कमजोर रहा, जबकि भारतीय शेयरों ने काफी हद तक मजबूती देखी गई।

इस महीने के दौरान, भारत का मार्केटकैप 2.75 प्रतिशत बढ़ा, जबकि दक्षिण कोरिया और ताइवान के मार्केटकैप में क्रमशः 4.7 प्रतिशत और 2.3 प्रतिशत की गिरावट आई।

अन्य प्रमुख बाजारों में, जापान का बाजार पूंजीकरण लगभग 1 प्रतिशत गिरा, हांगकांग में 8.3 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई, कनाडा में 3 प्रतिशत की कमी आई , यूके में लगभग 2 प्रतिशत की कमी आई, फ्रांस 1.1 प्रतिशत गिरा और जर्मनी में 5.6 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

कई एनालिस्ट्स ने भारतीय इक्विटी में इस मजबूती का कारण कच्चे तेल की कीमतों में कमी, बेहतर होते वैल्यूएशन और विदेशी निवेशकों की लगातार दिलचस्पी को बताया है।

उनके अनुसार, निफ्टी का प्राइस-टू-अर्निंग्स मल्टीपल लगभग 24 गुना से घटकर करीब 18 गुना हो गया है, जिससे वैल्यूएशन अधिक आकर्षक हो गए हैं।

इसके अलावा, भारतीय इक्विटी बेंचमार्क ने कई ग्लोबल मार्केट्स के मुकाबले बेहतर प्रदर्शन किया।

इस महीने अब तक, डॉलर के हिसाब से सेंसेक्स और निफ्टी में क्रमशः लगभग 4 प्रतिशत और करीब 3 प्रतिशत की बढ़त हुई है।

एचडीएफसी बैंक के पूर्व चेयरमैन अतानु चक्रवर्ती ने लीगल रिव्यू पर उठाए सवाल, रिपोर्ट्स को बताया 'अनावश्यक'

विश्व केसरी

मुंबई । एचडीएफसी बैंक की ओर से पूर्व चेयरमैन अतानु चक्रवर्ती के इस्तीफे के रिव्यू के लिए नियुक्त की गई लीगल फर्मों 1ने काफी नियम एवं शर्तों के साथ रिपोर्ट जमा की है। इसमें बैंक के इंटरव्यू और बोर्ड मीटिंग के मिनट्स पर फोकस किया गया है। यह जानकारी चक्रवर्ती के हवाले से एक रिपोर्ट में दी गई।

एनडीटीवी प्रॉफिट से बातचीत में चक्रवर्ती ने कहा कि उनका इस्तीफा बैंक की कुछ बिजनेस प्रैक्टिस और पर्सनल वैल्यू में अंतर को लेकर था और इसके जरिए कोशिश बैंक को अंतरिक समीक्षा के लिए प्रेरित करना था। लेकिन उनका कहना है कि लॉ फर्मों ने इसके बजाय अनुपालन के पहलू पर ध्यान केंद्रित किया।

चक्रवर्ती का कहना है कि उन्होंने कई बार बैंक से पूछा कि आखिर किस कानूनी प्रावधान और शर्तें के तहत इन लॉ फर्मों को नियुक्त किया गया, लेकिन बोर्ड ने यह जानकारी उन्हें कभी नहीं दी। इसी वजह से उन्होंने इस पूरी कानूनी कवायद को अनावश्यक बताया।

एटी-1 बॉन्ड मिस-सेलिंग मामले पर चक्रवर्ती ने बताया कि दुबई का एटी-1 बॉन्ड मिस-सेलिंग मामला उनके कार्यकाल में सामने आया था। लेकिन बैंक ने उस समय तेजी से सुधारात्मक कदम उठाए थे।

चक्रवर्ती ने यह बताने से इनकार कर दिया कि बैंक की कौन-सी कारोबारी प्रथाएं उनके मूल्यों के खिलाफ थीं। साथ ही कहा कि बोर्डरूम की बातें बोर्डरूम तक ही रहनी चाहिए।

पार्ट-टाइम चेयरमैन और इंडिपेंडेंट डायरेक्टर अतानु चक्रवर्ती ने अपने पद से 18 मार्च को इस्तीफा दिया था। 2021 में बैंक के बोर्ड में शामिल हुए चक्रवर्ती ने इस्तीफे में पिछले दो वर्षों में बैंक के भीतर हुए कुछ घटनाक्रमों पर चिंता व्यक्त की थी इस दौरान उन्होंने कहा, 'पिछले दो वर्षों में मैंने बैंक के भीतर कुछ ऐसी घटनाएं और कार्यप्रणालियां देखी हैं जो मेरे व्यक्तिगत मूल्यों और नैतिकता के अनुरूप नहीं हैं।

स्विचबोर्ड पर जमा तेल-मसाले के दाग होंगे गायब, जानें सफाई के आसान घरेलू तरीके, मिनटों में दिखेगा नया जैसा

किचन के स्विचबोर्ड गंदे, पीले या चिपचिपे हो गए हैं, तो सफेद सिरका, बेकिंग सोडा, टूथपेस्ट, डिशवॉश लिक्विड और नींबू-नमक जैसे आसान घरेलू उपाय उनकी सफाई में मदद कर सकते हैं. बस सफाई से पहले बिजली बंद करना बिल्कुल न भूलें.

किचन घर का सबसे ज्यादा इस्तेमाल होने वाला हिस्सा होता है. यहां रोज खाना बनता है, जिससे तेल की भाप, मसालों का धुआं और नमी धीरे-धीरे हर चीज पर अपनी परत छोड़ने लगते हैं. सबसे ज्यादा असर किचन की दीवारों, टाइल्स, चिमनी और स्विचबोर्ड पर देखने को मिलता है. शुरुआत में यह गंदगी नजर नहीं आती, लेकिन कुछ ही दिनों में स्विचबोर्ड पीले, चिपचिपे और मैले दिखने लगते हैं. कई लोग इन्हें साफ करने के लिए जोर-जोर से रगड़ते हैं, फिर भी दाग पूरी तरह नहीं निकलते. ऐसे में महंगे क्लीनर खरीदने की जरूरत नहीं है.

घर में मौजूद कुछ आसान चीजों की मदद से भी स्विचबोर्ड की चिकनाई और जमी हुई गंदगी को आसानी से हटाया जा सकता है. हालांकि, सफाई शुरू करने से पहले बिजली का मेन स्विच बंद करना बेहद जरूरी है, ताकि किसी तरह का खतरा न रहे, अगर आप भी अपने किचन के पुराने और गंदे दिखने वाले स्विचबोर्ड को बिना ज्यादा मेहनत के साफ करना चाहते हैं, तो ये 5 घरेलू उपाय आपके काफी काम आ सकते हैं.

1. सफेद सिरका करेगा जमी चिकनाई साफ

अगर स्विचबोर्ड पर तेल और धूल की मोटी परत जम गई है, तो सफेद सिरका काफी असरदार साबित हो सकता है. इसमें मौजूद प्राकृतिक गुण चिकनाई को ढीला करने में मदद करते हैं. एक मुलायम कपड़े या कॉटन पर थोड़ा सफेद सिरका लें और स्विचबोर्ड की सतह को हल्के हाथ से पोंछें. कुछ मिनट बाद सूखे कपड़े से साफ कर दें. इससे पुरानी गंदगी भी आसानी से हटने लगती है.

2. बेकिंग सोडा का पेस्ट देगा नया जैसा लुक

बेकिंग सोडा सिर्फ किचन में ही नहीं, सफाई के काम में भी बेहद काम आता है. इसका हल्का घर्षण जिद्दी दाग हटाने में मदद करता है. थोड़े से बेकिंग सोडा में कुछ बूंद पानी मिलाकर गाढ़ा पेस्ट बना लें. इसे कॉटन या मुलायम ब्रश की मदद से स्विचबोर्ड पर लगाएं और हल्के हाथ से साफ करें. बाद में सूखे कपड़े से पोंछ दें. इससे स्विचबोर्ड पहले से ज्यादा साफ और चमकदार दिखने लगेगा.

3. टूथपेस्ट से हटाएं पुराने दाग

अगर स्विचबोर्ड पर पुराने निशान या पीलेपन की परत जम गई है, तो साधारण सफेद टूथपेस्ट भी अच्छा विकल्प हो सकता है. थोड़ी मात्रा में टूथपेस्ट लगाकर मुलायम कपड़े या ब्रश से धीरे-धीरे रगड़ें. कुछ मिनट बाद साफ कपड़े से पोंछ दें. यह तरीका सतह पर जमी मैल हटाने में मदद करता है और स्विचबोर्ड को साफ लुक देता है.

4. डिशवॉश लिक्विड और गुनगुने पानी का इस्तेमाल करें

किचन की चिकनाई हटाने के लिए डिशवॉश लिक्विड सबसे आसान उपायों में से एक है. यह तेल की परत को जल्दी ढीला कर देता है. गुनगुने पानी में कुछ बूंद डिशवॉश लिक्विड मिलाएं. एक कपड़े को इस घोल में हल्का गीला करें और अच्छी तरह निचोड़ने के बाद स्विचबोर्ड साफ करें. ध्यान रखें कि कपड़े से पानी टपकना नहीं चाहिए. आखिर में सूखे कपड़े से अच्छी तरह पोंछ दें.

5. नींबू और नमक का आसान घरेलू नुस्खा

नींबू और नमक का मेल भी सफाई के लिए काफी कारगर माना जाता है।

बच्चा फोन देखें बिना नहीं खाता खाना? तुरंत हो जाएं सावधान, रुक सकता है दिमाग का विकास, स्टडी में दावा

मोबाइल से हमें बहुत फायदा मिला है लेकिन यह इतना ही नुकसान भी पहुंचा रहा है. आजकल नवजात बच्चों को उनकी मम्मियां मोबाइल पर गाना दिखाते रहती हैं और खिलाती रहती हैं. यह बहुत ही डेंजर है. एक नए अध्ययन में दावा किया गया है कि 2 साल से कम उम्र के बच्चों को स्क्रीन दिखाना उसके दिमाग के लिए बहुत ही खराब है.

अगर आप अपने बच्चों को मोबाइल पर सॉन्ग सुनाकर खाना खिलाते हैं तो तुरंत इस आदत को बदल डालिए क्योंकि इससे बच्चों के दिमाग पर बेहद खराब असर हो सकता है. इससे बच्चों की बुद्धि का विकास रुक सकता है. अध्ययन में चेतावनी दी गई है कि शिशु अवस्था में स्मार्टफोन, टैबलेट और अन्य डिजिटल स्क्रीन का उपयोग बच्चों के विकास से जुड़ी कई गंभीर समस्याओं का कारण बन सकता है. शोधकर्ताओं ने चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि इन उपकरणों से शिशुओं को होने वाले संभावित खतरों पर तत्काल और गहन शोध किए जाने की आवश्यकता है. शोधकर्ताओं का कहना है कि वर्तमान में सरकारों और समाज का ध्यान मुख्य रूप से किशोरों की डिजिटल आदतों और 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर प्रतिबंध जैसे मुद्दों पर केंद्रित है. लेकिन नवजात बच्चों के स्क्रीन टाइम का मुद्दा हम सबके लिए बेबी ब्लाइंड स्पॉट बन गया है. इसपर तत्काल विचार-विमर्श, शोध, रिसर्च और नीति की जरूरत है। पालन-पोषण का हिस्सा बनता जा रहा

द गार्जियन की रिपोर्ट में विशेषज्ञों ने बताया है कि आजकल कई परिवार मोबाइल, स्मार्ट फोन, टैबलेट आदि को अपने बच्चों के पालन-पोषण का हिस्सा बना रहे हैं. तत्काल उन्हें लग रहा है कि इससे बच्चा बहुत स्मार्ट होगा लेकिन यह बहुत ही खतरनाक चलन है. बेशक तत्काल पता न चले लेकिन इससे दीर्घकालिक दुष्परिणाम सामने आएगा. इससे बच्चों के दिमाग पर प्रतिकुल असर पड़ता है जो बौद्धिक विकास में बाधक बन सकता है. यह अध्ययन लीड्स यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर रेफ क्लेटन के नेतृत्व में किया गया है. रेफ क्लेटन ने बताया कि माता-पिता को खुद पता नहीं रहता है कि वह अपने बच्चों को स्क्रीन डिवाइस दिखाएं या नहीं दिखाएं. ऐसे में वे अनजाने में अपने बच्चों में गलत आदत डाल रहे हैं. इस स्थिति को तत्काल बदलने की आवश्यकता है.

एक साथ कई तरह के नुकसान

कई देशों में 2 साल से कम उम्र के बच्चों को स्क्रीन से दूर रखने की सलाह दी जाती है लेकिन इसका पालन बहुत कम ही होता है. दिशा-निर्देश में कहा जाता है कि अगर नवजात बच्चों वाली उम्र से ही स्क्रीन टाइम पर समय बिताया जाए तो माता-पिता के साथ जुड़ाव कम होने लगता है।

'आप चिप्स चुनो, सजियां-सॉस हमारा', ऋषिकेश में फूड लवर्स के बीच ये कैसा क्रेज? हाथोंहाथ बिक रहा

ग्राहक अपनी पसंद का चिप्स का पैकेट चुनते हैं और फिर उसे सब्जियों, सॉस और अलग-अलग टॉपिंग्स के साथ कस्टमाइज करवाते हैं. इसी को Bring Your Own Bag कॉन्सेप्ट कहा जा रहा है. इन दिनों ऋषिकेश इस नए और अनोखे स्ट्रीट फूड कॉन्सेप्ट की वजह से लोगों का ध्यान खींच रहा है. इस अनोखे स्टार्टअप की शुरुआत ओंकार ने की है. लोकल 18 से ओंकार बताते हैं कि उनका सबसे ज्यादा पसंद किया जाने वाला आइटम ब्लू चिप्स मैजिक मसाला है.

उत्तराखंड का ऋषिकेश अपनी आध्यात्मिक पहचान, खूबसूरत घाटों और एडवेंचर एक्टिविटीज के लिए देशभर में मशहूर है, लेकिन अब यह शहर एक नए और अनोखे स्ट्रीट फूड कॉन्सेप्ट की वजह से भी लोगों का ध्यान खींच रहा है. यहां पहली बार क्ष्ड्ढह्रक्च यानी 'क्चह्वद्बद्यस्र ङ्घशह्वह्म् ह्र2ठ्ठ क्चड्डद्द' कॉन्सेप्ट की शुरुआत की गई है, जो पारंपरिक स्नैक्स को बिल्कुल नए अंदाज में पेश करता है. इस कॉन्सेप्ट में ग्राहक अपनी पसंद का चिप्स का पैकेट चुनते हैं और फिर उसे अपनी पसंद के अनुसार सब्जियों, सॉस और अलग-अलग टॉपिंग्स के साथ कस्टमाइज करवाते हैं.

इस अनोखे स्टार्टअप की शुरुआत ओंकार ने की है, जो इस कॉन्सेप्ट को दिल्ली से ऋषिकेश लेकर आए हैं. लोकल 18 से ओंकार बताते हैं कि ऋषिकेश में इस तरह का कोई स्ट्रीट फूड कॉन्सेप्ट पहले मौजूद नहीं था, इसलिए उन्होंने कुछ नया और अलग करने की सोच के साथ इसकी शुरुआत की. उनके अनुसार BYOB का मतलब 'Bring Your Own Bag' है, जहां ग्राहक किसी भी फ्लेवर का चिप्स चुन सकते हैं और उसे अपनी पसंद के स्वाद में बदल सकते हैं. यह केवल चिप्स खाने का अनुभव नहीं, बल्कि अपनी पसंद का स्नैक तैयार करने का एक मजेदार तरीका है।

सरकारी नौकरी छोड़ किसान ने बांस के खेत को बना दिया टूरिस्ट स्पॉट, 50 रुपये की एंट्री और हर साल हो रही तगड़ी कमाई

मध्य प्रदेश के किसान कमलाशंकर ने सरकारी नौकरी छोड़कर बांस की खेती शुरू की और फिर अपने खेत को खूबसूरत टूरिस्ट स्पॉट में बदल दिया. अब लोग यहां घूमने, फोटो खिंचवाने और प्री वेडिंग शूट कराने पहुंचते हैं. जानिए कैसे खेती के साथ उन्होंने कमाई का नया मॉडल तैयार किया.

अक्सर लोग मानते हैं कि अच्छी कमाई सिर्फ नौकरी से ही हो सकती है, लेकिन मध्य प्रदेश के नीमच जिले के किसान कमलाशंकर ने इस सोच को पूरी तरह बदल दिया. उन्होंने केंद्र सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय में सलाहकार की नौकरी छोड़ दी और अपने गांव लौटकर खेती शुरू की. उन्होंने सिर्फ बांस की खेती ही नहीं की, बल्कि अपनी सोच और मेहनत के दम पर खेत को एक ऐसे खूबसूरत स्थान में बदल दिया, जहां आज लोग घूमने, फोटो खिंचवाने और प्री वेडिंग शूट कराने के लिए पहुंच रहे हैं. उनकी यह सफलता बताती है कि अगर खेती में नए प्रयोग किए जाएं तो इससे भी शानदार कमाई की जा सकती है.

ऐसे शुरू हुई बांस की खेती: कोरोना काल के दौरान कमलाशंकर ने नौकरी छोड़ने का फैसला लिया और गांव लौट आए. यहां उन्होंने करीब एक हेक्टेयर जमीन पर बांस के पौधे लगाए. उन्होंने पौधों के बीच पर्याप्त दूरी रखी ताकि खाली जगह का भी सही इस्तेमाल हो सके. शुरुआती दो साल तक उन्होंने बांस के साथ अश्वगंधा और बाद में शतावरी जैसी औषधीय फसलें भी उगाईं. इससे उन्हें खेती से अच्छी आय मिलने लगी और जमीन का पूरा उपयोग भी हुआ.

खेत को बना दिया खूबसूरत टूरिस्ट स्पॉट: जब बांस के पौधे बड़े हुए तो पूरा खेत प्राकृतिक सुंदरता से भर गया. कमलाशंकर ने इस खूबसूरत माहौल को देखते हुए इसे लोगों के लिए खोलने का फैसला किया. धीरे-धीरे आसपास के लोग यहां घूमने आने लगे. आज यहां आने वाले हर व्यक्ति से 50 रुपये का प्रवेश शुल्क लिया जाता है. हरियाली, लंबे बांस के पेड़ और प्राकृतिक वातावरण लोगों को बेहद पसंद आता है.

प्री वेडिंग शूट से बढ़ी कमाई: कमलाशंकर ने सिर्फ घूमने तक ही खुद को सीमित नहीं रखा. उन्होंने अपने खेत को फोटो और वीडियो शूट के लिए भी उपलब्ध कराया. आज कई कपल यहां प्री वेडिंग शूट, मैटरनिटी शूट और फैमिली फोटोशूट कराने आते हैं. इसके लिए 2100 रुपये का शुल्क लिया जाता है. खेत के बाहर इसकी जानकारी वाला बोर्ड भी लगाया गया है. इस तरह खेती के साथ उन्होंने एक नई कमाई का जरिया भी तैयार कर लिया.

खेती के साथ तीन तरफ से हो रही आमदनी: कमलाशंकर की सबसे बड़ी खासियत यह है कि उन्होंने सिर्फ एक फसल पर निर्भर रहने के बजाय कई स्रोतों से कमाई का मॉडल बनाया. उन्हें बांस की खेती से आय होती है, औषधीय फसलों से अलग कमाई होती है और टूरिस्ट स्पॉट व फोटोशूट से अतिरिक्त आमदनी होती है. उनकी मानें तो इस पूरे मॉडल से उन्हें हर साल करीब 7 से 8 लाख रुपये तक का मुनाफा हो रहा है।

कमाल है! मधुमक्खियों के डंक मारने का सच, एक के हमले के बाद यों टूट पड़ता है पूरा झुंड? वजह कर देगा हैरान

मधुमक्खियां किसी भी इंसान या सजीव को उस समय तक डंक नहीं मारती हैं. जब तक उन्हें उससे खतरा महसूस नहीं होता है. खतरा महसूस होने पर वो अपनी बचाव में डंक को इसानों के शरीर में धंसा देती हैं. मेथेनोइक अम्ल (फॉर्मिक एसिड) रिलीज करती हैं. डंक के समय मधुमक्खियों को अपने जीवन की कुर्बानी देनी पड़ती है.

पश्चिम चम्पारण. क्या मधुमक्खियां जान बूझकर इंसानों को डंक मारती हैं? डंक के लिए आयी एक मधुमक्खी छत्ते की अन्य मधुमक्खियों को शिकार की तरफ कैसे बुला लेती है? ज्यादातर लोगों के मन में अक्सर ये सवाल पैदा होते हैं,लेकिन सही जवाब न मिलने पर उन्हें इसे मन में ही दबा कर रखा लेना पड़ता है. इस लेख में हम आपको मधुमक्खियों से जुड़ी इन रोचक और रहस्यमयी तथ्यों पर सटीक और विस्तृत जानकारी साझा कर रहे हैं.

इस वजह से डंक मारती हैं मधुमक्खियां

ज़िले के माधोपुर स्थित क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र में प्रभारी अधिकारी के रूप में कार्यरत वैज्ञानिक डॉ.नीरज कुमार बताते हैं कि मधुमक्खियां किसी भी इंसान या सजीव को उस समय तक डंक नहीं मारती हैं, जब तक उन्हें उससे खतरा महसूस नहीं होता है. खतरा महसूस होने पर वो अपनी बचाव में डंक को इसानों के शरीर में धंसा देती हैं और मेथेनोइक अम्ल (फॉर्मिक एसिड) रिलीज़ करती हैं. इसके अलावे उनके डंक में मेलिटिन नामक प्रोटीन, हिस्टामाइन और विभिन्न एंजाइम होते हैं, जो प्रभावित स्थान में दर्द पैदा करते हैं।

3 जुलाई से अमरनाथ यात्रा शुरू, बैग पैक करने से पहले जान लें क्या साथ लेकर जाएं और क्या नहीं?

3 जुलाई से अमरनाथ यात्रा का शुभारंभ हो रहा है. पवित्र गुफा के दर्शन के लिए लाखों श्रद्धालु उमड़ेंगे. इस दुर्गम यात्रा पर निकलने से पहले यह जानना बेहद जरूरी है कि आपको अपने साथ क्या-क्या सामान ले जाना चाहिए और किन चीजों से परहेज करना चाहिए. सही तैयारी आपको एक सुरक्षित और यादगार यात्रा का अनुभव देगी. आइए जानते हैं अमरनाथ यात्रा के लिए क्या साथ लेकर जाएं और क्या नहीं...

श्री अमरनाथ यात्रा 2026 का शुभारंभ 3 जुलाई से होने जा रहा है और यह पवित्र यात्रा 28 अगस्त 2026 (रक्षाबंधन) तक चलेगी. यात्रा शुरू होने से पहले ज्येष्ठ पूर्णिमा के अवसर पर जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने परंपरा के अनुसार प्रथम पूजा संपन्न कर बाबा बर्फानी के दर्शन की यात्रा का विधिवत शुभारंभ किया. अब देशभर से लाखों श्रद्धालु बाबा अमरनाथ के दर्शन के लिए रवाना होने की तैयारी कर रहे हैं. अगर आप भी इस बार अमरनाथ यात्रा पर जा रहे हैं तो बैग पैक करने से पहले यह जरूर जान लें कि किन जरूरी सामानों को साथ रखना चाहिए और किन चीजों से बचना चाहिए. सही तैयारी आपकी यात्रा को सुरक्षित और आरामदायक बना सकती है. आइए जानते हैं अमरनाथ यात्रा के लिए किन चीजों को साथ रखें और किन चीजों को नहीं...

ये जरूरी सामान जरूर रखें

अमरनाथ यात्रा समुद्र तल से काफी ऊंचाई पर होती है, जहां मौसम कभी भी बदल सकता है. इसलिए गर्म कपड़ों की अनदेखी बिल्कुल ना करें. अपने बैग में थर्मल इनर, ऊनी स्वेटर, विंडचीटर या वाटरप्रूफ जैकेट, ऊनी टोपी, मफलर, दस्ताने और अतिरिक्त मोजे जरूर रखें. बारिश की संभावना को देखते हुए रेनकोट या पोंचो भी साथ रखें.

जरूरी दवाइयां रखना ना भूलें

अगर आप ब्लड प्रेशर, डायबिटीज, अस्थमा या किसी अन्य बीमारी की दवा नियमित रूप से लेते हैं तो पर्याप्त मात्रा में दवाइयां साथ रखें. इसके अलावा फर्स्ट एड किट में बुखार, दर्द, सर्दी-जुकाम, उल्टी, दस्त, बैंडेज, एंटीसेप्टिक क्रीम और ह्रक्रस् जरूर रखें. डॉक्टर द्वारा लिखी

गई दवाइयों का प्रिस्क्रिप्शन भी साथ रखें.

ये दस्तावेज साथ रखना अनिवार्य

यात्रा के दौरान यात्रा पंजीकरण प्रमाणपत्र (Yatra Registration Slip), कंपलसरी हेल्थ सर्टिफिकेट (CHC), आधार कार्ड या अन्य वैध फोटो पहचान पत्र अपने पास रखें. इन दस्तावेजों के बिना कई जगह प्रवेश में परेशानी हो सकती है. इनके प्रिंट के साथ मोबाइल में डिजिटल कॉपी भी सुरक्षित रखें. संबंधित विभाग वाली लिस्ट जो आपको दी गई है, उसको भी अपने फोन में सेव करके रखें.

ये सामान भी आएगा काम

यात्रा के दौरान टॉर्च, अतिरिक्त बैटरी या पावर बैंक, मोबाइल चार्जर, धूप का चश्मा, सनस्क्रीन, लिप बाम, पानी की बोतल, सूखे मेवे, एनर्जी बार और ग्लूकोज अपने साथ रखें. ऊंचाई वाले क्षेत्रों में धूप तेज होती है, इसलिए चश्मा और सनस्क्रीन काफी उपयोगी साबित होते हैं.

क्या नहीं ले जाना चाहिए?

बहुत भारी सामान लेकर ना जाएं.

महंगे गहने और बड़ी नकदी साथ रखने से बचें।

प्लास्टिक कचरा इधर-उधर ना फेंकें।

शराब, तंबाकू और नशीले पदार्थ बिल्कुल ना ले जाएं।

बिना डॉक्टर की सलाह के ऑक्सीजन या अन्य दवाओं का इस्तेमाल ना करें।

ऊंचाई पर ऑक्सीजन का स्तर कम होता है, इसलिए जल्दबाजी में चढ़ाई ना करें। शरीर में पानी की कमी ना होने दें,

आईने के सामने खुद को देख रो पड़ती थीं अविका गौर, 13 किलो वजन घटाकर किया असली ट्रांसफॉर्मेशन

मुंबई। अभिनेत्री अविका गौर ने टीवी स्क्रीन पर मासूम 'आनंदी' बनकर घर-घर में पहचान बनाई, लेकिन एक समय उन्हें अपनी जिंदगी में खुद से लड़ाई लड़नी पड़ी थी। वह आईने में खुद को देखकर रो पड़ती थीं।

30 जून 1997 को मुंबई में जन्मीं अविका गौर ने बहुत छोटी उम्र में अभिनय की दुनिया में कदम रखा। पढ़ाई के साथ-साथ उन्होंने टीवी इंडस्ट्री में काम करना शुरू किया। 2007 में उन्होंने 'शश्श...कोई है' से छोटे रोल के जरिए टीवी डेब्यू किया, लेकिन असली पहचान उन्हें 2008 में आए शो 'बालिका वधू' से मिली। इस शो में उन्होंने छोटी आनंदी का किरदार निभाया, जो एक बाल विवाह की कहानी पर आधारित था। उनके मासूम अभिनय ने दर्शकों के दिलों में गहरी छाप छोड़ी और वह बहुत जल्दी घर-घर में पहचानी जाने लगीं।

इसके बाद अविका ने 'ससुराल सिमर का' में रोली का किरदार निभाया, जिसमें उन्होंने एक शादीशुदा लड़की की भूमिका निभाई। यह रोल उन्होंने सिर्फ 14 साल की उम्र में किया था। इस शो ने भी उन्हें काफी लोकप्रियता दिलाई। इसमें उनकी और अभिनेता मनीष रायसिंघन की ऑन-स्क्रीन जोड़ी को दर्शकों ने खूब पसंद किया। टेलीविजन की सफलता के बाद अविका ने फिल्मों की ओर रुख किया। उन्होंने 2009 में 'मॉर्निंग वॉक' और 'पाठशाला' जैसी फिल्मों में काम किया। इसके बाद 2013 में तेलुगु फिल्म 'उय्याला जम्पला' से उन्होंने लीड एक्ट्रेस के तौर पर डेब्यू किया, जिसके लिए उन्हें एसआईआईएमए अवॉर्ड फॉर बेस्ट फीमेल डेब्यू मिला। यह उनके करियर का बड़ा मोड़ साबित हुआ। उन्होंने साउथ फिल्म इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाई।

एक समय ऐसा भी आया जब अविका अपने शरीर और आत्मविश्वास को लेकर संघर्ष कर रही थीं। उन्होंने खुद बताया था कि एक समय वह आईने में खुद को देखकर टूट गई थीं और रो पड़ी थीं। उन्हें अपना बढ़ा हुआ वजन और बदलता लुक स्वीकार करना मुश्किल लग रहा था। इस मानसिक संघर्ष ने उनकी सोच को बदल दिया। इसके बाद उन्होंने अपनी जिंदगी को बदलने का फैसला किया। उन्होंने हेल्दी लाइफस्टाइल अपनाया, नियमित वर्कआउट शुरू किया और अपनी डाइट पर ध्यान देना शुरू किया। इस बदलाव के जरिए उन्होंने करीब 13 किलो वजन कम किया और खोया हुआ आत्मविश्वास वापस पाया। उन्होंने कहा था कि पहली बार उन्होंने खुद को वैसे स्वीकार करना सीखा जैसा वह हैं। इसी बीच अविका ने रियलिटी शोज जैसे 'खतरों के खिलाड़ी 9' और दूसरे टीवी प्रोजेक्ट्स में भी हिस्सा लिया। उन्होंने '1920 : हॉरर्स ऑफ द हार्ट' जैसी फिल्मों में भी काम किया, जिसमें वह लीड रोल में नजर आईं। अपने करियर में अविका गौर ने कई अवॉर्ड्स हासिल किए, जिनमें आईटीए सर्टिफिकेट और एसआईआईएमए अवॉर्ड शामिल हैं।

जुबिन नौटियाल की टीम फिर आएगी साथ, 'तेरा यार हूं मैं' का दूसरा गाना 'तुम ही से प्यार' 1 जुलाई को होगा रिलीज

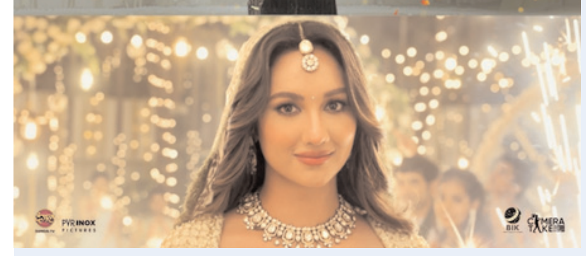

विश्व केसरी

मुंबई । फिल्मी दुनिया में जब किसी फिल्म का म्यूजिक दर्शकों को छू जाता है, तो उसकी कहानी को लेकर उत्सुकता और भी बढ़ जाती है। ऐसा ही माहौल इन दिनों आने वाली फिल्म 'तेरा यार हूं मैं' को लेकर बन रहा है, जिसके गानों और स्टारकास्ट को लेकर लगातार नए अपडेट सामने आ रहे हैं। फिल्म के पहले टाइटल ट्रैक के बाद अब मेकर्स ने दूसरे गाने की घोषणा कर दी है, जिसने दर्शकों की उम्मीदों को और बढ़ा दिया है।

मेकर्स ने अब फिल्म का दूसरा गाना 'तुम ही से प्यार' रिलीज करने की तैयारी कर ली है, जो 1 जुलाई को जारी होगा। इस गाने को लेकर खास बात यह है कि इसमें वही टीम फिर से साथ आ रही है, जिसने पहले सुपरहिट गाना 'तुम ही आना' दिया था। इस टीम में जुबिन नौटियाल, पायल देव, आदित्य देव, कुणाल वर्मा और निर्देशक मिलाप मिलन जावेरी शामिल हैं। अब एक बार फिर यह टीम एक नया इमोशनल ट्रैक लेकर आ रही है। फिल्म के निर्देशक मिलाप मिलन जावेरी ने इस गाने को लेकर अपनी खुशी जताई है। उन्होंने कहा, ''संगीत हमेशा फिल्मों की कहानी का एक मजबूत हिस्सा रहा है, जो भावनाओं को आगे बढ़ाने का काम करता है। 'तुम ही से प्यार' सिर्फ एक गाना नहीं है, बल्कि यह फिल्म की कहानी और किरदारों की भावनाओं को और गहराई से दिखाने का एक जरिया है। इस गाने के जरिए हमें एक बार फिर उसी टीम के साथ काम करने का मौका मिला है, जिसने पहले भी एक बड़ा हिट गाना दिया था।''

मिलाप जावेरी ने आगे कहा, '''तुम ही आना' ने जिस तरह दर्शकों के दिल में जगह बनाई थी, वह मेरे लिए एक खास अनुभव था। अब 'तुम ही से प्यार' उसी भावना को आगे बढ़ाते हुए एक अलग कहानी और अलग इमोशन लेकर आ रहा है।

मुझे उम्मीद है कि यह नया गाना भी दर्शकों को उतना ही पसंद आएगा और फिल्म के साथ एक मजबूत जुड़ाव बनाएगा।'

यह गाना 1 जुलाई को रिलीज किया जाएगा और इसे जी म्यूजिक के यूट्यूब चैनल के साथ-साथ सभी म्यूजिक प्लेटफॉर्म्स पर जारी कराया जाएगा। फिल्म 'तेरा यार हूं मैं' की बात करें, तो इस फिल्म से नए कलाकार अमन इंद्र कुमार अपने अभिनय करियर की शुरुआत कर रहे हैं।

पहली मुलाकात में ही जब किशोर कुमार ने कर दिया था शादी के लिए प्रपोज, लीना चंदावरकर ने इस वजह से ठुकराया

विश्व केसरी

मुंबई। हिंदी सिनेमा के दिग्गज गायक और अभिनेता किशोर कुमार की निजी जिंदगी काफी दिलचस्प रही। हाल ही में उनकी पत्नी और वरिष्ठ अभिनेत्री लीना चंदावरकर ने उनकी एक पुरानी याद साझा की।

उन्होंने बताया कि जब उनकी पहली बार किशोर कुमार से मुलाकात हुई थी, तभी उन्होंने अचानक शादी का प्रस्ताव रख दिया था।

हालांकि उस समय लीना ने मजाकिया अंदाज में उनका प्रस्ताव ठुकरा दिया था। यह पूरा किस्सा उन्होंने सिंगिंग रियलिटी शो 'इंडियन आइडल' के स्टेज पर सुनाया, जहां वह अपने बेटे सुमित कुमार के साथ पहुंची थीं।

शो के दौरान होस्ट आदित्य नारायण ने लीना चंदावरकर से पूछा कि क्या यह सच है कि किशोर कुमार ने पहली ही मुलाकात में उन्हें शादी के लिए प्रपोज कर दिया था और उन्होंने उस प्रस्ताव को मना कर दिया था। इस सवाल पर लीना मुस्कुराईं और बोलीं कि हां, यह बात बिल्कुल सच है, और वह आज भी उस पल को याद करती हैं।

लीना ने बताया, 'पहली मुलाकात के दौरान किशोर कुमार ने मुझसे कहा था कि वह मुझे अपनी एक फिल्म में कास्ट करना चाहते हैं। बातचीत सामान्य तरीके से चल रही थी। इसी दौरान किशोर कुमार ने अचानक मुझसे पूछा कि क्या वह भविष्य में शादी करना चाहेंगी; इस पर मैंने जवाब दिया कि हां, अगर सही समय और सही व्यक्ति मिलेगा तो जरूर शादी करूंगी।

'यह करियर का सबसे खास दौर है', शाहरुख खान और मनोज बाजपेयी के साथ काम को लेकर अक्षय ओबेरॉय ने जताई खुशी

विश्व केसरी

मुंबई । बॉलीवुड अभिनेता अक्षय ओबेरॉय इन दिनों अपनी आने वाली बड़ी फिल्म 'किंग' को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म में वह शाहरुख खान के साथ स्क्रीन शेयर करते नजर आएंगे। वहीं एक अन्य प्रोजेक्ट में वह मनोज बाजपेयी के साथ भी काम कर रहे हैं। इस बीच उन्होंने आईएएनएस को दिए इंटरव्यू में कहा कि यह उनके लिए किसी सपने के पूरे होने जैसा है। उन्होंने इसे अपने करियर का बड़ा मौका बताया।

मीडिया से बात करते हुए अक्षय ने कहा, ''मेरे लिए यह समय इसलिए रोमांचक है क्योंकि मैं अलग-अलग तरह की कहानियों का हिस्सा बन रहा हूं। एक तरफ जहां मैं शाहरुख खान के साथ एक बड़ी एक्शन फिल्म 'किंग' का हिस्सा हूं, वहीं दूसरी तरफ मनोज बाजपेयी के साथ एक थ्रिलर फिल्म में भी काम कर रहा हूं। दोनों कलाकारों की अभिनय शैली बिल्कुल अलग है, लेकिन दोनों अपने-अपने क्षेत्र में बेहद अनुभवी और माहिर हैं। ऐसे में उनके साथ काम करना मेरे लिए सीखने का बड़ा मौका है।''

उन्होंने आगे कहा, 'किंग' एक बड़ी फिल्म है, जिसे एक मेगा एक्शन प्रोजेक्ट के तौर पर बनाया जा रहा है।

इसमें काफी दमदार कहानी देखने को मिलेगी। इसके विपरीत, मनोज बाजपेयी के साथ मेरी फिल्म एक सस्पेंस से भरी कहानी है, जो अपराध की दुनिया पर आधारित है। मनोज बाजपेयी जैसे अभिनेता के साथ काम करना प्रेरित करने वाला अनुभव है, क्योंकि वह अपने अभिनय से हर सीन को जीवंत बना देते हैं।'

अक्षय ओबेरॉय ने कहा, ''मैं खुद को बहुत सौभाग्यशाली मानता हूं कि मुझे इतने अलग-अलग तरह के प्रोजेक्ट्स मिल रहे हैं। यह समय मेरे लिए सीखने और खुद को निखारने का है। मैं हर किरदार को पूरी ईमानदारी और मेहनत के साथ निभाने की कोशिश कर रहा हूं और लगातार बेहतर बनने की दिशा में काम कर रहा हूं।''

इसके अलावा, उन्होंने बताया कि वह जल्द ही साउथ फिल्म इंडस्ट्री में भी डेब्यू करने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि वहां की कहानियां और फिल्मों का स्तर उन्हें बहुत प्रभावित करता है और वह इस नए सफर को लेकर काफी उत्साहित हैं।

फिल्म 'किंग' की बात करें तो यह फिल्म सिद्धार्थ आनंद द्वारा निर्देशित और सह-लिखित है। इस फिल्म को गौरी खान, सिद्धार्थ आनंद और ममता आनंद मिलकर प्रोड्यूस कर रहे हैं।

'इंडस्ट्री के असली माचो मैन हैं संजय दत्त', अभिनेता के डांस ट्रिक को लेकर उर्मिला मातोंडकर ने खोला राज

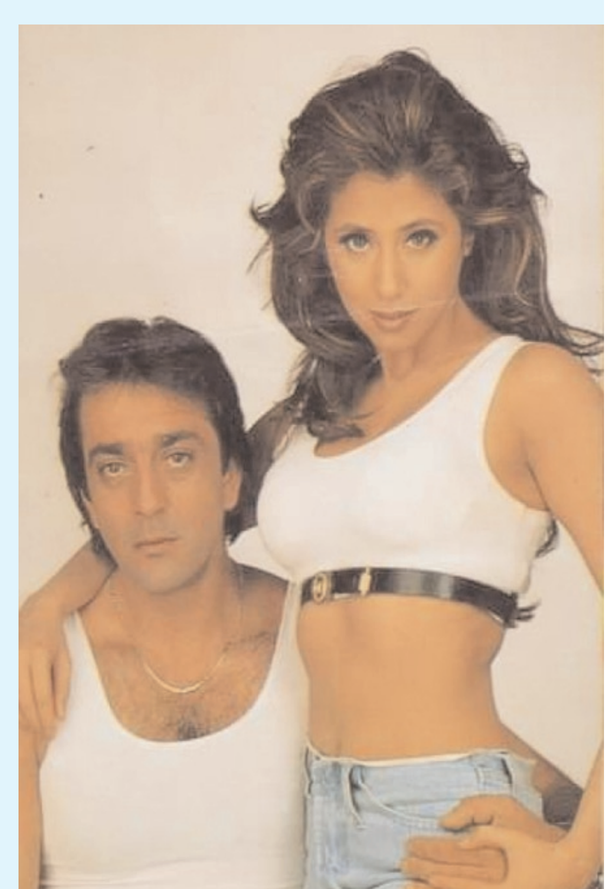

विश्व केसरी

मुंबई। बॉलीवुड एक्ट्रेस उर्मिला मातोंडकर ने डांस रियलिटी शो 'इंडियाज बेस्ट डांसर सीजन 5' में अभिनेता संजय दत्त को लेकर कई राज खोले। दरअसल, वह शो में स्पेशल गेस्ट के तौर पर शामिल हुई थी। इस दौरान जब संजय दत्त का जिक्र हुआ तो उन्होंने अभिनेता के डांस को लेकर यादें साझा कीं। शो में होस्ट हर्ष लिम्बाचिया ने उर्मिला मातोंडकर से संजय दत्त के साथ काम करने के बारे में पूछा, तो उन्होंने पर्दे के पीछे का एक किस्सा शेयर किया। उन्होंने कहा, ''संजू (संजय दत्त) की एक बात मैं आपको बताती हूं। मैंने उनके साथ दो-तीन फिल्में की हैं। जिन भी एक्ट्रेसेस ने उनके साथ काम किया है, वे सभी यह बात बताएंगी। जब भी किसी फिल्म में डांस का गाना आता है, तो वह बहुत खराब मूड में रहते हैं और कहते हैं, 'यार मुझे यह नहीं करना है, वह नहीं करना है।' लेकिन फिर वह चुपचाप जाकर रिहर्सल करते हैं और जब फाइनल शूट में डांस करते हैं, तो देखकर लगता है कि आखिर उन्होंने पहले इतना मना क्यों किया था। यह उनका अंदाज है। वह कभी-कभी थोड़े चिड़चिड़े हो जाते हैं, क्योंकि वह इंडस्ट्री के असली माचो मैन हैं, लेकिन उनके साथ काम करना उतना ही आसान और अच्छा भी होता है।'

उन्होंने बताया, 'सबसे दिलचस्प बात यह है कि संजय फिर चुपचाप जाकर रिहर्सल करते हैं और जब फाइनल शूट में डांस करते हैं, तो देखकर लगता है कि आखिर उन्होंने पहले इतना मना क्यों किया था। यह उनका अंदाज है। वह कभी-कभी थोड़े चिड़चिड़े हो जाते हैं, क्योंकि वह इंडस्ट्री के असली माचो मैन हैं लेकिन उनके साथ काम करना उतना ही आसान और अच्छा भी है।'

उर्मिला मातोंडकर और संजय दत्त ने एक साथ कई फिल्मों में काम किया है, जिनमें 'दौड़', 'खूबसूरत' और 'जंग' जैसी फिल्में शामिल हैं। इन फिल्मों में दोनों की जोड़ी को दर्शकों ने काफी पसंद किया था। खासकर उनके गाने आज भी लोगों की यादों में ताजा हैं, जैसे 'ओ भंवरे', 'आना जरा पास तो आ' और 'आइला रे' अपने दौर के हिट गानों में गिने जाते हैं।

के. भाग्यराज के निधन पर राधिका सरतकुमार का भावुक पोस्ट, अंतिम दर्शन के दौरान भीड़ और अव्यवस्था पर उठाए सवाल

विश्व केसरी

चेन्नई। मशहूर अभिनेत्री और निर्माता राधिका सरतकुमार ने दिग्गज निर्देशक और लेखक के. भाग्यराज के निधन पर एक भावुक पोस्ट शेयर किया। राधिका ने उनके साथ अपने 50 साल पुराने रिश्ते को याद करते हुए उन्हें बेहद खास दोस्त बताया।

राधिका सरतकुमार ने इंस्टाग्राम पर लिखा, ''के. भाग्यराज सिर्फ एक निर्देशक या लेखक नहीं थे, बल्कि हमारे जीवन का एक बहुत अहम हिस्सा थे। उनके साथ बिताए 50 सालों में कई यादगार पल, काम के अनुभव और हंसी-खुशी की यादें जुड़ी हुई हैं। वह हमेशा हमारे परिवार के साथ मजबूती से खड़े रहे और अपने स्वभाव से हर किसी का दिल जीता। उन्होंने अपनी पोस्ट में आगे लिखा, 'यह विदाई परिवार, करीबियों, पूरे फिल्म जगत और प्रशंसकों के लिए बेहद पीड़ादायक है। जिस जगह पर सभी को मौन रहकर दुख व्यक्त करना चाहिए था, वह श्रद्धांजलि देने आए लोगों के कारण एक 'सर्कस' में तब्दील हो गई। वहां भारी भीड़ और अव्यवस्था का माहौल बन गया। आखिर हम इतने असंवेदनशील कब से हो गए कि किसी के अंतिम दर्शन भी गरिमा और शांति के साथ नहीं कर पाते? उन्होंने सरकार और फिल्म इंडस्ट्री से अपील की कि अंतिम संस्कार और श्रद्धांजलि जैसे मौकों पर भीड़ और मीडिया को नियंत्रित करने के लिए स्पष्ट नियम बनाए जाएं। शोक के समय परिवार को निजी और शांत माहौल मिलना चाहिए।

ईरान के राष्ट्रपति का दावा, 'कतर में फंसे 6 अरब डॉलर मिलेंगे जल्द'

विश्व केसरी

तेहरान। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने सोमवार को बड़ा ऐलान किया। दावा किया कि कतर में फंसी ईरान की 12 अरब डॉलर की राशि में से 6 अरब डॉलर जल्द जारी कर दिए जाएंगे। कॉम शहर में एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने ये बातें कहीं।

ईरान की अर्ध-सरकारी न्यूज एजेंसी मेहर के अनुसार, उन्होंने कहा कि तेल और पेट्रोकेमिकल क्षेत्र पर लगे प्रतिबंध हटाए जाने से देश की अर्थव्यवस्था को भी राहत मिलेगी।पेजेश्कियन ने बताया कि शांति समझौते के तहत ईरान के तेल और पेट्रोकेमिकल क्षेत्र पर लगे प्रतिबंध हटा दिए गए हैं। इसे उन्होंने ईरानी जनता की 'बड़ी जीत' बताया।

पवित्र शहर कॉम की यात्रा के दौरान ग्रैंड अयातुल्ला शोबेरी जंजानी से मुलाकात के बाद राष्ट्रपति पेजेश्कियन ने कहा कि कतर में रखे गए कुल 12 अरब डॉलर में से पहले चरण में 6 अरब डॉलर जारी किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि बाकी 6 अरब डॉलर की वापसी के लिए

भी सरकार लगातार प्रयास कर रही है।राष्ट्रपति के अनुसार, 'यह कदम स्विट्जरलैंड में हुई वार्ता और इस्लामाबाद समझौता ज्ञापन (एमओययू) के तहत हुए समझौते का हिस्सा है।'

पेजेश्कियन ने हालिया संघर्ष के दौरान ईरानी जनता के जज्बें की सराहना करते हुए कहा कि सर्वोच्च नेता, मंत्रियों, सैन्य कमांडरों, बुद्धिजीवियों और यहां तक कि स्कूली बच्चों की हत्या जैसी घटनाओं के बावजूद देश, सशस्त्र बल और सरकार एकजुट होकर खड़े रहे और राष्ट्र की रक्षा की।उन्होंने आरोप लगाया कि अमेरिका और इजरायल ने आर्थिक दबाव के जरिए ईरान को अस्थिर करने की पूरी कोशिश की, लेकिन जनता के धैर्य और ईश्वर के सहयोग से उनकी योजनाएं सफल नहीं हो सकीं।

राष्ट्रपति ने दोहराया कि ईरान परमाणु हथियार विकसित करने की मंशा नहीं रखता। यह नीति देश के दिवंगत सर्वोच्च नेता ने स्पष्ट रूप से घोषित की थी और वर्तमान सरकार भी उसी पर कायम है।

उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुदाय को भरोसा दिलाया कि ईरान का परमाणु कार्यक्रम केवल देश की आवश्यकताओं और घोषित नीतियों के अनुरूप ही संचालित होगा। दावा किया कि अंततः अमेरिका ने इजरायल को शांति समझौता स्वीकार करने के लिए मजबूर किया।

चीन में स्थापित बिजली उत्पादन क्षमता पहली बार 400 करोड़ किलोवाट पार

विश्व केसरी

बीजिंग। चीनी राजकीय ऊर्जा ब्यूरो द्वारा हाल ही में जारी बिजली के आंकड़ों के अनुसार इस मई के अंत तक देश में स्थापित बिजली उत्पादन क्षमता 401 करोड़ किलोवाट थी, जो पिछले साल की समान अवधि से 11 प्रतिशत अधिक थी। यह पहली बार है कि चीन की स्थापित बिजली उत्पादन क्षमता 400 करोड़ किलोवाट पार कर गई।

बता दें कि 401 करोड़ किलोवाट स्थापित बिजली उत्पादन क्षमता अमेरिका, ईयू, भारत, जापान और रूस की कुल मिलाकर स्थापित बिजली उत्पादन क्षमता से भी अधिक है। वर्ष 2010 से 2025 तक चीन की स्थापित बिजली उत्पादन क्षमता की औसत सालाना वृद्धि दर 9.7 प्रतिशत दर्ज हुई, जो अमेरिका के 1.7 प्रतिशत, ईयू के 3.2 प्रतिशत, भारत के 7.1 प्रतिशत, जापान के 2.9 प्रतिशत और रूस के 1.2 प्रतिशत से अधिक थी।

चीनी बिजली उद्यम संघ के सांख्यिकी और डिजिटल इंटेलीजेंस विभाग के उपनिदेशक च्यांग तेपिन ने बताया कि 400 करोड़ किलोवाट पार करना चीन के ऊर्जा विकास के तरीके में गहरे परिवर्तन का साक्षी है। चीन की स्थापित बिजली उत्पादन क्षमता में 300 करोड़ किलोवाट से 400 करोड़ किलोवाट तक पहुंचने के लिए सिर्फ दो साल लगे। इसका मूल कारण सौर ऊर्जा और पवन बिजली समेत नवीन ऊर्जा में धमाकेदार वृद्धि है। च्यांग तेपिन ने बताया कि 400 करोड़ किलोवाट स्थापित बिजली उत्पादन क्षमता ने आर्थिक व सामाजिक विकास के लिए मजबूत आधार रखा है। चीन की प्रयुक्त बिजली मात्रा विश्व में पहले स्थान पर है, पर बिजली सप्लाई पर्याप्त और स्थिर रहती है। यह ऊर्जा सुरक्षा का प्रत्यक्ष प्रतिबिंब है।

अमेरिका के पश्चिमी इलाकों में आग ने मचाया तांडव, कोलोराडो-यूटा बॉर्डर के पास तीन

विश्व केसरी

सैक्रामेंटो। अमेरिकी वाइल्डलैंड फायर सर्विस ने बताया कि शनिवार को कोलोराडो-यूटा सीमा पर तेजी से फैल रही जंगल की आग से जूझते हुए तीन वाइल्डलैंड अग्निशमन कर्मियों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से झुलस गए। अधिकारियों के अनुसार, भीषण गर्मी, शुष्क मौसम और तेज हवाओं के कारण आग तेजी से फैल रही है। इन परिस्थितियों के चलते देशभर में बेकाबू बड़ी जंगल की आग की संख्या बढ़कर 45 हो गई है। कोलोराडो के मेसा काउंटी में नोल्स और गोर में लगी आग पर काबू पाने के दौरान फायरफाइटर्स पर आग की बढ़ती लपटों का हमला हुआ। अमेरिकी गृह विभाग ने इसे बर्नओवर घटना बताया, जिसमें क्रू ने इमरजेंसी फायर शेल्टर तैनात किए। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ ने बताया कि बचे हुए दो फायरफाइटर्स को जलने की वजह से अस्पताल में भर्ती कराया गया।

अफगानिस्तान में पाकिस्तानी एयरस्ट्राइक पर मानवाधिकार संगठनों ने जताई चिंता, स्वतंत्र जांच की उठाई मांग

विश्व केसरी

काबुल। अफगानिस्तान के पक्तिया, पक्तिका और कुनार प्रांतों में पाकिस्तानी सेना द्वारा किए गए हवाई हमलों को लेकर अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन ने गंभीर चिंता जताई है। इन हमलों में महिलाओं और बच्चों सहित कई नागरिकों के मारे जाने और घायल होने की पुष्टि की गई है।

तालिबान के उप प्रवक्ता हमदुल्ला फितरत ने बताया कि रविवार रात हुए इन हमलों में 36 नागरिकों की मौत हो गई, जबकि 163 लोग घायल हुए हैं। इसके अलावा तीन घर भी पूरी तरह नष्ट हो गए।इंटरनेशनल ह्यूमन राइट्स फाउंडेशन (आईएचआरएफ) ने कहा, 'नागरिक इलाकों और राहत कार्य में लगे लोगों पर हमलों की

रिपोर्ट अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून (आईएचएल) के गंभीर उल्लंघन की ओर इशारा करती है।' संगठन ने कहा कि ऐसे हमले 'भेदभाव, मापदंड के अनुसार कार्रवाई और सावधानी' जैसे अंतरराष्ट्रीय नियमों का उल्लंघन हो सकते हैं।

आईएचआरएफ ने यह भी कहा कि नागरिकों या राहतकर्मियों पर जानबूझकर या बिना भेदभाव के हमला जेनेवा कन्वेंशन और इसके प्रोटोकॉल का गंभीर उल्लंघन माना जा सकता है।संगठन ने पाकिस्तान सरकार से इन सैन्य अभियानों के कानूनी आधार, लक्ष्य निर्धारण प्रक्रिया और परिस्थितियों को लेकर पारदर्शी स्पष्टीकरण देने की मांग की है। साथ ही स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच में सहयोग करने और प्रभावित क्षेत्रों तक मानवीय सहायता पहुंच सुनिश्चित करने की अपील की गई है।आईएचआरएफ ने संयुक्त राष्ट्र और अन्य मानवाधिकार संस्थाओं से भी अपील की है कि वे इस घटनाक्रम पर कड़ी नजर रखें, सभी घटनाओं का दस्तावेजीकरण करें और तथ्य-खोज मिशन को समर्थन दें।अफगानिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति हामिद करजई ने इन हवाई हमलों की निंदा करते हुए इसे देश की संप्रभुता का उल्लंघन बताया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

तालिबान प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने भी इन हमलों को 'कायराना आक्रमण' बताया।

ऑपरेशन अमिस्ताद: वेनेजुएला के उप स्वास्थ्य मंत्री ने भूकंप प्रभावित इलाकों में भारत के आर्मी फील्ड हॉस्पिटल का किया दौरा

विश्व केसरी

काराकस। वेनेजुएला में पिछले हफ्ते आए तेज भूकंप ने भारी तबाही मचाई है। ताजा अपडेट के अनुसार, इस प्राकृतिक घटना में मौत का 1450 तक पहुंच चुका है। इस बीच दुनिया के कई देशों ने आपदा की इस घड़ी में वेनेजुएला की मदद के लिए अपना हाथ आगे बढ़ाया है। भारत भी वेनेजुएला के लोगों की तकलीफ कम करने की कोशिशों में जुटा है। वेनेजुएला के उप स्वास्थ्य मंत्री ने भारत आर्मी फील्ड हॉस्पिटल का दौरा किया।

भारत ऑपरेशन अमिस्ताद के तहत राहत सामग्री भेजने के साथ-साथ वेनेजुएला के प्रभावित क्षेत्रों में फील्ड हॉस्पिटल की सुविधा मुहैया करा रहा है। विदेश मंत्रालय की ओर से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा तस्वीरों और जानकारी के अनुसार, आर्मी फील्ड हॉस्पिटल भूकंप से प्रभावित लोगों की मदद कर रहा है।विदेश मंत्रालय ने बताया कि वेनेजुएला के उप स्वास्थ्य मंत्री और वेनेजुएला के राजधानी जिला (कैपिटल डिस्ट्रिक्ट) के प्रमुख नहुम फर्नांडीज ने भारत के आर्मी फील्ड अस्पताल का दौरा किया।दौरे के बाद मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा, 'मैं इस समय सभी एकजुटता के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं, जिसमें अब राष्ट्रपति डेलसी रोड्रिग्ज साइकोड्रोम की इंचार्ज हैं और पूरे समाधान का हिस्सा हैं

फ्रांस: जून की ही तरह जुलाई का महीना भी करेगा परेशान, लौट सकता है 'हीट डोम इफेक्ट'

विश्व केसरी

पेरिस। फ्रांस में दो हीट वेव्स ने तबाही मचा दी है। देश में भीषण गर्मी से करीब 1,000 अतिरिक्त लोगों की मौत हुई है। रविवार को ही हेल्थ एजेंसी ने बताया कि ये मौतें 24 जून से 27 जून के बीच हुईं। इस बीच फ्रांसीसी मौसम विज्ञान विभाग 'मेटियो-फ्रांस' ने राहत की खबर सुनाई और कहा कि जून के आखिरी दो दिन सुकून भरे हो सकते हैं। लेकिन अभी भी देश में गर्मी का कहर थमा नहीं है। सरकार ने जुलाई में तीसरी बड़ी हीटवेव (लू) की आशंका जताई है।मीडिया आउटलेट द कनेक्शन ने अधिकारियों के हवाले से बताया कि 6 जुलाई के बाद से देश में एक बार फिर अत्यधिक गर्मी का दौर शुरू हो सकता है, जो 14 जुलाई तक जारी रहने की संभावना है।

फ्रांस की पारिस्थितिक परिवर्तन मंत्री मोनिक बारबो ने कहा कि 6 जुलाई के बाद देश में फिर से भीषण गर्मी लौटने की आशंका ज्यादा है। यह चेतावनी ऐसे समय आई है जब 'मेटेओ फ्रांस पहले ही इस साल सामान्य से अधिक गर्मी वाले मौसम की भविष्यवाणी कर चुकी है। मई और जून में पड़ चुकी दो बड़ी हीटवेव ने देश के कई हिस्सों को बुरी तरह प्रभावित किया है।इस बार की गर्मी ने कई पुराने रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। 24 जून को फ्रांस में जून महीने का अब तक का सबसे गर्म दिन दर्ज किया गया। जून के आखिर में तापमान में थोड़ी राहत मिलने की उम्मीद है, लेकिन यह राहत ज्यादा दिनों तक नहीं टिकेगी। अनुमान है कि 6 जुलाई से सहारा रेगिस्तान की ओर से फिर बेहद गर्म हवाएं फ्रांस की ओर बढ़ सकती हैं।जुलाई के दूसरे सप्ताह तक हालात फिर हीटवेव जैसे बन सकते हैं। यदि लगातार तीन दिनों तक दिन और रात का तापमान सामान्य से लगभग 3 डिग्री सेल्सियस अधिक रहता है ।

पाकिस्तानी हमले में बच्चों-महिलाओं समेत मारे गए 36 आम लोग और 163 घायल: अफगान सरकार

काबुल। पाकिस्तानी एयर स्ट्राइक में अफगानिस्तान के 36 नागरिक मारे गए जबकि 163 घायल हो गए। तालिबान के नेतृत्व वाली सरकार ने दावा किया है कि पक्तिया, पक्तिका और कुनर के पूर्वी प्रांतों में की गई सीमा-पार सैन्य कार्रवाई में व्यापक तबाही हुई है। तालिबान के उप-प्रवक्ता हमदुल्लाह फितरत ने सोमवार को सोशल मीडिया पोस्ट में नागरिक हताहतों का विवरण साझा करते हुए कहा, 'अब तक उपलब्ध रिपोर्ट्स के अनुसार, बीती रात हुए हमलों में महिलाओं और बच्चों सहित 36 नागरिकों की मृत्यु हो गई, जबकि 163 अन्य घायल हुए हैं। इसके अलावा, तीन आवासीय मकान पूरी तरह नष्ट हो गए।'

पाकिस्तानी सैन्य कार्रवाई के निशाने पर आए क्षेत्रों का विवरण देते हुए फितरत ने बताया कि पक्तिया प्रांत के चमकनी जिले के मंडोखेल गांव में 'पाकिस्तानी लड़ाकू विमानों ने एक नागरिक के घर पर बमबारी की। इस हमले में एक बुजुर्ग और एक बच्चे की मृत्यु हो गई, जबकि परिवार के अन्य सदस्य घायल हो गए। उप-प्रवक्ता पोस्ट में आगे कहा कि इसके बाद उसी स्थान पर बचाव कार्य में जुटे लोगों को भी निशाना बनाया गया।उन्होंने कहा, 'जब स्थानीय निवासी घायलों को बचाने के लिए एकत्र हुए, तो उस स्थान पर दूसरी बार बमबारी की गई, जिससे 28 ग्रामीणों की मृत्यु हो गई और 158 अन्य घायल हो गए।

बयान के अनुसार, एक अन्य घातक हमला पक्तिका प्रांत के गियान जिले के वालुस्त गांव में हुआ, जहां एक ग्रामीण के घर को निशाना बनाया गया।

उत्तर कोरिया ने जापान-अमेरिका के संयुक्त सैन्य अभ्यास को बताया 'युद्ध की रिहर्सल'

विश्व केसरी

सोल। उत्तर कोरिया ने सोमवार को जापान और अमेरिका के बीच चल रहे संयुक्त सैन्य अभ्यास की कड़ी आलोचना करते हुए इसे 'युद्ध की रिहर्सल' करार दिया। प्योंगयांग ने जापान को चेतावनी भी दी कि अगर उसने सैन्य गतिविधियों पर विराम नहीं लगाया तो उसके भयावह अंजाम भुगत सकता है।

योनहाप न्यूज एजेंसी के अनुसार, उत्तर कोरिया की सरकारी समाचार एजेंसी केसीएनए में सोमवार को प्रकाशित एक संपादकीय में जापान की ग्राउंड सेल्फ-डिफेंस फोर्सेज द्वारा अमेरिकी मरीन कॉर्प्स के साथ आयोजित 'रिजॉल्यूट ड्रैगन' सैन्य अभ्यास में भागीदारी की आलोचना की गई। इसमें आरोप लगाया गया कि जापान इस तरह अपनी 'आक्रमण क्षमता' को मजबूत कर रहा है।संपादकीय में कहा गया कि अमेरिका के साथ सैन्य सहयोग बढ़ाकर जापान क्षेत्रीय सुरक्षा स्थिति को और अधिक तनावपूर्ण

बना रहा है। इसमें फरवरी में आयोजित अमेरिका-जापान के संयुक्त 'आयरन फिस्ट' सैन्य अभ्यास का भी उल्लेख किया गया।

केसीएनए ने यह भी दावा किया कि अप्रैल और मई में अमेरिका के नेतृत्व में एशिया-प्रशांत क्षेत्र में आयोजित बहुराष्ट्रीय सैन्य अभ्यास में जापान की पहली भागीदारी के दौरान पड़ोसी देशों पर पूर्व-नियोजित हमला करने की क्षमता के तहत लंबी दूरी की मिसाइलों का परीक्षण किया गया था।उत्तर कोरिया ने आरोप लगाया कि जापान मौजूदा वैश्विक अस्थिरता का फायदा उठाकर खुद को 'युद्ध करने वाले देश' में बदलने को उचित ठहराने की कोशिश कर रहा है। उसने चेतावनी दी कि यदि टोक्यो अपनी 'लापरवाह सैन्य गतिविधियां' जारी रखता है तो उसे 'भयावह परिणाम' भुगतने पड़ सकते हैं।

हालांकि, इस बार के संपादकीय में उत्तर कोरिया ने सीधे तौर पर अमेरिका पर निशाना नहीं साधा।

पाकिस्तान में नशीले पदार्थों की ऑनलाइन बिक्री बढ़ी: रिपोर्ट

विश्व केसरी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में हाल के वर्षों में नशीले पदार्थों की ऑनलाइन बिक्री बढ़ी है, क्योंकि डिजिटल लेनदेन की वजह से ड्रग्स तक पहुंचना आसान हो गया है। एक रिपोर्ट में बताया गया है कि पाकिस्तान में युवा न सिर्फ ड्रग्स का सेवन कर रहे हैं, बल्कि उन्हें बहला-फुसलाकर ड्रग कूरियर भी बनाया जा रहा है।

पाकिस्तान के प्रमुख अखबार 'द न्यूज इंटरनेशनल' के एक एडिटोरियल में 'वर्ल्ड ड्रग रिपोर्ट 2026' का हवाला देते हुए बताया गया है कि ड्रग तस्कर नई तरह की ड्रग्स लाने और उन्हें नए बाजारों में तेजी से बेचने के लिए टेक्नोलॉजी और दुनिया भर में फैली अस्थिरता का फायदा उठा रहे हैं।

बाजार में नई तरह की ड्रग्स आई हैं और इनमें से कुछ पहले के मुकाबले ज्यादा असरदार बताई जा रही हैं। पाकिस्तान में भी हाल के सालों में ऐसे कई मामले सामने आए हैं जिनमें ड्रग नेटवर्क इन तरीकों का इस्तेमाल कर रहे हैं।

इनमें सबसे अहम मामला ड्रग डीलर अनमोल उर्फ पिंकी का है, जिस पर कराची के कॉलेजों, यूनिवर्सिटीज, स्कूलों, पार्टियों और पॉश इलाकों में कोकीन बेचने का आरोप है। साथ ही, ड्रग्स ऑनलाइन भी बेची जा रही हैं और ऐसा लगता है कि इनका टारगेट युवा हैं।

संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद के महिला अधिकारों पर आयोजित संगोष्ठी में चीन ने अपना रुख स्पष्ट किया

विश्व केसरी

बीजिंग। हाल ही में स्विट्जरलैंड के जेनेवा में संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद के 62वें सत्र में महिला अधिकारों पर एक संगोष्ठी आयोजित की गई, जिसमें चीनी प्रतिनिधिमंडल की उप प्रमुख ली श्याओमेई ने अपने भाषण में चीन का रुख स्पष्ट किया।

ली श्याओमेई ने कहा कि 24 जून को अंतर्राष्ट्रीय महिला राजनयिक दिवस के रूप में मनाया जाता है, जो कूटनीति में महिलाओं के उत्कृष्ट योगदान को दर्शाता है। चीन इस दिन सभी महिला राजनयिकों को बधाई देता है। चीन महिलाओं के खिलाफ किसी भी प्रकार की हिंसा का कड़ा विरोध करता है और उसे कड़ी सजा देता है। चीन ने महिलाओं के खिलाफ हिंसा को समाप्त करने

के लिए एक व्यापक कानूनी निगरानी प्रणाली स्थापित की है। चीन ने हाल ही में अपनी राष्ट्रीय मानवाधिकार कार्य योजना (2026-2030) जारी की है, जिसके तहत वह महिलाओं और लड़कियों के लिए अपनी सुरक्षा प्रणाली में लगातार सुधार कर रहा है और महिलाओं और बच्चों के वैश्विक आंदोलन में अधिक स्थिरता और सकारात्मक ऊर्जा का संचार कर रहा है।

ली श्याओमेई ने जापान के मानवाधिकार रिकॉर्ड की आलोचना करते हुए कहा कि इस वर्ष टोक्यो ट्रायल की 80वीं वर्षगांठ है।

जबरन भर्ती की गई 'कंफर्ट वूमेन' जापानी सैन्यवाद द्वारा महिलाओं के खिलाफ किया गया मानवता के विरुद्ध एक गंभीर अपराध था।

चीन जापान से आग्रह करता है कि वह अपने आक्रामक इतिहास पर गहराई से विचार करे और ईमानदारी के साथ ऐतिहासिक मुद्दों का उचित समाधान करे।

राज्यसभा के लिए पुनर्निर्वाचित कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने ली सदस्यता की शपथ

विश्व केसरी

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने सोमवार को संसद भवन में राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ ग्रहण की। वे कर्नाटक से पुनर्निर्वाचित होकर संसद के उच्च सदन में पहुंचे हैं। भारत के उपराष्ट्रपति एवं राज्यसभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन ने उन्हें पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। मल्लिकार्जुन खड़गे के शपथ ग्रहण के दौरान कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी, राज्यसभा में सदन के नेता जेपी नड्डा, राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश, संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू, केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा तथा कई वरिष्ठ नेता और गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

मल्लिकार्जुन खड़गे वर्तमान में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष होने के साथ-साथ राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष की भी जिम्मेदारी

निभा रहे हैं। हाल ही में कर्नाटक से निर्विरोध पुनर्निर्वाचित होने के बाद यह उनका नया कार्यकाल है, जिससे वे उच्च सदन में विपक्ष का नेतृत्व जारी रखेंगे। सोमवार को राज्यसभा सांसद के तौर पर शपथ ग्रहण के बाद मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, उन्हें एक बार फिर राज्यसभा के सदस्य के रूप में शपथ लेने का अवसर मिला है। उन्होंने इसे अपने लिए गर्व और बड़ी जिम्मेदारी का विषय बताते हुए कहा कि वे नेता प्रतिपक्ष के रूप में उच्च सदन में जनता की आवाज बुलंद करने के अपने दायित्व का पूरी निष्ठा से निर्वहन करेंगे।

उन्होंने उपराष्ट्रपति एवं राज्यसभा के सभापति सी. पी. राधाकृष्णन तथा उपसभापति हरिवंश के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उनके सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। इस अवसर पर मल्लिकार्जुन खड़गे ने कांग्रेस नेतृत्व विशेष रूप से सोनिया गांधी और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, कांग्रेस के सांसदों, पार्टी कार्यकर्ताओं तथा समर्थकों का भी आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक जीवन और संसदीय सेवा की उनकी लंबी यात्रा में सभी का विश्वास और समर्थन उनकी सबसे बड़ी शक्ति रहा है।

उन्होंने विभिन्न राजनीतिक दलों के फ्लोर नेताओं विशेषकर इंडिया गठबंधन और व्यापक विपक्ष के सहयोग के लिए भी धन्यवाद दिया। उन्होंने विश्वास जताया कि आगामी मानसून सत्र में विपक्ष पहले से अधिक समन्वय के साथ कार्य करेगा और सरकार को जनता के प्रति अधिक जवाबदेह बनाने का प्रयास करेगा।

राजस्थान और हरियाणा आज अमित शाह की मौजूदगी में यमुना जल बंटवारे पर समझौते पर करेंगे हस्ताक्षर

विश्व केसरी

जयपुर। राजस्थान और हरियाणा के बीच यमुना जल-बंटवारे पर सहमति के बाद सोमवार को दोनों राज्य दिल्ली में समझौते पर हस्ताक्षर करेंगे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में इस समझौते पर हस्ताक्षर किए जाएंगे। इस दौरान, केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल भी उपस्थित होंगे।

इस समझौते से दोनों राज्यों के बीच तीन दशक से चला आ रहा गतिरोध खत्म होने की उम्मीद है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, रविवार को हुई एक लंबी बैठक में दोनों राज्यों के अधिकारियों की ओर से रूपरेखा को अंतिम रूप दिया गया। अभी राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी समझौते को औपचारिक रूप देंगे।सीएमओ अधिकारियों ने सोमवार को पुष्टि की कि भजनलाल शर्मा सुबह 8.30 बजे जयपुर से दिल्ली के लिए रवाना हुए। यमुना जल परियोजना के निर्माण और

कार्यान्वयन के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने का समारोह नई दिल्ली के कर्तव्य भवन-3 में आयोजित किया जाएगा।यमुना जल परियोजना राजस्थान के शेखावाटी क्षेत्र के तीन जिलों सीकर, चूरू और झुंझुनू को सिंचाई और पीने का पानी उपलब्ध कराएगी। अधिकारियों ने कहा, 'समझौते पर हस्ताक्षर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, केंद्रीय गृह सचिव और केंद्र सरकार के साथ-साथ राजस्थान और हरियाणा सरकारों के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में होंगे।' दिल्ली स्थित बीकानेर हाउस में बीते दिन दो घंटे चली बैठक के बाद दोनों राज्यों के अधिकारियों में यह सहमति बनी।

संक्षिप्त खबर

बिहार : बेगूसराय में हादसे में चार युवकों की मौत, हाईवे पर लगा जाम

बेगूसराय। बिहार के बेगूसराय जिले में रविवार देर रात तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला। सिंघौल थाना क्षेत्र के अंग्रेजी ढाला के पास एनएच-31 पर दो स्कॉर्पियो की आमने-सामने हुई भीषण टक्कर में चार युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पांच से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी और चीख-पुकार मच गई।

पुलिस के अनुसार, मृतकों की पहचान नगर थाना क्षेत्र के पोखरिया निवासी हिमांशु कुमार, सनी कुमार, सिकंदर महतो और ऋषभ कुमार के रूप में हुई है। सभी शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, पोखरिया के छह दोस्त देर रात स्कॉर्पियो से गंगा स्नान के लिए सिमरिया जा रहे थे। इसी दौरान सामने से आ रही एक दूसरी स्कॉर्पियो से उनकी जोरदार भिड़ंत हो गई। दूसरी स्कॉर्पियो बखरी थाना क्षेत्र से बारात लेकर विनोदपुर जा रही थी।

टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों वाहनों के परखच्चे उड़ गए। एक स्कॉर्पियो पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार लोगों को बाहर निकालने के लिए स्थानीय लोगों को काफी मशक्कत करनी पड़ी। हादसे की सूचना मिलते ही सिंघौल थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को तत्काल पास के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। चिकित्सकों के अनुसार, कई घायलों की हालत गंभीर बनी हुई है, जिससे मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, टक्कर की आवाज काफी दूर तक सुनाई दी। दुर्घटना के बाद कुछ देर के लिए एनएच पर यातायात भी प्रभावित रहा। पुलिस ने क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क से हटवाकर यातायात सामान्य कराया।

कोलकाता के पूर्व पार्षद शम्स इकबाल 70 लाख की रंगदारी मांगने के आरोप में गिरफ्तार

विश्व केसरी

कोलकाता। कोलकाता नगर निगम (केएमसी) के तृणमूल कांग्रेस के एक और पूर्व पार्षद को जबरन वसूली के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी।

गार्डन रीच के तृणमूल नेता और कोलकाता के पूर्व मेयर फिरहाद हकीम के करीबी सहयोगी शम्स इकबाल को एक स्थानीय व्यवसायी से 70 लाख रुपये की उगाही करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। वार्ड नंबर 134 का प्रतिनिधित्व करने वाले इकबाल ने कथित तौर पर अतीत में कई सार्वजनिक सभाओं में हकीम के साथ मंच साझा किया था।गार्डन रीच पुलिस स्टेशन में मोहम्मद शादाब द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार, इकबाल और उसके साथियों ने जून 2023 में उससे जबरन वसूली शुरू कर दी थी। कथित तौर पर यह कहकर कि इलाके में अपना कारोबार सुचारू रूप से चलाने के लिए भुगतान आवश्यक है।शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि उससे कुल 70 लाख रुपये जबरन ले लिए गए और उन्हें धमकी दी गई कि अगर उन्होंने पैसे नहीं दिए तो उन्हें और उनके परिवार को जान से मार दिया जाएगा।

उन्होंने आगे दावा किया कि जबरन वसूली बार-बार जारी रही, जिसमें बंदूक के बल पर भी मांगें शामिल थीं। डर के मारे उन्होंने पहले पुलिस से संपर्क नहीं किया।

संजय टाइगर रिजर्व में दो नर बाघों का संघर्ष थमा, बाघिन टी-40 शावकों संग पर्यटन क्षेत्र में लौटी

विश्व केसरी

सीधी। देश में बाघों की सबसे अधिक संख्या को लेकर अपनी अलग पहचान रखने वाले मध्य प्रदेश से वन्यजीव संरक्षण को एक बड़ी और सकारात्मक खबर सामने आई है। सीधी जिले के संजय टाइगर रिजर्व में लंबे समय से दो नर बाघों के बीच चल रही वर्चस्व की लड़ाई अब थमती दिखाई दे रही है। इस संघर्ष के कारण अपने चार शावकों के साथ बफर क्षेत्र में रहने को मजबूर हुई बाघिन टी-40 अब तीन शावकों के साथ फिर पर्यटन क्षेत्र में लौट आई है। लगातार हो रही टाइगर साइटिंग ने पर्यटकों का उत्साह बढ़ा दिया है। वहीं, वन विभाग इसे जंगल में सामान्य होती परिस्थितियों का संकेत मान रहा है।

सीधी जिले के संजय टाइगर रिजर्व में कई महीनों से दो नर बाघों के बीच चल रही वर्चस्व की जंग अब शांत होती नजर आ रही है। इसका असर यह हुआ है कि लंबे समय से पर्यटक क्षेत्र से दूर रहने वाली बाघिन टी-40 अब अपने तीन शावकों के साथ फिर पर्यटन क्षेत्र में दिखाई देने लगी है। लगातार

हो रही टाइगर साइटिंग से न सिर्फ पर्यटक रोमांचित हैं बल्कि वन विभाग भी इसे जंगल में सामान्य होते प्राकृतिक संतुलन का संकेत मान रहा है।

संजय टाइगर रिजर्व की पहचान विंध्य अंचल के महत्वपूर्ण टाइगर लैंडस्केप के रूप में होती है। पिछले कई महीनों से यहां नर बाघ टी-56 और टी-67 के बीच क्षेत्रीय वर्चस्व को लेकर संघर्ष जारी था। जंगल में प्रभुत्व स्थापित करने की इस स्वाभाविक लड़ाई का सबसे ज्यादा असर बाघिन टी-40 और उसके शावकों पर पड़ा। टी-40 कोई सामान्य बाघिन नहीं है बल्कि बचपन में मां को खो देने के बाद उसका पालन-पोषण रिजर्व की चर्चित बाघिन 'मौसी' की निगरानी में हुआ था।

वन विभाग की सतत निगरानी और जंगल की अनुकूल परिस्थितियों में पली-बढ़ी टी-40 ने वयस्क होने के बाद अपना क्षेत्र बनाया और चार स्वस्थ शावकों को जन्म दिया। वन्यजीव संरक्षण के लिहाज से इसे बड़ी उपलब्धि माना गया था लेकिन इसी दौरान दो नर बाघों के बीच बढ़ते संघर्ष ने हालात बदल दिए। अपने बच्चों की सुरक्षा को देखते हुए टी-40 को पर्यटन क्षेत्र छोड़कर बफर जोन के घने जंगलों में शरण लेनी पड़ी। लंबे समय तक उसकी गतिविधियां कैमरा ट्रैप और वन विभाग की निगरानी तक ही सीमित रहीं, जबकि पर्यटकों को उसके दर्शन नहीं हो सके। कुछ समय पहले जब टी-40 अपने चारों शावकों के साथ वापस पर्यटन क्षेत्र में लौटी, तब एक दुखद घटना ने वन्यजीव प्रेमियों को झकझोर दिया।

लखनऊ कोचिंग अग्निकांड पर मानवाधिकार आयोग सख्त, डीएम और पुलिस कमिश्नर से मांगी रिपोर्ट

नई दिल्ली। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने लखनऊ के अलीगंज स्थित एक कोचिंग सेंटर में 22 जून को लगी भीषण आग की घटना का स्वतः संज्ञान लेते हुए जिला प्रशासन और पुलिस कमिश्नर से जवाब तलब किया है। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने लखनऊ के जिलाधिकारी (डीएम) और पुलिस आयुक्त को नोटिस जारी कर दो सप्ताह के भीतर विस्तृत 'एक्शन टेकन रिपोर्ट' (एटीआर) प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। आयोग ने यह कार्रवाई एक शिकायत के आधार पर की, जिसमें आरोप लगाया गया कि जिस बहुमंजिला इमारत में आग लगी, वहां अग्नि सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं थे और भवन निर्माण व सुरक्षा संबंधी नियमों का गंभीर उल्लंघन किया गया था।

शिकायत के अनुसार इस दर्दनाक हादसे में 15 लोगों की मौत हो गई जबकि कई अन्य गंभीर रूप से घायल हुए। शिकायतकर्ता ने एनएचआरसी से मामले की निष्पक्ष जांच कराने, लापरवाही के लिए जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय करने, पीड़ितों और उनके परिजनों को उचित मुआवजा दिलाने तथा भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाने की मांग की है।

शिकायत में यह भी कहा गया कि आयोग भवन में अग्नि सुरक्षा मानकों, आपातकालीन निकासी व्यवस्था, छात्रों और शिक्षण संस्थानों की सुरक्षा, आपदा प्रबंधन की तैयारियों तथा नियामक एजेंसियों और संबंधित सरकारी अधिकारियों की भूमिका की भी जांच कराए। इसके साथ ही हादसे में घायल सभी छात्रों को समुचित और त्वरित चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश जारी करने की मांग की है।राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने अपने नोटिस में अधिकारियों को भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के उच्च शिक्षा विभाग द्वारा जारी 'कोचिंग सेंटर्स के नियमन के लिए गाइडलाइंस, 2024' का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने और इसके अनुपालन की रिपोर्ट भी आयोग के समक्ष प्रस्तुत करने को कहा है।

दोस्त के जन्मदिन की पार्टी, मस्ती के बाद करने जा रहे थे गंगा स्नान, रास्ते में टक्कर से तीन लोगों की मौत

विश्व केसरी

बेगूसराय। बिहार के बेगूसराय जिले में दो स्कॉर्पियो गाड़ियों की टक्कर में तीन युवकों की मौत हो गई। इस दुर्घटना में लगभग 10 युवक चोटिल हुए, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। पता चला कि सभी युवक एक दोस्त के जन्मदिन की पार्टी के बाद गंगा स्नान करने जा रहे थे।

में पुलिस को सड़क दुर्घटना की सूचना दी गई। मौके पर पहुंचने के बाद पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को गाड़ियों से बाहर निकाला। इसके बाद सभी को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

घटना के संबंध में बताया गया कि बीती रात हिमांशु नाम के एक युवक के दोस्त का जन्मदिन था। पार्टी के बाद वे रात में करीब 12:30 बजे एक स्कॉर्पियो से गंगा स्नान करने के लिए सिमरिया चल दिए। स्कॉर्पियो सन्नी नाम का युवक चल रहा था। सभी दोस्त सिंघौल थाना क्षेत्र की ओर बढ़ रहे, तभी राष्ट्रीय राजमार्ग-31 पर गलत दिशा में आ रही एक स्कॉर्पियो के साथ उनकी आमने-सामने की टक्कर हुई।

टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों स्कॉर्पियो गाड़ियां पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं। दुर्घटना के बाद घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई। स्थानीय और राहगीरों की भीड़ भी इकट्ठा हो गई। आनन-फानन

अस्पताल पहुंचने के बाद डॉक्टरों ने तीन युवकों को मृत घोषित किया। अन्य घायलों की इलाज जारी है। मृतकों की पहचान नगर थाना क्षेत्र स्थित पोखरिया के रहने वाले ललन पासवान, बैजू शर्मा और चिकू साह के रूप में हुई है।

एक युवक ने बताया कि एक गाड़ी चालक रास्ते में आगे निकल गया था। वह वापस लौटने के लिए हाईवे पर यू-टर्न ले रहा था और इसी दौरान सामने से आ रही दूसरी गाड़ी उससे टकरा गई।

देर रात में युवकों के घर वापस नहीं लौटने पर परिजनों ने संपर्क किया था। इस दौरान उन्हें हादसे की जानकारी मिली। फिलहाल, इस घटना से मृतकों के परिवारों में कोहराम मचा है।

असम में बाढ़ः अमित शाह ने सीएम हिमंता बिस्वा सरमा से बात की, मदद का दिया भरोसा

विश्व केसरी

गुवाहाटी। असम में बाढ़ के बीच, मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने सोमवार को कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राज्य को केंद्र से हर संभव मदद का भरोसा दिलाया है। बाढ़ की वजह से कई जिलों के 22,000 से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं। सोशल मीडिया पर जानकारी देते हुए, सीएम सरमा ने बताया कि गृह मंत्री शाह ने फोन पर उनसे बात की और बाढ़ की स्थिति, खासकर सबसे ज्यादा प्रभावित धेमाजी जिले के हालात के बारे में पूछा।मुख्यमंत्री ने पोस्ट में लिखा कि मैं गृहमंत्री अमित शाह का धन्यवाद करता हूं कि उन्होंने फोन करके धेमाजी में बाढ़ की स्थिति के बारे में पूछा। मैंने उन्हें अभी चल रहे राहत और पुनर्वास कार्यों के बारे में जानकारी दी है। उन्होंने इस स्थिति से निपटने के लिए भारत सरकार की ओर से हर संभव मदद और सहयोग का भरोसा भी दिलाया है।

असम राज्य आपदा प्रबंधन

प्राधिकरण के अनुसार, असम और पड़ोसी राज्य अरुणाचल प्रदेश में लगातार बारिश के कारण छह जिलों धेमाजी, नलबाड़ी, डिब्रूगढ़, चिरांग, लखीमपुर और कोकराझार में 22,124 लोग प्रभावित हुए हैं।

धेमाजी सबसे ज्यादा प्रभावित जिला बना हुआ है जहां लगातार बारिश से इलाके के बड़े हिस्से में पानी भर जाने के कारण 15,483 लोग बाढ़ की मार झेल रहे हैं।

असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अनुसार बाढ़ का पानी 96 गांवों में घुस गया है और लगभग 1,690 हेक्टेयर कृषि भूमि को नुकसान पहुंचा है। इससे फसलें प्रभावित हुई हैं और हजारों किसानों की आजीविका पर असर पड़ा है। प्राधिकरण ने यह भी बताया कि इस बाढ़ के दौरान 48,199 पशु भी प्रभावित हुए हैं।

बाढ़ बुलेटिन में आगे बताया गया है कि शिवसागर जिले में दिसांग नदी नांगलामुराघाट पर खतरे के निशान से ऊपर बह रही है, जिससे भारी बारिश जारी रहने पर निचले इलाकों में और ज्यादा पानी भरने का डर पैदा हो गया है।

इस बीच, भारी बारिश और कटाव के कारण धेमाजी जिले में सिमेन नदी पर बना रेलवे पुल आंशिक रूप से ढह गया, जिससे इलाके में रेल संपर्क बाधित हो गया है। नॉर्थईस्ट फ्रंटियर रेलवे ने आर्चीपाथर और सिमेन चपारी स्टेशनों के बीच ट्रेनों की आवाजाही रोक दी है। 110 मिमी से ज्यादा बारिश के कारण जबरदस्त बाढ़ आ गई और नदी के किनारे का वह बड़ा हिस्सा बह गया जो पुल के एक खंभे (पियर) को सहारा दे रहा था।

झारखंड में आकाशीय बिजली ने मचाई तबाही, 15 दिनों में 30 से अधिक की मौत, 35 घायल

विश्व केसरी

रांची। झारखंड में मानसून के साथ आसमान से बरस रही आफत लगातार लोगों की जान ले रही है। राज्य में 12 जून से अब तक वज्रपात की घटनाओं में 30 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है और 35 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं।रविवार को रांची जिले के सोनाहातू में वॉच टावर का निरीक्षण कर रहे वनरक्षक रोशन श्रीवास्तव की वज्रपात से मौत हो गई, जबकि दो अन्य वनकर्मी झुलस गए। लोहरदगा में तीन वर्षीय बच्ची, रांची के बेड़ो में एक किसान, सिल्ली में एक नाबालिग तथा गढ़वा जिले के रंका में आम चुनने गए दो बच्चों की भी बिजली गिरने से मौत हो गई। 24 से 26 जून के बीच भी

वज्रपात ने राज्य के कई जिलों में भारी तबाही मचाई।

इस दौरान चतरा, पलामू, जामताड़ा, कोडरमा, देवघर और लोहरदगा समेत विभिन्न जिलों में 12 लोगों की मौत हुई और करीब 18 लोग घायल हुए। लोहरदगा में दो अलग-अलग घटनाओं में दो महिलाओं की जान चली गई, जबकि आठ लोग गंभीर रूप से झुलस गए। 21 से 23 जून के बीच पश्चिमी सिंहभूम के टोकलो में फुटबॉल मैच के दौरान मैदान पर बिजली गिरने से दो खिलाड़ियों की मौत हो गई थी। खूंटी जिले के कर्रा में क्रिकेट खेल रहे युवकों पर वज्रपात होने से एक खिलाड़ी की मौत हुई और 11 अन्य घायल हो गए।

सेशेल्स स्वर्ण जयंती समारोह, भारतीय सैन्य दल, नौसेना के युद्धपोत रहे मौजूद

विश्व केसरी

नई दिल्ली। सेशेल्स के 50वें राष्ट्रीय दिवस (स्वतंत्रता की स्वर्ण जयंती) समारोह में भारत ने अपनी मजबूत सामरिक साझेदारी और गहरी मित्रता का प्रदर्शन किया है। समारोह में भारतीय सेना की असम रेजिमेंट, भारतीय नौसेना के मार्चिंग दल व नौसैनिक बैंड ने शानदार भागीदारी की।

वहीं, भारतीय नौसेना का युद्धपोत भी इस अवसर पर उपस्थित रहा। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। भारतीय नौसेना का अग्रिम पंक्ति का युद्धपोत आईएनएस तरकश 26 जून 2026 को ही दक्षिण-पश्चिम हिंद महासागर क्षेत्र में अपनी परिचालन तैनाती के दौरान सेशेल्स

की राजधानी पोर्ट विक्टोरिया पहुंच चुका था।

आईएनएस तरकश के साथ स्वदेश में निर्मित सर्वेक्षण पोत आईएनएस इक्षक भी मौजूद रहा। दोनों पोतों ने राष्ट्रीय दिवस के स्वर्ण जयंती समारोह में मार्चिंग दल और नौसैनिक बैंड के साथ भाग लिया। भारतीय युद्धपोत सेशेल्स रक्षा बलों के साथ पेशेवर संवाद और सामुदायिक गतिविधियों में भी भाग ले रहे हैं। भारतीय नौसेना के अनुसार यह तैनाती समुद्री सहयोग, क्षेत्रीय सुरक्षा तथा महासागर दृष्टिकोण के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को और मजबूत करती है। सेशेल्स के स्वर्ण जयंती समारोह में भारतीय सैन्य दलों और नौसैनिक जहाजों की भागीदारी विशेष संबंधों का सशक्त प्रतीक है। वहीं भारतीय सेना के असम रेजिमेंट के 32 सदस्यीय दल ने समारोह में मार्च किया। विदेशी मित्र देशों के राष्ट्रीय आयोजनों में भारतीय सैन्य दलों की भागीदारी आपसी विश्वास, सैन्य सहयोग और दीर्घकालिक रक्षा साझेदारी का प्रतीक मानी जाती है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इस अवसर पर कहा कि असम रेजिमेंट और भारतीय नौसेना के दलों की भागीदारी भारत और सेशेल्स के बीच स्थायी और मजबूत मित्रता का एक और प्रमाण है। समारोह के दौरान भारतीय सैन्य दलों ने परेड कर दोनों देशों के रक्षा संबंधों की मजबूती का संदेश दिया। गौरतलब है कि भारत और सेशेल्स के बीच दशकों पुराने ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और जन-से-जन संबंध हैं। समय के साथ यह रिश्ता रक्षा सहयोग, समुद्री सुरक्षा, क्षमता निर्माण, विकास परियोजनाओं और हिंद महासागर क्षेत्र में शांति एवं स्थिरता को बढ़ावा देने वाली एक व्यापक रणनीतिक साझेदारी में बदल चुका है।

अब भारत और सेशेल्स के बीच मजबूत होते रणनीतिक संबंधों का एक और महत्वपूर्ण उदाहरण 29 जून यानी सोमवार को देखने को मिला। सोमवार को सेशेल्स ने अपनी स्वतंत्रता की 50वीं वर्षगांठ के अवसर पर राष्ट्रीय दिवस समारोह आयोजित किया है। इस ऐतिहासिक अवसर पर भारतीय सेना का मार्चिंग दल समारोह में शामिल हुआ।

पश्चिम एशिया संकट के दौरान ईंधन की आपूर्ति सामान्य बनाए रखने के लिए सरकार ने तेजी से उठाए कदमः नवदीप सूरी

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में भारत के पूर्व राजदूत नवदीप सूरी ने सोमवार को कहा कि हालांकि 28 फरवरी को होर्मुज जलडमरूमध्य (स्ट्रेट ऑफ होरमुज) के बंद होने की स्थिति वैश्विक ऊर्जा बाजार के लिए सबसे खराब परिस्थितियों में से एक थी, लेकिन भारत सरकार ने तेजी से कदम उठाकर इस संकट का प्रभावी ढंग से सामना किया और देश में ईंधन की आपूर्ति सामान्य बनाए रखी।

मीडिया से बातचीत में सूरी ने कहा, 'मुझे लगता है कि इस दौरान सरकार ने काफी सक्रिय ऊर्जा कूटनीति का प्रदर्शन किया।'

उन्होंने कहा कि सरकार ने यूएई, सऊदी अरब और कतर जैसे देशों के साथ जो विशेष संबंध बनाए हैं, वे इस संकट के समय बेहद काम आए। उन्होंने बताया कि 15 मई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यूएई यात्रा और युद्ध के दौरान पेट्रोलियम मंत्री की कतर यात्रा इसका उदाहरण हैं। सूरी ने कहा कि इन मजबूत संबंधों की वजह से भारत को एलपीजी और कच्चे तेल जैसी ऊर्जा आपूर्ति लगातार मिलती रही।

पूर्व राजदूत ने यह भी कहा कि इस दौरान भारत की कूटनीति की एक और बड़ी सफलता यह रही कि उसने खाड़ी देशों के अलावा रूस, फिर अमेरिका और साथ ही वेनेजुएला, नाइजीरिया, गैबॉन और गुयाना जैसे अफ्रीका और लैटिन अमेरिका के नए आपूर्तिकर्ता देशों से भी तेल आयात के स्रोत बढ़ाए।

उन्होंने कहा, 'इन सभी प्रयासों की वजह से, जब कई दूसरे देश गंभीर ऊर्जा संकट का सामना कर रहे थे, तब भारत काफी हद तक इस संकट से बचने में सफल रहा।'

सूरी ने आगे यह भी कहा कि सरकार ने उपभोक्ताओं के लिए ईंधन की कीमतें भी नियंत्रित रखने में सफलता हासिल की। जब 28 फरवरी के बाद युद्ध शुरू होने पर वैश्विक तेल कीमतों में तेज बढ़ोतरी हुई, तब सरकार और तेल कंपनियों ने बढ़ी हुई लागत का बड़ा हिस्सा खुद वहन किया।

उन्होंने मीडिया से कहा, 'सरकार ने टैक्स में कटौती की और तेल कंपनियों ने अपने मुनाफे का कुछ हिस्सा छोड़ा, जिससे आम लोगों पर कीमतों का बोझ नहीं पड़ा।'

उन्होंने कहा कि सरकार ने ईंधन की कीमतों को संभालने में काफी समझदारी दिखाई। उनका मानना है कि सरकार का मुख्य उद्देश्य यही था कि कम से कम शुरुआती दौर में आम उपभोक्ताओं को महंगाई से बचाया जाए।

सूरी ने बताया कि जब वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमत 70 डॉलर प्रति बैरल से बढ़कर 126 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई थी, तब इस भारी बढ़ोतरी का अधिकांश बोझ सरकार ने अपने ऊपर लिया।

उन्होंने कहा कि यह सफलता कई रणनीतियों के मेल से मिली। एक ओर भारत ने यूएई, अमेरिका, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका जैसे देशों से तेल और गैस की आपूर्ति लगातार जारी रखी, वहीं दूसरी ओर देश के भीतर भी ईंधन की मांग को बेहतर तरीके से प्रबंधित किया गया। उन्होंने कहा कि भारत ने कम समय में एलपीजी का घरेलू उत्पादन बढ़ाया, जिससे स्थिति को संभालने में काफी मदद मिली।

सूरी ने कहा कि इसकी तुलना यदि पाकिस्तान जैसे देशों से की जाए, जहां स्कूल बंद करने पड़े या कई देशों में ईंधन के लिए लंबी कतारें और भारी कमी देखने को मिली, तो भारत पर ऊर्जा संकट का असर बहुत कम पड़ा और देश में ईंधन की उपलब्धता लगभग सामान्य बनी रही।

इंग्लैंडः टीबी से मौत को लेकर स्टडी में नया खुलासा, समय पर पहचान न होने से हर सप्ताह जा रही एक शख्स की जान

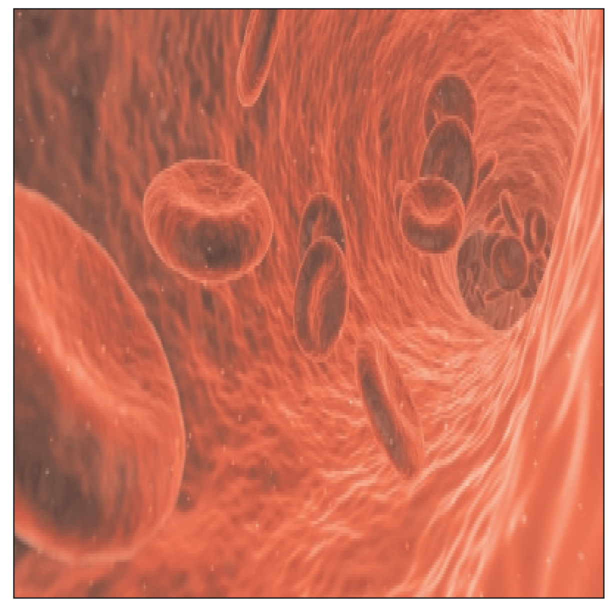

विश्व केसरी ■

लंदन। इंग्लैंड में टीबी से मौत को लेकर एक नया खुलासा किया गया है। एक नए अध्ययन में सामने आया है कि इंग्लैंड में हर सप्ताह एक व्यक्ति की तपेदिक (टीबी) का समय पर पता न चल पाने के कारण मौत हो जाती है। ऐसे मामलों में बीमारी का पता केवल मृत्यु के बाद (पोस्टमार्टम के दौरान) चलता है, जिससे मरीज को इलाज का अवसर ही नहीं मिल पाता।

यह शोध जर्नल थोरेक्स में प्रकाशित किया गया है। शोधकर्ताओं के अनुसार, ब्रिटेन में जन्मे और अधिक उम्र के पुरुषों में मृत्यु के बाद टीबी की पहचान हो पाई। इससे संकेत मिलता है कि स्वास्थ्यकर्मी इन मरीजों में टीबी की आशंका को लेकर पर्याप्त ध्यान नहीं दे रहे हैं।

विशेषज्ञों ने कहा कि मृत्यु के बाद टीबी का पता चलना एक 'नेवर इवेंट' माना जाना चाहिए, यानी ऐसी घटना जो किसी भी हालत में नहीं होनी चाहिए और जिसकी तत्काल जांच होनी चाहिए। उन्होंने इसे 'निदान में सबसे बड़ी देरी' बताया।

इंग्लैंड में टीबी के मामलों की दर पिछले 10 वर्षों में सबसे अधिक हो गई है। वर्ष 2024 में प्रति एक लाख आबादी पर 9.4 मामले दर्ज किए गए, जो विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के निर्धारित 'कम संक्रमण वाले देश' की सीमा के बेहद करीब है।

मीडिया आउटलेट द गार्डियन के मुताबिक, आमतौर पर इंग्लैंड में टीबी के अधिकांश मरीज विदेश में जन्मे होते हैं और उनकी औसत आयु 36 वर्ष होती है। लेकिन थोरेक्स जर्नल में प्रकाशित इस अध्ययन में पाया गया कि मृत्यु के बाद जिन लोगों में टीबी की पहचान हुई, वे ज्यादातर ब्रिटेन में जन्मे और अधिक उम्र के थे।

अध्ययन की सह-लेखिका और लिवरपूल यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल्स एनएचएस फाउंडेशन ट्रस्ट की रेजिडेंट डॉक्टर डॉ. एलेनोर मॉर्गन के अनुसार, 'जब टीबी के मामले लगातार बढ़ रहे हैं, तब हमें हर मरीज के बारे में यह सवाल पूछते रहना चाहिए 'क्या यह टीबी हो सकती है?' भले ही वह सामान्य जोखिम वाले समूह में न आता हो।'

अध्ययन में पाया गया कि मृत्यु के बाद टीबी की पहचान उन लोगों में अधिक हुई जो लंदन के बाहर रहते थे और जिनका शराब या नशीले पदार्थों के सेवन का इतिहास था।

इसके अलावा, चार वर्ष से कम उम्र के बच्चों में भी जोखिम अधिक पाया गया। शोधकर्ताओं के अनुसार, इसका कारण उनका अपरिपक्व प्रतिरक्षा तंत्र, सामान्य जैसे दिखने वाले लक्षण और छोटे बच्चों से जांच के लिए नमूने लेना कठिन होना हो सकता है।

टीबी आज भी दुनिया की सबसे घातक संक्रामक बीमारी बनी हुई है।

बच्चों पर 'परफेक्ट बनने' का दबाव बेहद खतरनाक, 'पुशी पेरेंटिंग' मेंटल हेल्थ करता है खराब

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। आज के समय में हर माता-पिता अपने बच्चे को सबसे बेहतर देखना चाहते हैं, लेकिन समस्या तब शुरू होती है जब माता-पिता अपनी इन उम्मीदों को बच्चों पर थोपने लगते हैं और उन्हें 'परफेक्ट' बनने के लिए मजबूर करते हैं। इसे साइकोलॉजिकल भाषा में 'पुशी पेरेंटिंग' कहा जाता है। यह देखने में बाहर से भले ही अनुशासन और सफलता जैसी दिखे, लेकिन अंदर ही अंदर यह बच्चे के मानसिक विकास के लिए खतरनाक है।

मनोविज्ञान के अनुसार, पुशी पेरेंटिंग का मतलब है बच्चे पर अपनी इच्छाएं थोपना और उसे हमेशा परफेक्ट बनने के लिए मजबूर करना। इसमें देखने में लगता है कि बच्चा अच्छा कर रहा है, लेकिन अंदर ही अंदर वह तनाव महसूस करता रहता है। बच्चा खेल, सीखने और खुशी से ज्यादा केवल परफॉर्मेंस के बारे में सोचने लगता है।

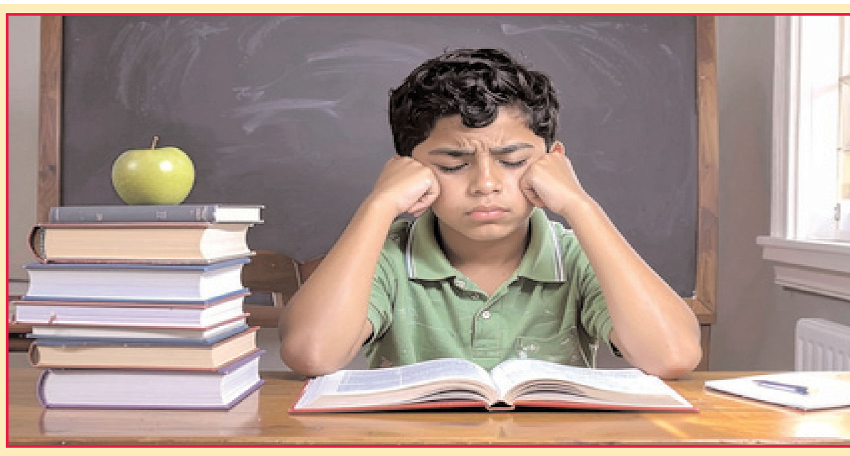

पुशी पेरेंटिंग में माता-पिता हमेशा बच्चे से सबसे ज्यादा नंबर या हर काम में नंबर वन आने की उम्मीद करते हैं। अगर बच्चा अच्छे नंबर भी ले आए, लेकिन टॉप नहीं कर पाया, तो उसे डांट मिलती है। इससे बच्चे को लगने लगता है कि उसकी मेहनत की कोई कीमत नहीं है। धीरे-धीरे उसके अंदर डर पैदा हो जाता है। वह खुद को तभी अपनाता है जब वह दूसरों की उम्मीदों पर खरा उतरता है।

पुशी पेरेंटिंग के दूसरे संकेत में बच्चे की पसंद को नजरअंदाज कर दिया जाता है। कई बार बच्चे को किसी खेल, कला या शौक में रुचि होती है, लेकिन माता-पिता उसे अपनी मर्जी के करियर या पढ़ाई की तरफ धकेलते हैं। इससे बच्चा अपनी खुशी और रुचि को दबाने लगता है और केवल वही करने की कोशिश करता है जिससे माता-पिता खुश हों।

इसके अलावा, जब बच्चों की तुलना दूसरों से की जाती है, तो यह आदत बच्चे के आत्मविश्वास को कमजोर कर देती है। वह खुद को दूसरों से कम समझने लगता है और धीरे-धीरे उसके मन में हीन भावना आ सकती है। मनोवैज्ञानिक इसे सेल्फ-डाउट पैटर्न कहते हैं, जिसमें बच्चा खुद पर भरोसा करना छोड़ देता है।

अक्सर देखा जाता है कि माता-पिता बच्चे के हर छोटे-बड़े फैसले खुद लेने लगते हैं। जैसे क्या पहनना है, क्या खाना है, किससे दोस्ती करनी है या खाली समय में क्या करना है।

इबोला से निपटने के लिए बड़ा कदम, डब्ल्यूएचओ और अफ्रीका सीडीसी ने लॉन्च की आईएमएसटी

विश्व केसरी ■

अदीस अबाबा। अफ्रीका में इबोला के बढ़ते प्रकोप के बीच अफ्रीका सेंटर्स फॉर डिसीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन (अफ्रीका सीडीसी), विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) और युगांडा सरकार ने मिलकर 'जॉइंट कॉन्टिनेंटल इंसिडेंट मैनेजमेंट सपोर्ट टीम' (आईएमएसटी) लॉन्च की है। इसका मकसद पूरे महाद्वीप में स्वास्थ्य आपातकाल से निपटने की क्षमता को मजबूत करना है।

शनिवार देर रात जारी एक बयान में अफ्रीका सीडीसी ने कहा कि नई लॉन्च की गई आईएमएसटी एक ऐसा साझा ऑपरेशनल प्लेटफॉर्म बनाती है जो अफ्रीका की सार्वजनिक स्वास्थ्य आपात स्थितियों की तैयारी, समन्वय और उनसे निपटने की क्षमता को मजबूत करता है। साथ ही, यह बंडिबुग्यो इबोला वायरस बीमारी से निपटने के मौजूदा प्रयासों में भी मदद करता है।

युगांडा की राजधानी कंपाला में मकेरेरे यूनिवर्सिटी में शनिवार को लॉन्च की गई आईएमएसटी, युगांडा, डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो और जोखिम वाले पड़ोसी देशों को एकीकृत तकनीकी सहायता, ऑपरेशनल समन्वय और कई क्षेत्रों के विशेषज्ञों की मदद से सहयोग देगी।

अफ्रीका सीडीसी ने कहा, 'यह लॉन्च अफ्रीका के सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकालीन ढांचे को मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम है। यह अफ्रीका सीडीसी, डब्ल्यूएचओ और अफ्रीकी संघ (एयू) के सदस्य देशों की उस साझा प्रतिबद्धता को दिखाता है जिसके तहत वे तेजी से, बेहतर समन्वय के साथ और देशों के नेतृत्व में जटिल सार्वजनिक स्वास्थ्य खतरों से निपटने की तैयारी कर रहे हैं।'

एयू की विशेष सार्वजनिक स्वास्थ्य एजेंसी ने कहा कि यह नया प्लेटफॉर्म क्षेत्रीय तैयारी और सीमा-पार सहयोग को अफ्रीका की स्वास्थ्य सुरक्षा के जरूरी स्तंभों के तौर पर मजबूत करता है।

एजेंसी ने बताया कि आईएमएसटी, जो 'एक टीम, एक योजना और एक बजट' के सिद्धांतों पर काम करती है, निगरानी, प्रयोगशाला प्रणालियों, केस मैनेजमेंट, संक्रमण की रोकथाम और नियंत्रण, आपातकालीन लॉजिस्टिक्स और संचालन, जोखिम संचार, सूचना प्रबंधन और पार्टनर समन्वय के विशेषज्ञों को एक साथ लाती है ताकि पूरे क्षेत्र में बीमारी के प्रकोप से निपटने की क्षमता को मजबूत किया जा सके। सिन्हुआ समाचार एजेंसी ने यह जानकारी दी।

एक बेहद संक्रामक और घातक वायरल बीमारी है, जो इंसानों और अन्य प्राइमेट्स (जैसे बंदर और चिंपैंजी) को प्रभावित करती है। यह वायरस जंगली जानवरों (जैसे फ्रूट बैट, साही और गैर-मानव प्राइमेट्स) से लोगों में फैलता है और फिर संक्रमित लोगों के खून, स्राव, अंगों या शरीर के अन्य तरल पदार्थों के सीधे संपर्क से और इन तरल पदार्थों से दूषित सतहों और चीजों (जैसे बिस्तर और कपड़े) के संपर्क से इंसानों में फैलता है।

सिर्फ फल नहीं, जामुन के बीज भी हैं सेहत का खजाना, जानिए शरीर को कैसे पहुंचाते हैं फायदा

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। जामुन स्वाद में जितना अच्छा लगता है, उतना ही सेहत के लिए भी फायदेमंद माना जाता है। ज्यादातर लोग जामुन खाकर उसके बीज फेंक देते हैं, लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि जामुन के बीजों में भी कई ऐसे गुण होते हैं, जो शरीर को फायदा पहुंचा सकते हैं। आयुर्वेद में सालों से जामुन के बीजों का इस्तेमाल किया जाता रहा है। अब कई वैज्ञानिक रिसर्च में भी यह बात सामने आई है कि जामुन के बीज शरीर के कई कामों में मदद कर सकते हैं।

विशेषज्ञों के अनुसार, जामुन के बीजों में पॉलीफेनॉल, फ्लेवोनॉयड्स, टैनिन और कई तरह के एंटीऑक्सीडेंट पाए जाते हैं। एंटीऑक्सीडेंट ऐसे तत्व होते हैं जो शरीर में बनने वाले हानिकारक फ्री रेडिकल्स को कम करने में मदद करते हैं। फ्री रेडिकल्स कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाते हैं और समय से पहले बुढ़ापा, सूजन और कई बीमारियों का खतरा बढ़ा सकते हैं। जब शरीर को पर्याप्त एंटीऑक्सीडेंट मिलते हैं तो कोशिकाओं की सुरक्षा बेहतर होती है और शरीर की प्राकृतिक रक्षा प्रणाली मजबूत बनी रहती है।

जामुन के बीज ब्लड शुगर को नियंत्रित रखने में मददगार होते हैं। कई रिसर्च में पाया गया है कि जामुन के बीजों में ऐसे तत्व मौजूद होते हैं, जो शरीर में शुगर बढ़ने की गति को धीमा करते हैं। जब हम खाना खाते हैं तो उसमें मौजूद शर्करा खून में पहुंचती है। जामुन के बीज इस प्रक्रिया को थोड़ा धीमा करने में मदद करते हैं। इससे खून में शुगर का स्तर अचानक बहुत तेजी से नहीं बढ़ता। हालांकि डायबिटीज के मरीजों को इसके चूर्ण का सेवन करने से डॉक्टरों की सलाह लेनी चाहिए। जामुन के बीज पेट के लिए भी अच्छे माने जाते हैं। इनमें फाइबर होता है, जो भोजन को सही तरीके से पचाने में मदद करता है। फाइबर आंतों की सफाई में भी मदद करता है और कब्ज की परेशानी को कम करता है। जिन लोगों को पेट ठीक से साफ नहीं होता या बार-बार पाचन की समस्या रहती है, उनके लिए जामुन और उसके बीज फायदेमंद होते हैं।

क्या कम हो रही है आपकी सुनने की क्षमता? शरीर पहले ही देने लगता है ये संकेत

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। सुनने की क्षमता कम होना केवल बढ़ती उम्र की समस्या नहीं है। आज के समय में तेज शोर, लंबे समय तक ईयरफोन का इस्तेमाल, कुछ बीमारियों और जीवनशैली से जुड़ी कई चीजें लोगों की सुनने की क्षमता पर असर डाल रही हैं।

विशेषज्ञों का कहना है कि सुनने की समस्या अक्सर धीरे-धीरे शुरू होती है। शुरुआत में व्यक्ति को लगता है कि आसपास बहुत शोर है या सामने वाला साफ नहीं बोल रहा, लेकिन असल में यह सुनने की क्षमता में आ रही कमी का संकेत हो सकता है। यही कारण है कि बड़ी संख्या में लोग सालों तक इस समस्या को पहचान नहीं पाते और जब तक इलाज के बारे में सोचते हैं, तब तक परेशानी काफी बढ़ चुकी होती है।

वैज्ञानिक रिसर्च के मुताबिक, कान आवाज सुनने के साथ-साथ मस्तिष्क तक सही जानकारी पहुंचाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जब सुनने की क्षमता कम होने लगती है तो व्यक्ति बातचीत को समझने और लोगों से जुड़ने में मुश्किल होती है। लंबे समय तक सुनने की समस्या को नजरअंदाज करने से तनाव, अकेलापन और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी परेशानियों का खतरा बढ़ता है।

विशेषज्ञों के अनुसार, सुनने की क्षमता कम होने का पहला संकेत होता है कि कई बार लोग आवाज तो सुन लेते हैं, लेकिन शब्दों को ठीक तरह से समझ नहीं पाते। खासकर ऐसी जगहों पर जहां बहुत सारे लोग एक साथ बात कर रहे हों या आसपास शोर हो, वहां बातचीत समझना मुश्किल लगने लगता है। वैज्ञानिकों का कहना है कि सुनने की क्षमता में शुरुआती कमी अक्सर ऊंची आवृत्ति वाली आवाजों को प्रभावित करती है।

जिम्स प्रशासन की कर्मचारियों से अपील, कहा- मरीजों के हित में काम पर लौटें, मांगों पर बनेगी समिति

विश्व केसरी ■

ग्रेटर नोएडा। राजकीय आयुर्विज्ञान संस्थान (जिम्स), ग्रेटर नोएडा के प्रशासन ने पिछले 15 दिनों से आंदोलनरत कर्मचारियों से तत्काल कार्य पर लौटने की भावुक अपील की है। प्रशासन ने कहा है कि कर्मचारियों की अधिकांश मांगों के प्रति वह पूरी सहानुभूति रखता है और जिन मुद्दों का समाधान संस्थान स्तर पर संभव होगा, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाएगा। वहीं शासन स्तर से जुड़े विषयों को तत्काल कार्रवाई के लिए सरकार को भेजा जाएगा।

जिम्स प्रशासन की ओर से जारी संदेश में कहा गया है कि कर्मचारियों की मांगों पर विचार के लिए छह सदस्यीय समिति गठित की जाएगी। इसमें कर्मचारियों के तीन प्रतिनिधि और जिम्स प्रशासन के तीन प्रतिनिधि शामिल होंगे। समिति की अध्यक्षता जिला प्रशासन करेगा और जो भी निर्णय समिति देगी, उसका संस्थान स्तर पर निस्तारण किया जाएगा अथवा आवश्यक होने पर शासन को भेजा जाएगा।

प्रशासन ने आंदोलनरत कर्मचारियों से कहा कि कुछ बाहरी अराजक तत्व उन्हें भ्रमित करने का प्रयास कर रहे हैं और अपने स्वार्थ के लिए आंदोलन का इस्तेमाल करना चाहते हैं। संदेश में यह भी कहा गया है कि पिछले कुछ दिनों से यह अफवाह फैलाई जा रही थी कि पुलिस कर्मचारियों को उनके हॉस्टल या घरों से उठाएगी, जबकि ऐसा किसी के साथ नहीं हुआ। प्रशासन ने भरोसा दिलाया कि जो कर्मचारी कानून व्यवस्था का उल्लंघन नहीं करेंगे, उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी।

जिम्स प्रशासन ने चिंता जताई कि लगातार 15 दिनों से चल रहे धरना-प्रदर्शन के कारण अस्पताल की स्वास्थ्य सेवाएं गंभीर रूप से प्रभावित हुई हैं। इसका सबसे अधिक असर गरीब और जरूरतमंद मरीजों पर पड़ा है, जिन्हें समय पर उपचार नहीं मिल पा रहा है। प्रशासन ने कर्मचारियों से मरीजों के हित को सर्वोपरि रखते हुए तत्काल काम पर लौटने की अपील की है। साथ ही चेतावनी दी कि यदि कर्मचारी कार्य पर वापस नहीं आते हैं तो संस्थान को वैकल्पिक व्यवस्था करने के लिए विवश होना पड़ेगा।

बैडमिंटन एशिया जूनियर टीम चैंपियनशिप: क्वार्टर फाइनल में हांगकांग ने भारत को हराया

विश्व केसरी ■

यात्सुशिरो (जापान)। बैडमिंटन एशिया जूनियर मिक्स्ड टीम चैंपियनशिप में भारत का सफर समाप्त हो गया है। सोमवार को क्वार्टर फाइनल मुकाबले में भारतीय टीम को हांगकांग के खिलाफ 1-2 से हार का सामना करना पड़ा।

भारत ने मुकाबले की शुरुआत शानदार अंदाज में की। देव रूपारेलिया और तन्वी पत्री ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए टीम को मजबूत बढ़त दिलाई। पहले दो मैचों के बाद भारत 22-12 से आगे था। इसके बाद भारतीय डबल्स जोड़ी ने भी बेहतरीन खेल दिखाया और बढ़त को बरकरार रखा। दोनों खिलाड़ियों ने संयम के साथ अंक जुटाए और टीम को किसी भी तरह की मुश्किल में नहीं आने दिया। आखिरकार भारत ने यह सेट 55-44 के अंतर से अपने नाम किया।

दूसरे सेट में हांगकांग ने शानदार वापसी की। कैन यी हेई ने देव रूपारेलिया को 11-8 से हराकर अपनी टीम को अच्छी शुरुआत दिलाई। इसके बाद आईपी सम याउ ने भी जीत दर्ज की और हांगकांग की बढ़त 22-16 तक पहुंचा दी। भारतीय डबल्स जोड़ियां भी इस अंतर को कम नहीं कर सकीं। नतीजतन हांगकांग ने दूसरा सेट जीतकर मुकाबले को निर्णायक तीसरे सेट तक पहुंचा दिया।तीसरे और आखिरी सेट में देव रूपारेलिया ने फिर शानदार खेल दिखाया और चैन को 11-9 से हराकर भारत को बढ़त दिलाई। हालांकि, आईपी सम याउ ने जीत दर्ज कर स्कोर 22-21 कर दिया और मुकाबला बेहद रोमांचक बना दिया। इसके बाद ब्योर्न जैसन और डियांका वाल्डिया की भारतीय मिश्रित युगल जोड़ी ने चेउंग साई शिंग और विंग ची चू के खिलाफ मुकाबले में भारत को 33-32 की मामूली बढ़त दिलाई। दोनों जोड़ियों के बीच मुकाबला 11-11 से बराबरी पर समाप्त हुआ, जिससे मैच का रोमांच अंत तक बना रहा। हालांकि, तन्वी रेड्डी एंडलुरी और बरुनी पार्श्ववाल चू और यी किउ यू से 5-11 से हार गईं और भारत इससे उबर नहीं सका और सेट 55-43 से हार गया।

जूनियर कॉन्टिनेंटल बैडमिंटन चैंपियनशिप 2026 का 26वां संस्करण दो चरणों में आयोजित किया जा रहा है। पहला चरण मिक्स्ड टीम प्रतियोगिता का है, जो 26 से 30 जून तक खेला जाएगा। इसके बाद 1 से 5 जुलाई तक व्यक्तिगत (इंडिविजुअल) मुकाबले आयोजित होंगे।

एफआईएच प्रो लीग: भारत ने शूटआउट में इंग्लैंड को 3-2 से हराया

विश्व केसरी ■

लंदन । एफआईएच प्रो लीग के अपने आखिरी मुकाबले में भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने शानदार खेल दिखाते हुए इंग्लैंड को पेनल्टी शूटआउट में 3-2 से हराया। ली वैली हॉकी एंड टेनिस सेंटर में निर्धारित 60 मिनट में कोई भी टीम कोई गोल नहीं कर सकी, जिसके बाद मैच का फैसला शूटआउट के जरिए हुआ।

भारत की ओर से अभिषेक, शिलानंद लाकड़ा और हार्दिक सिंह ने शूटआउट में गोल दागा। वहीं, बेहतरीन डिफेंडर की भूमिका निभाने वाले संजय को 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया। मैच की शुरुआत इंग्लैंड ने आक्रमक अंदाज में की। पहले ही क्वार्टर में मेजबान टीम को पेनल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन भारतीय गोलकीपर मोहित शशिकुमार ने शानदार बचाव करते हुए टीम को शुरुआती झटके से बचा लिया। उन्होंने लगातार कई बेहतरीन सेव किए और इंग्लैंड के खिलाड़ियों को गोल करने का मौका नहीं दिया। भारत की ओर से पहले क्वार्टर में सबसे अच्छा मौका अभिषेक को मिला, लेकिन वह भी इसे गोल में तब्दील करने में नाकाम रहे। पहले क्वार्टर में दोनों टीमों का स्कोर 0-0 रहा।

दूसरे क्वार्टर में भी इंग्लैंड ने भारतीय डिफेंस पर लगातार दबाव बनाने की कोशिश की। इंग्लैंड ने कई बार भारतीय डी में प्रवेश किया, लेकिन भारतीय डिफेंस ने हर चुनौती का मजबूती से सामना किया। दूसरी ओर, भारत ने भी जवाबी हमला किया। जरमनप्रीत सिंह ने शानदार शॉट खेल गोल करने का प्रयास किया, लेकिन इंग्लैंड के गोलकीपर ने बेहतरीन बचाव करते हुए भारत को बढ़त लेने से रोक दिया। हाफ टाइम तक दोनों टीमों की ओर से कई प्रयास किए गए, लेकिन किसी को भी सफलता हाथ नहीं लगी।

तीसरे क्वार्टर में भारतीय टीम ने अधिक आक्रामक खेल दिखाया। कप्तान हार्दिक सिंह ने मिडफील्ड से शानदार दौड़ लगाते हुए अटैक किया और मंदीप सिंह के लिए अच्छा मौका तैयार किया, लेकिन इंग्लैंड के गोलकीपर ने फिर बेहतरीन बचाव किया। हार्दिक ने मैच पर असर डालना जारी रखा और 37वें मिनट में भारत को पेनल्टी कॉर्नर दिलाया, लेकिन अमनदीप लाकड़ा इसे गोल में नहीं बदल पाए।

तीसरे क्वार्टर के आखिर में एक बड़ा टर्निंग पॉइंट आया जब यशदीप सिंह को हेनरी क्रॉफ्ट पर फाउल करने का दोषी पाए जाने पर इंग्लैंड को पेनल्टी स्ट्रोक मिला, लेकिन भारत ने तुरंत वीडियो रेफरल लिया। रिप्ले में साफ दिखा कि भारतीय खिलाड़ी का टैकल सही था, जिसके बाद अंपायर को अपना फैसला बदलना पड़ा और निकोलस पार्क को ग्रीन कार्ड थमाया गया।

स्ट्रेस फ्रैक्चर की वजह से विंबलडन 2026 से हटीं एम्मा राडुकानू

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। ब्रिटेन की नंबर एक खिलाड़ी एम्मा राडुकानू को अपने निचले पैर में स्ट्रेस फ्रैक्चर की वजह से विंबलडन से हटना पड़ा है। राडुकानू ने क्रोएशिया की एंटोनिया रूजिक के खिलाफ अपने पहले राउंड के मैच से 12 घंटे पहले हटने की घोषणा की।

इस महीने की शुरुआत में क्वीन्स चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने के बाद से ही वह अपने निचले पैर में एक हल्की चोट से जूझ रही थीं। यह इस साल डब्ल्यूटीए टूर पर उनका दूसरा फाइनल था। सोशल मीडिया पर विंबलडन से हटने की पुष्टि करते हुए पोस्ट किए गए एक बयान में 23 साल की खिलाड़ी ने कहा कि उन्हें सलाह दी गई है कि वह टूर्नामेंट में आगे न बढ़ें, क्योंकि यह छोटी-मोटी चोट स्ट्रेस फ्रैक्चर में बदल गई है।

उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'इंस्टाग्राम' के स्टोरी सेक्शन पर अपने अकाउंट से पोस्ट करते हुए लिखा, 'मुझे यकीन नहीं हो रहा कि मैं यह कह रही हूं, लेकिन दुख की बात है कि मुझे इस साल के विंबलडन से हटना पड़ रहा है।

मैंने स्टार्ट लाइन तक पहुंचने की पूरी कोशिश की, लेकिन आज रात फाइनल स्कैन के बाद जिस छोटी सी चोट को मैं मैनेज कर रही थी, वह स्ट्रेस फ्रैक्चर में बदल गई है और मुझे मेडिकली सलाह दी गई है कि मैं इस चोट के साथ न खेलूं।

रोच-सील्स की शानदार गेंदबाजी, वेस्टइंडीज ने पहले टेस्ट में श्रीलंका को एक पारी और 217 रनों से रौंदा

विश्व केसरी ■

एंटीगुआ । वेस्टइंडीज ने विवयन रिचर्ड्स क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए पहले टेस्ट में श्रीलंका को एक पारी और 217 रनों से रौंदा। अपनी दूसरी पारी में श्रीलंका की पूरी टीम सिर्फ 101 रन बनाकर ऑलआउट हुई। केमार रोच और जेयडन सील्स ने मिलकर सात विकेट अपने नाम किए।

पहली पारी के आधार पर वेस्टइंडीज से 318 रनों से पिछड़ने के बाद बल्लेबाजी करने उतरी श्रीलंका की शुरुआत दूसरी इनिंग में भी खराब रही। पथुम निसांका महज 3 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, निशान मदुष्का भी बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और 2 रन बनाकर केमार रोच का पहला शिकार बने। कसुन राजिथा को जेयडन सील्स ने सिर्फ 4 रनों के स्कोर पर पवेलियन भेजा। कामिंदु मेंडिस 34 गेंदों का सामना करने के बाद 9 रन बनाकर आउट हुए, जबकि पहली पारी में शतक लगाने वाले धनंजय डी सिल्वा दूसरी इनिंग में अपना खाता तक नहीं खोल सके।

दिनेश चांदीमल श्रीलंका की ओर से अकेले लड़ाई लड़ते दिखाई दिए और वह 60 गेंदों में 5 चौकों की मदद से 43 रन बनाकर आउट हुए। कुशल मेंडिस को 8 रनों के स्कोर पर अल्जारी जोसेफ ने क्लीन बोल्ड किया। मिलन प्रियनाथ रत्नायके और असिथा फर्नांडो बिना खाता खोले पवेलियन लौटे, जबकि सोनल दिनुशा 12 रन बनाकर नाबाद रहे। केमार रोच ने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए 51 रन देकर 4 विकेट चटकाए, तो जेयडन सील्स ने 14 रन देकर 3 विकेट अपने नाम किए। शेमार जोसेफ 2 और अल्जारी जोसेफ एक विकेट निकालने में सफल रहे।

इससे पहले, श्रीलंका ने पहली पारी में 308 रन बनाए थे। टीम की ओर से धनंजय डी सिल्वा ने 120 रनों की शानदार पारी खेली, जबकि दिनेश चांदीमल ने 54 रनों का योगदान दिया। इसके जवाब में वेस्टइंडीज ने पहली इनिंग में 9 विकेट खोकर 626 रन बनाने के बाद पारी को घोषित किया। कैरेबियाई टीम की तरफ से आमिर जांगू ने 233 रनों की लाजवाब पारी खेली, तो कप्तान रोस्टन चेज ने 194 रन बनाए। पहली पारी के आधार पर वेस्टइंडीज ने 318 रनों की बड़ी बढ़त हासिल की।

मनसुख मांडविया ने ऐतिहासिक मेंस वॉलीबॉल कप ब्रॉन्ज मेडल जीतने पर टीम इंडिया को सम्मानित किया

गांधीनगर । मेंस वॉलीबॉल कप में भारत ने रविवार को ऐतिहासिक ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। इस प्रदर्शन की बदौलत भारत एफआईवीबी वर्ल्ड रैंकिंग में 18 स्थान ऊपर चढ़कर 42वें पायदान पर पहुंच गया। सोमवार को केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने घरेलू मैदान पर शानदार प्रदर्शन करने वाली राष्ट्रीय टीम को सम्मानित किया।

कप्तान जेरोम विनिथ चार्ल्स की अगुवाई और सर्बिया के ड्रैगन मिहाइलोविच की कोचिंग वाली भारतीय टीम ने कॉन्टिनेंटल चैंपियनशिप में अब तक का सबसे अच्छा प्रदर्शन किया। भारत पूल स्टेज में अजेय रहा और ब्रॉन्ज मेडल प्लेऑफ में बहरीन को 3-1 से हराकर टूर्नामेंट के इतिहास में पहली बार पोडियम में जगह बनाई।

ऐतिहासिक ब्रॉन्ज मेडल के अलावा, भारत के शानदार प्रदर्शन से एफआईवीबी वर्ल्ड रैंकिंग में भी काफी सुधार हुआ है। पुरुष टीम वर्ल्ड रैंकिंग में 60वें नंबर से 42वें नंबर पर पहुंच गई है। अगले दिन गांधीनगर में केंद्रीय खेल मंत्री ने खिलाड़ियों से मुलाकात की। मनसुख मांडविया ने खिलाड़ियों, कोचिंग स्टाफ और सपोर्ट स्टाफ को बधाई देते हुए टीम से अपनी सफलता को आगे भी जारी रखने का आग्रह किया।

उन्होंने कहा, 'यह मेडल ऐतिहासिक है, लेकिन यह सिर्फ शुरुआत होनी चाहिए। हर उपलब्धि बड़ी जिम्मेदारी और ज्यादा उम्मीदें लेकर आती है। सरकार की हर नीति, हर निवेश और हर कोशिश का मकसद हमारे एथलीट्स को उनकी पूरी क्षमता का एहसास कराने और अंतरराष्ट्रीय मंच पर लगातार बेहतर प्रदर्शन करने में मदद करना है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि घरेलू मैदान पर पोडियम फिनिश भारतीय वॉलीबॉल की लगातार हो रही प्रगति को दिखाती है और बड़े अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों की मेजबानी करने की देश की बढ़ती क्षमता को भी रेखांकित करती है। ऐसा पहली बार था जब भारत ने मेंस वॉलीबॉल कप की मेजबानी की।

फीफा वर्ल्ड कप से बाहर होने से निराश हूं, लेकिन टीम के प्रदर्शन पर गर्व: ह्यूगो ब्रूज

विश्व केसरी ■

लॉस एंजिल्स। साउथ अफ्रीका का फीफा वर्ल्ड कप 2026 में सफर समाप्त हो गया है। राउंड ऑफ 32 के पहले मुकाबले में साउथ अफ्रीका को कनाडा के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। इस हार के साथ ही टीम टूर्नामेंट से बाहर हो गई है। साउथ अफ्रीका के हेड कोच ह्यूगो ब्रूज ने हार के बाद निराशा जाहिर की, लेकिन टीम के पहली बार नॉकआउट स्टेज तक पहुंचने को बड़ी उपलब्धि करार दिया।

ह्यूगो ब्रूज ने कहा कि भले ही हार से निराशा हुई है, लेकिन उनकी टीम को इस बात पर गर्व होना चाहिए कि वह पहली बार वर्ल्ड कप के नॉकआउट स्टेज तक पहुंची। उन्होंने कहा कि टूर्नामेंट से पहले किसी ने भी साउथ अफ्रीका के इस स्तर तक पहुंचने की उम्मीद नहीं की थी। साउथ अफ्रीका का अभियान चुनौतीपूर्ण रहा। टीम ने पहले मैच में मेक्सिको से हार झेली थी, लेकिन इसके बाद शानदार वापसी करते हुए चेकिया के खिलाफ ड्रॉ खेला और फिर कोरिया को 1-0 से हराकर राउंड ऑफ 32 में जगह बनाई। इस जीत के साथ टीम ने इतिहास रचते हुए पहली बार वर्ल्ड कप नॉकआउट स्टेज में प्रवेश किया।

साउथ अफ्रीका का कनाडा के खिलाफ मुकाबला बेहद करीबी रहा, लेकिन आखिरी समय में स्टीफन यूस्टाकियो के गोल ने साउथ अफ्रीका की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। मैच के बाद ब्रूज ने माना कि उनकी टीम को पावर और स्पीड के मामले में सुधार करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि कई मौकों पर उनकी टीम शारीरिक मुकाबले में पिछड़ गई, जिसका असर खेल पर पड़ा।

ब्रूज ने यह भी कहा कि उन्हें खिलाड़ियों की मानसिकता और मेहनत पर कोई शिकायत नहीं है। उन्होंने कहा कि टीम ने टूर्नामेंट में पूरी कोशिश की और बेहतरीन प्रदर्शन किया।

कोच ने माना कि हार दुखद है, लेकिन यह अनुभव भविष्य के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। 74 साल के ब्रूज इस मुकाबले के साथ वर्ल्ड कप नॉकआउट इतिहास में टीम की अगुवाई करने वाले सबसे उम्रदराज कोच भी बने। उन्होंने कहा कि यह अनुभव उनके लिए खास रहेगा और वह इस टूर्नामेंट को हमेशा याद रखेंगे।

यूएस ओपन बैडमिंटन: किदांबी श्रीकांत का टूटा खिताब जीतने का सपना, फाइनल में सु ली-यांग ने हराया

विश्व केसरी ■

फुलर्टन । दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत का बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर के खिताब का इंतजार और बढ़ गया। यूएस ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के खिताबी मुकाबले में श्रीकांत को चीनी ताइपे के सु ली-यांग के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा।

33 वर्षीय किदांबी श्रीकांत ने अपने से नौ साल छोटे प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ कड़ा मुकाबला किया। उन्होंने मैच में वापसी की पूरी कोशिश की और जीत के लिए पूरा दम लगाया, लेकिन आखिरकार एक घंटे नौ मिनट तक चले मुकाबले में उन्हें 15-21, 21-16 और 9-21 से हार का सामना करना पड़ा।

श्रीकांत ने 2017 फ्रेंच ओपन का खिताब जीतने के बाद कोई बीडब्ल्यूएफ टूर खिताब नहीं जीता है। मैच के बाद उन्होंने कहा, 'मुझे

लगता है कि मैं जो कुछ भी कर रहा हूं, वह काम कर रहा है। मुझे बस कड़ी मेहनत करते रहना है। मुझे लगता है कि मैं वहां हूं, लेकिन यह उन जरूरी प्वाइंट्स को जीतने के बारे में है। वह (सु ली यांग) पिछले कुछ महीनों से बहुत अच्छा खेल रहे हैं। यह एक ऐसा दिन था, जब उन्होंने उन प्वाइंट्स पर बहुत अच्छा खेला जो मायने रखते थे।'

किदांबी श्रीकांत और ताइवान के सु ली-यांग इससे पहले दो बार आमने-सामने आ चुके थे। दोनों खिलाड़ियों ने एक-एक मुकाबला जीता था।

यूएस ओपन फाइनल से पहले उनकी पिछली भिड़ंत मई में थाईलैंड ओपन के प्री-क्वार्टर फाइनल में हुई थी, जिसमें सु ली-यांग ने तीन गेम में जीत दर्ज की थी।

फाइनल के पहले गेम में सु ली-यांग ने शानदार शुरुआत करते हुए 10-5 की बढ़त बनाई, हालांकि श्रीकांत ने शानदार वापसी करते हुए स्कोर 10-10 से बराबर कर दिया। इसके बाद सु ने लगातार सात अंक जीतकर मुकाबले पर पकड़ बना ली और पहला गेम 21-15 से अपने नाम कर लिया।

दूसरे गेम में श्रीकांत ने बेहतर खेल दिखाया। शुरुआती दौर में दोनों खिलाड़ियों के बीच कांटे की टक्कर रही, लेकिन इसके बाद श्रीकांत ने लगातार अंक जुटाकर 20-13 की मजबूत बढ़त बना ली। उन्होंने अपना चौथा गेम प्वाइंट भुनाते हुए दूसरा गेम को 21-16 से जीतकर मैच को बराबरी पर ला दिया।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रींटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेल: vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415